



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-14092021-229600  
CG-DL-E-14092021-229600

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 267]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 14, 2021/भाद्र 23, 1943

No. 267]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 14, 2021/BHADRA 23, 1943

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार और उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2021

मामला सं. ए.डी.(एसएसआर) 06/2021

**विषय:** चीन जन.गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए "लोहा अथवा नॉन-अलॉय स्टील, अथवा सभी चौड़ाई और मोटोई के कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किए हुए फ्लैट स्टील उत्पादों – जो ढका हुआ, प्लेट किया हुआ अथवा कोट किया हुआ न हो" के आयातों की जांच के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच में अंतिम जांच परिणाम।

**फा. सं. 7/6/2021-डीजीटीआर.**—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे "अधिनियम" कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "पाटनरोधी नियमावली") अथवा नियमावली" अथवा "पाटनरोधी नियमावली" कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

1. 19 अप्रैल, 2016 को, व्यापार उपचार महानिदेशालय (जिसे आगे "निर्दिष्ट प्राधिकारी" अथवा "प्राधिकारी" कहा गया है) ने पाटन की प्रकृति और सीमा तथा घरेलू उद्योग पर इसके क्षतिकारक प्रभाव की जांच करने के लिए चीन

जन.गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन (जिसे आगे “संबद्ध देश” कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए “अलॉय अथवा नॉन अलॉय स्टील के कोल्ड रोलड फ्लैट उत्पादों” ( जिसे आगे “कोल्ड रोलड स्टील” “संबद्ध वस्तु” अथवा “विचाराधीन उत्पाद” भी कहा गया है) के संबंध में जांच शुरु की थी। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की मूल याचिका स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, आरसेलर मि्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड (पूर्व में एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड) और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा दायर की गई थी।

2. प्राधिकारी ने अधिसूचना सं. 14/12/2016-डीजीएडी के माध्यम से 3 अगस्त, 2016 को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किया और संदर्भ कीमत के रूप में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क (एडीडी) लगाए जाने की सिफारिश की। केन्द्र सरकार ने दिनांक 17 अगस्त, 2016 की अधिसूचना सं. 45/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं पर छह महीने की अवधि के लिए अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया था। अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को अधिसूचना सं. 06/2017-सीमाशुल्क (एडीडी) के माध्यम से 7 फरवरी, 2017 को बढ़ाकर 16 अप्रैल, 2017 तक कर दिया गया था।
3. प्राधिकारी ने दिनांक 10 अप्रैल, 2017 को अधिसूचना सं. 14/12/2016-डीजीएडी के माध्यम से अंतिम जांच परिणाम जारी किया और 5 वर्षों के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की। उपर्युक्त जांच परिणामों के आधार पर, केन्द्र सरकार ने दिनांक 12 मई, 2017 की अधिसूचना सं. 18/2017-सीमाशुल्क (एडीडी) के माध्यम से संदर्भ कीमत के रूप में 5 वर्षों की अवधि के लिए अर्थात् 17 अगस्त, 2016 तक निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया।
4. इस अधिनियम की धारा 9क(5) के संदर्भ में, लगाया गया पाटनरोधी शुल्क, यदि उसे पूर्व में निरस्त नहीं किया गया हो, इस प्रकार के अधिरोपण की तिथि से पांच वर्षों के समाप्त होने पर लागू नहीं रहेगा और प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस तथ्य की समीक्षा करें कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप संभवतः पाटन और क्षति जारी रहेगी अथवा फिर से उत्पन्न होगी। इसके अलावा, इस नियमावली के नियम 23(1ख) में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

*“.....किसी बात के होते हुए भी अधिनियम के अंतर्गत लगाया गया कोई निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क उसके लगाए जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा बशर्ते निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त अवधि से पूर्व अपनी खुद की पहल पर या घरेलू उद्योग की ओर से किए गए विधिवत् पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर उक्त अवधि समाप्त होने से पूर्व उचित अवधि के भीतर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उक्त शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।”*

5. उपर्युक्त के अनुसार, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे घरेलू उद्योग के द्वारा अथवा उसकी ओर से किए गए विधिवत प्रमाणिक अनुरोध के आधार पर इस तथ्य की समीक्षा करें कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।
6. और जब कि, उपर्युक्त प्रावधानों के संदर्भ में, भारतीय इस्पात संघ ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड और आरसेलर मि्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड ( जिसे आगे “आवेदक” अथवा “आवेदक कंपनियां” अथवा “घरेलू उद्योग” भी कहा गया है) की ओर से चीन जन.गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन (जिसे आगे “संबद्ध देश” भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित किए गए “लोहा अथवा नॉन-अलॉय स्टील, अथवा सभी चौड़ाई और मोटोई के कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पादों – जो ढका हुआ, प्लेट किया हुआ अथवा कोट किया हुआ नहीं हो” (जिसे आगे “विचाराधीन उत्पाद” अथवा “संबद्ध वस्तु” भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में निर्णायक जांच की शुरुआत करने के लिए सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे “प्राधिकारी” भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया था। इस याचिका का समर्थन टाटा स्टील लिमिटेड और टाटा स्टील बीएसएल लिमिटेड (भूतपूर्व भूषण स्टील लिमिटेड) द्वारा किया गया है। यह अनुरोध उन आधारों पर किया गया था कि इस शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप संबद्ध वस्तुओं के पाटन के जारी रहने और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के जारी रहने तथा वास्तविक क्षति के फिर से होने की संभावना थी।

7. और जबकि आवेदक द्वारा दायर किए गए विधिवत् प्रमाणिक आवेदन को देखते हुए, प्राधिकारी ने चीन जन.गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 31 मार्च, 2021 की अधिसूचना सं. फा.सं. 7/6/2021-डीजीटीआर के माध्यम से एक आम नोटिस जारी किया। एडी नियमों के अनुसार और यह जांचने के लिए कि क्या उक्त शुल्क की समाप्ति से घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
8. निर्णायक समीक्षा की शुरुआत किए जाने के अनुसरण में, पाटनरोधी शुल्क को दिनांक 29 जून, 2021 की अधिसूचना सं. 37/2021-सीमाशुल्क (एडीडी) के माध्यम से 15 दिसंबर, 2021 तक बढ़ाया गया है।
9. वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र में दिनांक 10 अप्रैल, 2017 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/12/2016-डीजीएडी जिसने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी, के सभी पहलू शामिल हैं।

## ख. प्रक्रिया

10. इस जांच में नीचे दी गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:
  - i. प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 31 मार्च, 2021 की एक अधिसूचना संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करते हुए अधिसूचना सं. 7/6/2021-डीजीटीआर के संदर्भ में जारी की।
  - ii. प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 31 मार्च, 2021 की जांच की शुरुआत संबंधी सूचना की एक प्रति भेजी। हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि वे निर्धारित रूप में और तरीके से संगत सूचना उपलब्ध कराएं और निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने अनुरोधों से अवगत कराएं।
  - iii. प्राधिकारी ने ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देश के दूतावासों को उक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति उपलब्ध कराई।
  - iv. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों से निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी संबंधित संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पते के साथ भेजे गए दूतावासों के साथ भी साझा की गई थी।
  - v. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किए जाने पर, दिनांक 3 जून, 2021 तक अपना उत्तर तथा अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए समय का विस्तार दिया।
  - vi. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजी:
    - क. जियांग्सु शागेंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड
    - ख. अंगेंग स्टील कंपनी
    - ग. जिनसा इंटरनेशनल पीटीई. लि. (ट्रेड)
    - घ. फ्यूचर मैटिरियल्स इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लि. (ट्रेडर)
    - ड. लु क्रि (हांग कांग) कं. कलि. (ट्रेडर)
    - च. अंगेंग स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
    - छ. बाओशान आयरन ऐंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
    - ज. बाओस्टील सिंगापुर पीटीई. लि. (ट्रेडर)

- झ. निप्पन सुमिटोमो  
 ज. जेएफई स्टील कारपोरेशन  
 ट. निसान ट्रेडिंग कं. लि. (ट्रेडर)  
 ठ. सुमिटोमो कारपोरेशन (उत्पादक)  
 ड. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 ढ. ओहमी इंडस्ट्रीज(ट्रेडर)  
 ण. कानेमास्तु कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 त. निस्थिन स्टील कं. लि. (उत्पादक)  
 थ. मारुबेनी इटकोचु स्टील इन्क.(ट्रेडर)  
 द. टोयोटा शुशो कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 ध. निप्पन स्टील ऐंड सुमिकिन बुसान कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 न. मित्सुई ऐंड कं. लि. (एनसीपी पेंडिंग) (ट्रेडर)  
 प. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 फ. मेटल वन कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 ब. पोस्को  
 भ. हुंडई स्टील कं. लि.  
 म. डोंगकुक स्टील मिल कं. लि.  
 य. कोवन ट्रेडिंग कारपो. (ट्रेडर)  
 कक. डोंगकुक इंडस्ट्रीज कं. (उत्पादक)  
 खख. सैमसंग सीऐंडटी कारपोरेशन- (हुंडई) (ट्रेडर)  
 गग. हुंडई स्टील कंपनी (उत्पादक)  
 घघ. पीऐंडए कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 ड.ड. एलजी इंटरनेशनल कारपो. (ट्रेडर)  
 चच. हुंडई कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 छछ. पोस्को डेवू कारपोरेशन (ट्रेडर)  
 जज. पोस्को कोरिया (उत्पादक)  
 झझ. पोस्को प्रोसेसिंग ऐंड सर्विस कं. लि. (ट्रेडर)  
 जज. जापोरिजस्टाल इंटेग्रेटेड ऑयरन ऐंड स्टील वर्क्स (उत्पादक)  
 टट. मेटइन्वेस्ट इंटरनेशनल एसए (ट्रेडर)
- vii. निम्नलिखित कंपनियों ने निर्यातकों/उत्पादकों के रूप में विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया:
- क. पोस्को कोरिया गणराज्य  
 ख. पोस्को एशिया कंपनी लिमिटेड  
 ग. पोस्को इंटरनेशनल कारपोरेशन

- घ. सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन
- ड. डोंगकुङ इंडस्ट्रीज कं. लि.
- च. जीएस ग्लोबल कारपोरेशन
- छ. हुंडई कारपोरेशन
- ज. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य
- झ. आईओएनसी स्टील कं. लि.
- ञ. कोवन ट्रेडिंग कारपो.
- ट. एलजी इंटरनेशनल कारपो.
- ठ. जेएफई स्टील कारपोरेशन
- ड. निप्पन स्टील कारपोरेशन
- ढ. कोबे स्टील लि.
- ण. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन
- त. जेएफई शोजी कारपोरेशन
- थ. कानेमत्सु कारपोरेशन
- द. मारुबेनी-इटोचु स्टील इन्क.
- ध. मेटल वन कारपोरेशन
- न. निसान ट्रेडिंग कं. लि.
- प. निप्पन स्टील ट्रेडिंग कारपोरेशन
- फ. ओहमि इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- ब. स्टील सेंटर कं. लि.
- भ. सुमितोमो कारपोरेशन ग्लोबल मेटल्स कं. लि.
- म. टेत्सुशो कायाबा कारपोरेशन
- य. टोयोटा शुहो कारपोरेशन
- कक. यंग स्टील कं. लि.

viii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं/प्रयोक्ता संघों को इस अधिसूचना की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें यह सलाह दी कि नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं:

- क. टोयोटा किलॉस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड
- ख. सुंगवुहितेक इंडिया लिमिटेड
- ग. पीएचए इंडिया (प्रा.) लिमि.
- घ. टीआई मेटल फोर्मिंग
- ड. पियुंघावा इंडिया प्राइवेट लि.
- च. हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड
- छ. हवाशिन ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.

- ज. सुगवू स्टैम्पिंग प्राइवेट लिमिटेड
- झ. माइऑग शिन इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
- ञ. वाईएसआई ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
- ट. क्रांग जिन इंडिया ऑटोसिस्टम्स प्रा. लिमिटेड
- ठ. डाइमोस लियर ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ड. निप्पन स्टील ऐंड सुमिकिन पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ढ. राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड
- ण. टीटी स्टील सर्विस् इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- त. बाओस्टील इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
- थ. हुंडई स्टील इंडिया लिमिटेड
- द. पोस्को इलैक्ट्रिकल स्टील इंडिया
- ध. पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्राइवेट लिमिटेड
- न. बाओस्टील कंपनी इंडिया प्राइवेट
- प. पोस्को आईडीपीसी, पोस्को आईसीपीसी ऐंड पोस्को आईपीपीसी
- फ. मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड

ix. निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने उत्तर दिया और आयातक/प्रयोक्ता की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया:

- क. पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्राइवेट लिमिटेड
- ख. पोस्को इंडिया प्रोसेसिंगसेंटर प्राइवेट लिमिटेड
- ग. पोस्को इंडिया पुणे प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड
- घ. हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड
- ड. हुंडई स्टील अनन्तपुर प्राइवेट लिमिटेड
- च. हुंडई स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- छ. हुंडई स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ज. किया मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- झ. पीओएस -हुंडई स्टील मैनु. (आई) प्राइवेट लिमिटेड
- ञ. जेएफई शोजी स्टील प्राइवेट लिमिटेड
- ट. मेटल वन कारपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ठ. निप्पन स्टील ट्रेडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ड. टीटी स्टील सर्विस् इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ढ. निप्पन स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ण. राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड

x. जांच की अवधि के दौरान निम्नलिखित संघों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इसमें भाग लिया और अनुरोध प्रस्तुत किया:

- क. दि जापान ऑयरन ऐंड स्टील फेडरेशन

- xi. वर्तमान समीक्षा के उद्देश्य से जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2019 से 30 सितंबर, 2020 (18 माह) तक की है। क्षति की जांच की अवधि अप्रैल, 2016 - मार्च, 2017, अप्रैल 2017- मार्च, 2018, अप्रैल 2018 - मार्च 2019 तथा जांच की अवधि तक की अवधि के रूप में मानी गई है।
- xii. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) को जांच की अवधि सहित विगत तीन वर्षों तथा जांच की अवधि के उपरांत संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदा-वार ब्यौरे प्रदान करने का अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा और मूल्य की गणना करने तथा क्षति का विश्लेषण करने के लिए डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- xiii. घरेलू उद्योग तथा संबद्ध देशों में उत्तर देने वाले उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों का सत्यापन उस सीमा तक किया गया था, जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया। आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना, जहां कहीं भी लागू हो, पर विश्वास इस प्रकटन विवरण के उद्देश्य से किया गया है।
- xiv. सामान्य तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उसका निर्माण तथा बिक्री करने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत (जिसे इसके आगे 'एनआईपी' के रूप में गया है) को इस प्रकार से निर्धारित किया गया है जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xv. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध वस्तुओं का आयात विभिन्न ग्रेडों/आकारों/आयामों में किया जा रहा है, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को ध्यान में रखकर और मूल जांचों में अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप पाटन और क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए पीसीएन से पीसीएन तुलना करने के उद्देश्य से उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) को अंतिम रूप दिया। तदनुसार, प्राधिकारी ने वर्तमान समीक्षा जांच में पाटन और क्षति मार्जिन की गणना करने के उद्देश्य से पीसीएन से पीसीएन तुलना की है।
- xvi. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार मौखिक रूप से सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक 2 अगस्त, 2021 को मौखिक सुनवाई आयोजित की। मौखिक सुनवाई का आयोजन कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न विशेष परिस्थितियों को देखते हुए वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया था। सभी पक्षकारों, जिन्होंने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए थे, से अनुरोध किया गया था कि वे लिखित अनुरोध प्रस्तुत करें ताकि विरोधी हितबद्ध पक्षकारों को उसके बाद प्रति-उत्तर प्रस्तुत करने में सक्षम बनाया जा सके।
- xvii. इस जांच में आवश्यक तथ्यों को शामिल करते हुए एक प्रकटन विवरण जो अंतिम जांच परिणाम का आधार बना होता, हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 3.9.2021 को जारी किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों को उस पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए 9.9.2021 तक समय दिया गया था। इन हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन विवरण के संबंध में टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में उस सीमा तक विचार किया गया है, जिस सीमा तक उन्हें संगत पाया गया।
- xviii. जांच और मौखिक सुनवाई की प्रक्रिया के दौरान, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का समाधान इस अंतिम जांच परिणाम में उस सीमा तक किया गया है, जिस सीमा तक उसे प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया।
- xix. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। इस पर संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना पर गोपनीयता के रूप में विचार किया गया है जो अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ प्रदान करने का निदेश दिया गया था।
- xx. जहां कहीं भी एक हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना सुलभ कराने से इंकार किया है अथवा अन्यथा सूचना प्रदान नहीं की है अथवा जांच को काफी हद तक बाधा पहुंचाई है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जांच परिणाम रिकॉर्ड किया है।
- xxi. इस अंतिम जांच परिणाम प्रकटन विवरण में \*\*\* किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और जिसे नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा उन पर विचार किया गया है।

xxii. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 यूएस डॉलर=73.17 रुपए है।

**ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**

11. उत्पाद विवरण वही है जैसा कि प्राधिकारी द्वारा दिनांक 10 अप्रैल, 2017 के अंतिम जांच परिणामों में निर्णय लिया गया था।

12. विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित है:

“लोहा अथवा नॉन-अलॉय स्टील, अथवा सभी चौड़ाई और मोटोई के कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पाद, जो ढका हुआ, प्लेट किया हुआ अथवा कोट किया हुआ नहीं हो।

विचाराधीन उत्पाद में स्लिट कॉयल्स अथवा शीट्स, ब्लैंक्स चाहे वह अनील किया हो अथवा नहीं या बॉक्स अनील किया हुआ हो अथवा बैच अनील किया हुआ हो अथवा लगातार अनील किया हुआ हो अथवा कोई अन्य अनीलिंग प्रक्रिया अथवा पूरा कड़ा अथवा आंशिक रूप से कड़ा सहित कॉयल अथवा बिना कॉयल में कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल है। संबंधित उत्पाद प्राथमिक अथवा गैर-प्राथमिक गुणवत्ता के अनुरूप चाहे वह 4-उच्च परिवर्तनीय मिल, 6-उच्च परिवर्तनीय मिल, सेंडजिमिर मिल, 20-उच्च कोल्ड रोलिंग मिल, पिकलिंग लाइन्स और टेनडेम कोल्ड रोलिंग मिल्स(पीएलटीसीएम), लगातार अनीलिंग लाइन (सीएएल) अथवा किसी अन्य कोल्ड रोलिंग/कोल्ड कम करने की प्रक्रियाओं से रोल किया हुआ हो, कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पादों को शामिल करता है। इन उत्पादों को किसी प्रकार के ऑयल, मानक, विनिर्देश और ग्रेड की आपूर्ति की जा सकती है अथवा उन्हें ऑयल किया जा सकता है। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता के स्टील जिसमें पूरी तरह से कड़ा, आंशिक रूप से कड़ा, वाणिज्यिक गुणवत्ता, आरेखन, गहरा आरेखन, अतिरिक्त गहरा आरेखन, इंटरस्टीसियल फ्री इस्पात, उच्च शक्ति वाला निम्न अलॉय स्टील, अग्रिम उच्च शक्ति वाला इस्पात, बहुत अधिक शक्ति वाला इस्पात, अलॉय इस्पात, माइक्रो एलायड इस्पात, ट्रिप इस्पात (परिवर्तन प्रभावित प्लास्टिसिटी), टिन मिल ब्लैक प्लेट (टीएमबीपी), और कई अन्य गुणों सहित लेकिन उन्हीं तक सीमित नहीं हो, के अनुरूप हो सकता है, चाहे वह किसी खाली स्थान से गैस निकालने की प्रक्रिया के माध्यम से खाली स्थान से गैस निकाला हुआ हो अथवा नहीं। इन इस्पातों का उत्पादन और इसकी आपूर्ति स्किन पास/टैम्पर रोलिंग के साथ अथवा उसके बिना, चाहे वह एल्युमिनियम किल्ड/नॉन-एजिंग गुणवत्ता से पूर्ण हो अथवा नहीं और चाहे उसमें बोरोन और/अथवा टाइटेनियम और/अथवा वनाडियम अथवा वजन से किसी स्तर का कोई अन्य उपयुक्त तत्व हो अथवा नहीं, के साथ अथवा उसके बिना किया जा सकता है।

इन इस्पातों का उपयोग विभिन्न अंतिम उपयोगों जिसमें ऑटोमोटिव उद्योग, ट्रैक्टर, साईकिल, उपकरण, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनल, पैकेजिंग, ड्रम्स, बैरल, सामान्य अभियांत्रिकी, कोटिंग के लिए सबस्ट्रेट, कलर कोटिंग गाल्वनाइजिंग, मेटल कोटिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट आदि तथा कई अन्य उपयोगों सहित लेकिन वहीं तक सीमित नहीं, विभिन्न अंतिम प्रयोगों तक फैले उपयोगों में किया जा सकता है।

निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है:

क) स्टेनलेस स्टील

ख) उच्च गति वाला स्टील अर्थात् अलॉय स्टील जिसमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत क्रोमियम का वजन से मिश्रित मात्रा के साथ 3 में से कम से कम 2 तक मोलिब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वनाडियम(वी) अन्य कारकों सहित अथवा उसके बिना निहित हो।

ग) कम से कम 0.6 प्रतिशत लेकिन 6 प्रतिशत से अनधिक सिलिकॉन और 0.08 प्रतिशत अनधिक कार्बन के वजन वाले ग्रेन ओरिएण्टेड और नॉन-ग्रेन ओरिएण्टेड स्टील अर्थात् एलॉय स्टील की पुष्टि करते हुए सिलिकॉन इलैक्ट्रिकल स्टील। इस स्टील में अधिक से अधिक 1 प्रतिशत एल्युमिनियम लेकिन उस अनुपात में कोई अन्य तत्व जो अन्य अलॉय स्टील की विशेषताएं इस स्टील में समाहित करेगा, वजन से शामिल नहीं हो सकता है।”



13. इस विचाराधीन उत्पाद का उपयोग अनेक प्रयोगों और क्षेत्रों जैसे ऑटोमोटिव, तेल और गैस लाइन पाइपों/खोज, कोल्ड रोलिंग, पाइप और ट्यूब निर्माण, अवसंचरणा और निर्माण, सामान्य अभियांत्रिकी और बनावट, अर्थ-मूविंग और खनन उपकरण, भंडारण टैंक, निम्न दबाव के हीटर्स, पूंजीगत माल जिसमें सीमेंट, उर्वरक, रिफायनरी आदि के लिए संयंत्र और प्रक्रिया उपकरण शामिल हैं, में किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमा शुल्क शीर्ष 7209, 7211, 7225 और 7226 के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान समीक्षा जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।
14. मूल जांच में, उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) पद्धति का प्रस्ताव घरेलू उद्योग द्वारा किया गया था और प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए एक निष्पक्ष पीसीएन से पीसीएन तुलना करने के उद्देश्य से पीसीएन का निर्धारण किया। प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा की शुरुआत संबंधी नोटिस में पीसीएन पद्धति का प्रस्ताव किया और हितबद्ध पक्षकारों को जांच की शुरुआत की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियां उपलब्ध कराने के लिए आमंत्रित किया।
15. प्राधिकारी ने पत्र दिनांक 22 अप्रैल, 2021 के माध्यम से अंतिम पीसीएन पद्धति जारी की। वर्तमान निर्णायक समीक्षा के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित और अपनाई गई पीसीएन नीचे दी गई है:

क्र.सं.	गुण	अंकों की सं.	विवरण	कोड
1	उत्पाद	1	सीआरएफएच – आंशिक रूप से कड़ा सहित कोल्ड रोलड पूर्ण कड़ा	एफ
			अनील किया हुआ – कोल्ड रोलड अनील किया हुआ	ए
2	फार्म	1	स्लिट कॉयल सहित "कॉयल"	एक्स
			विभिन्न आकारों और बनावटों के शीट और ब्लैंक सहित "नोट-इन-कॉयल"	वाई
3	अलॉय /नॉन-अलॉय	1	अलॉय	एल
			नान-अलॉय	एन
4	(अनील किया हुआ)	4	कार्बन के साथ प्लेन कार्बन स्टील $\leq 0.15\%$ और अधिकतम यूटीएस $\leq 410$ एमपीए- के अनुरूप: क. वाणिज्यिक गुणवत्ता; ख. आरेखन / गहरा आरेखन गुणवत्ता (डी/डीडी) c. अत्यधिक गहरा आरेखन गुणवत्ता (ईडीडी)	क्यू01क्यू
			कार्बन के साथ प्लेन कार्बन स्टील $\leq 0.06\%$ और अधिकतम यूटीएस $\leq 350$ एमपीए – इंटरस्टिशियल मुक्त – अत्यधिक गहरा आरेखन गुणवत्ता (आईएफ-ईडीडी) के अनुरूप	क्यू02क्यू
			प्लेन कार्बन उच्च शक्ति वाला स्टील चाहे इंटरस्टिशियल मुक्त हो अथवा नहीं, यूटीएस $\geq 350$ एमपीए - आईएफ-एचएस अथवा एचएस सहित	क्यू 03क्यू

क्र.सं.	गुण	अंकों की सं.	विवरण	कोड
			न्यूनतम यूटीएस $\geq 440$ एमपीए के साथ उन्नत उच्च शक्ति गुणवत्ता (एएचएसएस) का प्लेन कार्बन और/अथवा माइक्रो अलॉएड स्टील	क्यू04क्यू
			न्यूनतम यूटीएस $\geq 590$ एमपीए के साथ उन्नत उच्च शक्ति गुणवत्ता (एएचएसएस) का माइक्रो अलॉएड स्टील	क्यू05क्यू
			न्यूनतम यूटीएस $\geq 780$ एमपीए के साथ उन्नत उच्च शक्ति गुणवत्ता (एएचएसएस) का माइक्रो अलॉएड स्टील	क्यू06क्यू
			न्यूनतम यूटीएस $\geq 980$ एमपीए के साथ उन्नत उच्च शक्ति गुणवत्ता (एएचएसएस) का माइक्रो अलॉएड स्टील	क्यू07क्यू
			न्यूनतम यूटीएस $\geq 370$ एमपीए के साथ बेक हार्डनिंग स्टील (बीएच)	क्यू08 क्यू
			न्यूनतम यूटीएस $\geq 370$ एमपीए के साथ डुअल फेस स्टील (डीपी)	क्यू 09 क्यू
			जंगरोधी स्टील (कॉरटेन)	क्यू 10 क्यू
			0.15% > कार्बन के साथ मध्यम और उच्च कार्बन स्टील	क्यू 11 क्यू
			कोई अन्य ग्रेड/गुणवत्ता	क्यू 12 क्यू
5	मोटाई	1	$\leq 0.50$ एमएम	जी
			$> 0.50 \leq 0.80$ एमएम	एच
			$> 0.80 \leq 1.20$ एमएम	आई
			$> 1.20$ एमएम	जे
6	चौड़ाई	1	$\leq 600$ एमएम	1
			$> 600$ एमएम $\leq 900$ एमएम	2
			$> 900$ एमएम	3
7	अक्षांस किनारा (किनारा की स्थिति)	1	रोल्ड किनारे/मिल किनारे के रूप में	आर
			ट्रिम किया हुआ किनारा	एस
8	सतह विवेचना/सतह तैयार करना	1	ऑयल किया हुआ	ओ
			ऑयल नहीं किया हुआ	यू

उदाहरण: एक नॉन-अलॉय कोल्ड रोल्ड पूर्ण कड़ा इस्पात उत्पाद काँयल रूप में है। यह ट्रिम किए हुए किनारों के साथ 700 एमएम की चौड़ाई और ऑयल नहीं किया हुआ सतह विवेचना वाला 1.2 एमएम से अधिक मोटाई का एक जंगरोधी उत्पाद है। इस उत्पाद के लिए पीसीएन (11 अंक): एफएक्सएनक्यू10 क्यूजे 2एसयू होगा।

**ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

16. जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने निर्णायक समीक्षा में पीसीएन वार निर्धारण का प्रस्ताव नहीं किया है।
- ख. यदि पीसीएन पद्धति अपनाई जाती है तब प्राधिकारी को मूल जांच के अनुसार उसी पद्धति को अपनाना चाहिए और केवल पाटन मार्जिन गणना के लिए पीसीएन से पीसीएन तुलना करनी चाहिए।
- ग. क्रम सं. 6(चौड़ाई), 7(अक्षांश किनारों) और 8 (ऑयल किया हुआ ह/ऑयल नहीं किया हुआ) को हटाया जा सकता है क्योंकि उनका उत्पाद अंतर पर बहुत अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है।
- घ. किसी ग्रेड के अपवर्जन के बारे में निर्णय तकनीकी विनिर्देशों के आधार पर लिया जाना चाहिए। आपूर्ति अथवा गुणवत्ता से संबंधित कठिनाईयों के संबंध में कोई भी अनुरोध प्रयोक्ता द्वारा किया जाना चाहिए और न कि विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों के साथ प्रतिस्पर्धा कर।
- ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा किया गया अपवर्जन अनुचित है और वह किसी तकनीकी अथवा तार्किक दृष्टिकोणों पर आधारित नहीं है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र द्वारा उत्पाद की गुणवत्ता अथवा उत्पाद प्रकारों का उपयोग किसी विशेष उत्पाद प्रकार के अपवर्जन के बारे में निर्णय लेने के लिए संगत मानदंड नहीं हो सकता है। डीएसएम आइडमइत्सु बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और 2000 (119) ई.एल.टी. 308 में, माननीय न्यायाधिकरण ने यह नोट किया कि गुणवत्ता में अंतर घरेलू जैसे उत्पाद से अलग के रूप में आयात किए गए उत्पाद पर विचार करने के लिए संगत मानदंड नहीं हो सकता है।
- च. मूल जांच में, प्राधिकारी ने नोट किया कि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, जीपीटी स्टील इंडस्ट्रीज और हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड जैसे हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद क्षेत्र से विभिन्न ग्रेडों के अपवर्जन के लिए अनुरोध किया है लेकिन ऐसी अपवर्जन सूची अथवा पीसीएन सूची के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है और इस कारण से, अपवर्जन के लिए उनके अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
- छ. निप्पन स्टील कारपोरेशन ने गलत तरीके से यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग निप्पन स्टील कारपोरेशन द्वारा निर्यात किए गए ग्रेडों का उत्पादन नहीं कर रहा है। निप्पन स्टील कारपोरेशन द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर में, केवल एक ग्रेड अर्थात् "ऑटोमोबाइल उपयोग के लिए 0.65 एमएम मोटाई के डब्ल्यूएसएस-एम1ए367-ए22" को उस रूप में नोट किया गया है जैसे घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन नहीं किया जा रहा है।
- ज. 0.65 एमएम मोटाई के ग्रेड डब्ल्यूएसएस-एम1ए367-ए22 ऑटोमोबाइल उपयोग के लिए बनाया गया है और यह किसी खास ऑटोमोबाइल कंपनी के लिए विशिष्ट है। घरेलू उद्योग के पास इस ग्रेड के लिए ऑटोमोबाइल कंपनी से तकनीकी अनुमोदन भी मिला हुआ है।
- झ. मूल जांच में, प्राधिकारी ने यह टिप्पणी की है कि घरेलू उद्योग ने या तो बिल्कुल सही-सही तरीके से एक समान पीसीएन अथवा उससे बिल्कुल मिलता-जुलता पीसीएन का निर्माण किया है और प्रत्येक पीसीएन के लिए हितबद्ध पक्षकारों ने अपवर्जन का अनुरोध किया था। विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वर्तमान निर्णायक समीक्षा में बदल नहीं सकता है क्योंकि कोई नया दावा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किसी विशिष्ट उत्पाद प्रकार के अपवर्जन के संबंध में नहीं किया गया है।
- ञ. घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग को इसकी लागत और कीमतों के संबंध में गोपनीय पीसीएन वार सूचना उपलब्ध कराई है।
- ट. पीसीएन वार सूचना पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए किसी जांच अथवा निर्णायक समीक्षा में संगत है। इस जांच का कोई अन्य पहलू पीसीएन वार विश्लेषण पर आधारित नहीं है।

**ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

17. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग पीसीएन वार सूचना उपलब्ध कराने में असफल रहा है जिसके न होने की स्थिति में घरेलू उद्योग के आवेदन को पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत यथा-अपेक्षित विधिवत् प्रमाणित नहीं माना जा सकता है।
- ख. निप्पन स्टील कारपोरेशन, जो जापान की मिलों से एक है, विभिन्न श्रेणियों का उत्पादन और निर्यात करता है जिनका या तो घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन नहीं किया जाता है अथवा जो घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ग्रेडों के साथ वाणिज्यिक रूप से अथवा तकनीकी रूप से प्रतिस्थानापन्न किए जाने के योग्य नहीं है। निप्पन स्टील कारपोरेशन द्वारा निर्यात किए गए ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अवश्य ही बाहर किया जाना चाहिए।
- ग. यह डीजीटीआर की कार्य-पद्धति है कि वह जांच के क्षेत्र से कुछ ग्रेडों को विशेष रूप से बाहर रखे क्योंकि घरेलू उद्योग ने यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं दर्शाया कि उन्होंने जांच की अवधि में ऐसे ग्रेडों की आपूर्ति की और इसके ग्रेडों की समतुल्यता को नहीं दर्शाया, जिसकी मांग निर्यातकों द्वारा बाहर किए जाने के लिए की गई थी।
- घ. ऑटोमोबाइल उपयोग के लिए संबद्ध वस्तुओं की कीमत सामान्य उपयोग से बहुत उच्चतर है और इस कारण से या तो शून्य पाटन मार्जिन का निर्धारण ऑटोमोबाइल के उद्देश्य से संबद्ध वस्तुओं के लिए किया जाना चाहिए अथवा ऑटोमोबाइल के उद्देश्य से संबद्ध वस्तुओं को बाहर किया जाना चाहिए।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

18. मूल जांच में नोट किया गया विचाराधीन उत्पाद नीचे दिए गए अनुसार था:

*“लोहा अथवा नॉन-अलॉय स्टील, अथवा सभी चौड़ाई और मोटोई के कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पाद, जो ढका हुआ, प्लेट किया हुआ अथवा कोट किया हुआ नहीं हो।*

*विचाराधीन उत्पाद में स्लिट कॉयल्स अथवा शीट्स, ब्लैक्स चाहे वह अनील किया हो अथवा नहीं या बॉक्स अनील किया हुआ हो अथवा बैच अनील किया हुआ हो अथवा लगातार अनील किया हुआ हो अथवा कोई अन्य अनीलिंग प्रक्रिया अथवा पूरा कड़ा अथवा आंशिक रूप से कड़ा सहित कॉयल अथवा बिना कॉयल में कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल है। संबंधित उत्पाद प्राथमिक अथवा गैर-प्राथमिक गुणवत्ता के अनुरूप चाहे वह 4-उच्च परिवर्तनीय मिल, 6-उच्च परिवर्तनीय मिल, सेंडजिमिर मिल, 20-उच्च कोल्ड रोलिंग मिल, पिकलिंग लाइन्स और टेनडेम कोल्ड रोलिंग मिल्स(पीएलटीसीएम), लगातार अनीलिंग लाइन (सीएएल) अथवा किसी अन्य कोल्ड रोलिंग/कोल्ड कम करने की प्रक्रियाओं से रोल किया हुआ हो, कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पादों को शामिल करता है। इन उत्पादों को किसी प्रकार के ऑयल, मानक, विनिर्देश और ग्रेड की आपूर्ति की जा सकती है अथवा उन्हें ऑयल किया जा सकता है। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता के स्टील जिसमें पूरी तरह से कड़ा, आंशिक रूप से कड़ा, वाणिज्यिक गुणवत्ता, आरेखन, गहरा आरेखन, अतिरिक्त गहरा आरेखन, इंटरस्टीसियल फ्री इस्पात, उच्च शक्ति वाला निम्न अलॉय स्टील, अग्रिम उच्च शक्ति वाला इस्पात, बहुत अधिक शक्ति वाला इस्पात, अलॉय इस्पात, माइक्रो एलायड इस्पात, ट्रिप इस्पात (परिवर्तन प्रभावित प्लास्टिसिटी), टिन मिल ब्लैक प्लेट (टीएमबीपी), और कई अन्य गुणों सहित लेकिन उन्हीं तक सीमित नहीं हो, के अनुरूप हो सकता है, चाहे वह किसी खाली स्थान से गैस निकालने की प्रक्रिया के माध्यम से खाली स्थान से गैस निकाला हुआ हो अथवा नहीं। इन इस्पातों का उत्पादन और इसकी आपूर्ति स्किन पास/टेम्पर रोलिंग के साथ अथवा उसके बिना, चाहे वह एल्युमिनियम किल्ड/नॉन-एजिंग गुणवत्ता से पूर्ण हो अथवा नहीं और चाहे उसमें बोरोन और/अथवा टाइटेनियम और/अथवा वनाडियम अथवा वजन से किसी स्तर का कोई अन्य उपयुक्त तत्व हो अथवा नहीं, के साथ अथवा उसके बिना किया जा सकता है।*

*इन इस्पातों का उपयोग विभिन्न अंतिम उपयोगों जिसमें ऑटोमोटिव उद्योग, ट्रैक्टर, सार्इकिल, उपकरण, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनल, पैकेजिंग, ड्रम्स, बैरल, सामान्य अभियांत्रिकी, कोटिंग के लिए सबस्ट्रेट, कलर*

कोटिंग गाल्वनाइजिंग, मेटल कोटिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट आदि तथा कई अन्य उपयोगों सहित लेकिन वहीं तक सीमित नहीं, विभिन्न अंतिम प्रयोगों तक फैले उपयोगों में किया जा सकता है।

निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है:

क) स्टेनलेस स्टील

ख) उच्च गति वाला स्टील अर्थात् अलॉय स्टील जिसमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत क्रोमियम का वजन से मिश्रित मात्रा के साथ 3 में से कम से कम 2 तक मोलिब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वनाडियम(वी) अन्य कारकों सहित अथवा उसके बिना निहित हो।

ग) कम से कम 0.6 प्रतिशत लेकिन 6 प्रतिशत से अनधिक सिलिकॉन और 0.08 प्रतिशत अनधिक कार्बन के वजन वाले ग्रेन ओरिएण्टेड और नॉन-ग्रेन ओरिएण्टेड स्टील अर्थात् एलॉय स्टील की पुष्टि करते हुए सिलिकॉन इलैक्ट्रिकल स्टील। इस स्टील में अधिक से अधिक 1 प्रतिशत एल्युमिनियम लेकिन उस अनुपात में कोई अन्य तत्व जो अन्य अलॉय स्टील की विशेषताएं इस स्टील में समाहित करेगा, वजन से शामिल नहीं हो सकता है।”

19. यह नोट किया जाता है कि भारत को निर्यात की गई संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की गई वस्तु के सदृश्य है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की गई संबद्ध वस्तु तकनीकी विनिर्देशों, निर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के प्रशुल्क वर्गीकरण के मामले में संबद्ध देशों से आयात किए गए वस्तु से तुलनीय हैं। इन दोनों का तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है। तदनुसार, वर्तमान जांच के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की गई संबद्ध वस्तु को संबद्ध देशों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं का “समान वस्तु” के रूप में माना जा रहा है।
20. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य, जैसे हितबद्ध पक्षकारों जिन्होंने ऑटोमोबाइल उपयोग के उद्देश्य से उत्पाद ग्रेडों को बाहर किए जाने की मांग की है, ने उल्लेख किया है कि ऑटोमोबाइल ग्रेडों का आयात सामान्य उपयोग के ग्रेडों की तुलना में उच्चतर कीमतों पर किया गया है और इस कारण से इन ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उच्चतर कीमतों पर वस्तुओं का आयात विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से ऐसे वस्तुओं को बाहर करने की मांग करने के लिए कारण नहीं हो सकता है। मूल जांच में, प्राधिकारी ने यह टिप्पणी की कि “ऑटोमोटिव” और “ईएंडई” जैसे उत्पादों का अपवर्जन मौलिक, अस्पष्ट और अस्वीकार्य है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि उत्पाद अपवर्जन के लिए विशिष्ट अनुरोध के अभाव में, अपवर्जन के किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
21. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इन उत्पादों को बाहर नहीं किया जा सकता है क्योंकि वे भारत में प्रयोज्य उद्योग के विशिष्ट क्षेत्र के लिए बनाए गए हैं। इसके साथ ही, हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य ने यह दावा नहीं किया है कि इन आयात किए गए उत्पादों के तकनीकी विनिर्देशन अथवा उत्पाद प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए और आपूर्ति की गई वस्तुओं से अलग हैं। हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य ने भी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ग्रेडों की एक सूची उपलब्ध कराई है जिसके लिए अपवर्जन अनुरोध किया गया है।
22. आयात किए गए उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच गुणवत्ता में अंतर के आधार पर उत्पाद ग्रेडों के अपवर्जन के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन अपवर्जनों को गुणवत्ता में तर्क के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर किए जाने की मंजूरी नहीं दी जा सकती है। गुणवत्ता में अंतर किसी वस्तु को भिन्न नहीं बनाएगा। यह तथ्य कि गुणवत्ता अलग-अलग हो सकती हैं, का अर्थ यह नहीं है कि आयात किए गए उत्पाद घरेलू जैसे उत्पाद से अलग हैं। प्राधिकरण यह भी नोट करता है कि गुणवत्ता का पहलू किसी उत्पाद को 'समान वस्तु' के दायरे से बाहर करने का कारक नहीं होने के कारण माननीय सीईएसटीएटी द्वारा डीएसएम इंडेमिस्तु लिमिटेड बनाम नामित प्राधिकारी में आयोजित किया गया है जिसमें यह माना गया था कि “अपीलकर्ता के वकील की दलील तर्कसंगत नहीं है क्योंकि उन्होंने यह दिखाने के लिए निर्माण की प्रक्रिया के संदर्भ में कोई सबूत/तकनीकी साहित्य नहीं पेश किया कि घरेलू निर्माताओं द्वारा निर्मित उत्पाद भारत में निर्यात किए गए माल से अलग था। वह यह साबित करने में विफल रहा कि वे समान और विनिमेय नहीं हैं, सिवाय यह बताते हुए कि वे विभिन्न ग्रेड के थे।

गुणवत्ता में अंतर किसी वस्तु को भिन्न नहीं बना देगा और निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह अवलोकन करना सही था कि 'तथ्य यह है कि गुण भिन्न हो सकते हैं, इसका अर्थ यह नहीं है कि आयातित उत्पाद और घरेलू समान वस्तु नहीं हैं।' हम इस मुद्दे पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिए गए निष्कर्षों को विचलित करने का कोई वैध कारण नहीं पाते हैं।"

23. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन नहीं किए गए ग्रेड के अपवर्जन के लिए निष्पन्न स्टील कारपोरेशन के दावे के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि 0.65 एमएम मोटाई के ग्रेड डब्ल्यूएसएस-एम1ए367-ए22 एक प्रयोक्ता विनिर्देश के लिए विशिष्ट है और न कि यह अंतर करने योग्य उत्पाद प्रकार है। इसके साथ ही, घरेलू उद्योग ने यह दर्शाया है कि इसे ऐसे प्रयोक्ता से ग्रेड के लिए तकनीकी अनुमोदन प्राप्त हुआ है। घरेलू उद्योग को ग्रेड डब्ल्यूएसएस-एम1ए367-ए22 के लिए तकनीकी अनुमोदन देने हुए प्रयोक्ता उद्योग से पत्र भी प्रस्तुत किया गया है।
24. तदनुसार, वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही है जो मूल जांच में था।
25. हितबद्ध पक्षकार उन ग्रेडों जिनके लिए उन्होंने अपवर्जन की मांग की है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के बीच कोई तकनीकी अंतर दर्शाने में असफल रहा है। केवल यह उल्लेख करना कि तकनीकी और गुणवत्ता में अंतर स्पष्ट रूप से यह उल्लेख करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि निष्पन्न स्टील कारपोरेशन द्वारा उत्पादन किए गए ग्रेडों का न तो घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किया गया है और न ही वे घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए ग्रेडों के साथ वाणिज्यिक रूप से अथवा तकनीकी रूप से प्रतिस्थानापन्न के योग्य हैं।
26. तदनुसार, वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पादन का क्षेत्र निम्नलिखित है:

*"लोहा अथवा नॉन-अलॉय स्टील, अथवा सभी चौड़ाई और मोटोई के कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पाद, जो ढका हुआ, प्लेट किया हुआ अथवा कोट किया हुआ नहीं हो।*

*विचाराधीन उत्पाद में स्लिट कॉयल्स अथवा शीट्स, ब्लैंक्स चाहे वह अनील किया हो अथवा नहीं या बॉक्स अनील किया हुआ हो अथवा बैच अनील किया हुआ हो अथवा लगातार अनील किया हुआ हो अथवा कोई अन्य अनीलिंग प्रक्रिया अथवा पूरा कड़ा अथवा आंशिक रूप से कड़ा सहित कॉयल अथवा बिना कॉयल में कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल है। संबंधित उत्पाद प्राथमिक अथवा गैर-प्राथमिक गुणवत्ता के अनुरूप चाहे वह 4-उच्च परिवर्तनीय मिल, 6-उच्च परिवर्तनीय मिल, सेंडजिमिर मिल, 20-उच्च कोल्ड रोलिंग मिल, पिकलिंग लाइन्स और टेनडेम कोल्ड रोलिंग मिल्स(पीएलटीसीएम), लगातार अनीलिंग लाइन (सीएएल) अथवा किसी अन्य कोल्ड रोलिंग/कोल्ड कम करने की प्रक्रियाओं से रोल किया हुआ हो, कोल्ड रोलड/कोल्ड कम किया हुआ फ्लैट स्टील उत्पादों को शामिल करता है। इन उत्पादों को किसी प्रकार के ऑयल, मानक, विनिर्देश और ग्रेड की आपूर्ति की जा सकती है अथवा उन्हें ऑयल किया जा सकता है। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता के स्टील जिसमें पूरी तरह से कड़ा, आंशिक रूप से कड़ा, वाणिज्यिक गुणवत्ता, आरेखन, गहरा आरेखन, अतिरिक्त गहरा आरेखन, इंटरस्टीसियल फ्री इस्पात, उच्च शक्ति वाला निम्न अलॉय स्टील, अग्रिम उच्च शक्ति वाला इस्पात, बहुत अधिक शक्ति वाला इस्पात, अलॉय इस्पात, माइक्रो एलायड इस्पात, ट्रिप इस्पात (परिवर्तन प्रभावित प्लास्टिसिटी), टिन मिल ब्लैक प्लेट (टीएमबीपी), और कई अन्य गुणों सहित लेकिन उन्हीं तक सीमित नहीं हो, के अनुरूप हो सकता है, चाहे वह किसी खाली स्थान से गैस निकालने की प्रक्रिया के माध्यम से खाली स्थान से गैस निकाला हुआ हो अथवा नहीं। इन इस्पातों का उत्पादन और इसकी आपूर्ति स्किन पास/टैम्पर रोलिंग के साथ अथवा उसके बिना, चाहे वह एल्युमिनियम किल्ड/नॉन-एजिंग गुणवत्ता से पूर्ण हो अथवा नहीं और चाहे उसमें बोरोन और/अथवा टाइटेनियम और/अथवा वनाडियम अथवा वजन से किसी स्तर का कोई अन्य उपयुक्त तत्व हो अथवा नहीं, के साथ अथवा उसके बिना किया जा सकता है।*

*इन इस्पातों का उपयोग विभिन्न अंतिम उपयोगों जिसमें ऑटोमोटिव उद्योग, ट्रैक्टर, साईकिल, उकरण, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनल, पैकेजिंग, ड्रम्स, बैरल, सामान्य अभियांत्रिकी, कोटिंग के लिए सबस्ट्रेट, कलर कोटिंग गाल्वनाइजिंग, मेटल कोटिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट आदि तथा कई अन्य उपयोगों सहित लेकिन वहीं तक सीमित नहीं, विभिन्न अंतिम प्रयोगों तक फैले उपयोगों में किया जा सकता है।*

निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है:

क) स्टेनलेस स्टील

ख) उच्च गति वाला स्टील अर्थात् अलॉय स्टील जिसमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत क्रोमियम का वजन से मिश्रित मात्रा के साथ 3 में से कम से कम 2 तक मोलिब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वनाडियम(वी) अन्य कारकों सहित अथवा उसके बिना निहित हो।

ग) कम से कम 0.6 प्रतिशत लेकिन 6 प्रतिशत से अनधिक सिलिकॉन और 0.08 प्रतिशत अनधिक कार्बन के वजन वाले ग्रेन ओरिएण्टेड और नॉन-ग्रेन ओरिएण्टेड स्टील अर्थात् एलॉय स्टील की पुष्टि करते हुए सिलिकॉन इलैक्ट्रिकल स्टील। इस स्टील में अधिक से अधिक 1 प्रतिशत एल्युमिनियम लेकिन उस अनुपात में कोई अन्य तत्व जो अन्य अलॉय स्टील की विशेषताएं इस स्टील में समाहित करेगा, वजन से शामिल नहीं हो सकता है।”

विचाराधीन उत्पाद को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमा शुल्क शीर्ष 7209, 7211, 7225 और 7226 के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान समीक्षा जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

## घ. घरेलू उद्योग और आधार

27. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

### घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

28. इस जांच की प्रक्रिया के दौरान आवेदक द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. घरेलू उत्पादक जो वर्तमान निर्णायक समीक्षा में घरेलू उद्योग हैं, वे नहीं हैं जो मूल जांच में थे। घरेलू उद्योग का जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के कुल भारतीय उत्पादन में 40-50 प्रतिशत हिस्सा है। घरेलू उद्योग का हिस्सा पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार कुल घरेलू उत्पादन में बहुत बड़ा हिस्सा है।

ख. यदि समर्थकों के हिस्से पर भी विचार किया जाता है तब घरेलू उद्योग और समर्थक दोनों का संबद्ध वस्तुओं के कुल भारतीय उत्पादन में 60-70 प्रतिशत हिस्सा है।

### घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

29. जांच की प्रक्रिया के दौरान अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. किसी भी सदस्य कंपनी ने आवेदक संघ को वर्तमान जांच की शुरुआत के लिए प्राधिकारी के पास आवेदन प्रस्तुत करने के लिए अधिकृत किया है। याचिका को प्रस्तुत करने के लिए आवेदक संघ को शक्ति प्रदान करते हुए आवेदक कंपनियों की ओर से प्रस्तुत किए जाने वाले अनेक अपेक्षित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

ख. याचिका के समर्थकों ने व्यापार सूचना सं. 13/2018 और व्यापार सूचना सं. 14/2018 के अनुसार अपेक्षित प्रपत्र और फार्म के अनुसार सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

ग. समर्थक जापान के विचाराधीन उत्पाद के निर्यातक से संबंधित हैं।

**घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

30. यह आवेदन स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड और आरसेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड की ओर से भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) द्वारा दायर किया गया है। इस संघ द्वारा वे सभी संगत सूचना और दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं, जिनका निर्धारण प्राधिकारी द्वारा किया गया है। इस आवेदन का समर्थन टाटा स्टील लिमिटेड और टाटा स्टील बीएसएल द्वारा किया गया है।
31. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का न तो आयात किया है और न ही वे संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबंधित हैं।
32. उत्पादक/निर्यातक निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन (जिसे पहले निप्पन स्टील और सुमिटोमो मेटल कारपोरेशन, का आरसेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड में कोई प्रत्यक्ष शेयर होल्डिंग नहीं है बल्कि यह एक इंटरमीडियेट होल्डिंग कंपनी में लघु शेयर होल्डर है। आरसेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान निप्पन स्टील कॉर्पोरेशन से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया।
33. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की परिधि और क्षेत्र से एक घरेलू उत्पादक के संबद्ध देश में एक आयातक के साथ उसके संबंध के कारण अपवर्जन के मुद्दे पर विवेकाधिकार प्रदान करता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एनएसएसएमसी के साथ आरसेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड का संबंध ऐसा नहीं है जिससे आरसेलर निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड अन्य असंबंधित उत्पादकों से अलग तरीके से व्यवहार करे।
34. प्राधिकारी यह मानते हैं कि आरसेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत अपात्र घरेलू उद्योग के रूप में मानने का कोई औचित्य नहीं है।
35. यह नोट किया जाता है कि आवेदक संघ ने इस याचिका के परिशिष्ट में वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के उद्देश्य से आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई है। समर्थकों ने व्यापार सूचना सं. 2018 का 13 में यथा-निर्धारित अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराई है।
36. प्राधिकारी यह मानते हैं कि भारतीय इस्पात संघ एक पात्र आवेदक है।
37. रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, आवेदक कंपनियों/उत्पादकों (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, आरसेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड) का भारत में समान वस्तु के घरेलू उत्पादन में बड़ा हिस्सा है। यह नोट किया जाता है कि समर्थकों के साथ आवेदक उत्पादकों का कुल घरेलू उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि आवेदक उत्पादक नियम 2(ख) के संदर्भ में पात्र घरेलू उद्योग है और यह आवेदन उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में आधार के मानदंड को पूरा करता है।

**ड. विविध अनुरोध****ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

38. घरेलू उद्योग द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने आप को प्राधिकारी के पास पंजीकृत किया है और जिन्होंने प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, को जांच के अन्य चरणों में भाग लेने से नहीं रोका जा सकता है बल्कि प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को अधिक भार दे सकते हैं जिन्होंने अपनी प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है।
- ख. प्राधिकारी काफी संख्या में उत्पादकों/निर्यातकों की भागीदारी के कारण वर्तमान समीक्षा में नमूना लेने संबंधी पद्धति अपना सकते हैं और समीक्षा का समय पर निष्कर्ष निकालना सुनिश्चित कर सकते हैं।



**ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

39. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक द्वारा वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने के लिए शर्त को पूरा करना प्रमाणित करने के लिए कोई प्रामाणिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है। यह याचिका विधिवत् रूप से प्रामाणिक नहीं है और जांच की शुरुआत पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 द्वारा निर्धारित आरंभिक सीमा को पूरा नहीं करता।
- ख. क्षति रहित कीमत के निर्धारण के लिए लगाई गई पूंजी पर घरेलू उद्योग के 22 प्रतिशत प्रतिफल से संबंधित दावा पूर्ण रूप से बढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है और वह वास्तविक स्थिति पर आधारित नहीं है।
- ग. भारतीय इस्पात कंपनियों की कीमत कार्टेलाइजेशन के संबंध में आरोपों के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा छानबीन की जा रही है।
- घ. घरेलू उद्योग विभिन्न अनुकूल सरकारी नीतियों से लाभ प्राप्त करता है।
- ड. विचाराधीन उत्पाद के लेन-देनवार आयात आंकड़े हितबद्ध पक्षकारों को ऐक्सल प्रपत्र में उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- च. उत्पादकों/निर्यातकों का नमूनाकरण आवश्यक नहीं है क्योंकि बहुत कम उत्पादक हैं जिन्होंने इस जांच में भाग लिया है। संबद्ध देशों से भाग लेने वाली अधिकांश कंपनियां संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक/व्यापारी हैं।
- छ. जांच की अवधि के बाद की अवधि से संबंधित सूचना घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है। घरेलू उद्योग की जांच की अवधि के बाद की अवधि से संबंधित सूचना का विश्लेषण प्राधिकारी द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच में किया जाना चाहिए।
- ज. पाटनरोधी शुल्क वित्त मंत्रालय द्वारा प्राधिकारी की सिफारिश के बावजूद अन्य पाटनरोधी जांचों के अनुसरण में नहीं लगाया गया है।

**ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

40. घरेलू उद्योग द्वारा तथा विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध तथा संगत माने गए अनुरोधों का समाधान प्राधिकारी द्वारा नीचे दिए गए अनुसार किया है:
41. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर किया गया था। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के दावे की जांच की है और इस बात से संतुष्ट होने पर कि यह दर्शाने के लिए पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य उपलब्ध था कि पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप पाटन के जारी रहने/उसके फिर से होने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है, निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की है।
42. घरेलू इस्पात उत्पादकों पर सीसीआई द्वारा जांच की शुरुआत करने के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की जांच की है जो मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को रद्द किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना पर आधारित है। यह हरिदास एक्सपोर्ट्स बनाम ऑल इंडिया फ्लोट ग्लास मैन्यु. एसोसिएशन्स और अन्य में माननीय उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के अनुरूप है कि सीसीआई पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी की जांच से अलग क्षेत्र में कार्य करता है और इसका एक दूसरे पर कोई प्रभाव नहीं है। कार्टेलाइजेशन का कोई आरोप प्राधिकारी की परिधि से परे है और सीसीआई को यह अधिकार दिया गया है कि वह इस प्रकार के आरोपों पर अलग तरीके से निर्णय दे।
43. वित्त मंत्रालय द्वारा अनेक मामलों में प्राधिकारी की सिफारिशों को अस्वीकार करने के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वित्त मंत्रालय द्वारा अन्य जांचों अथवा समीक्षाओं में प्राधिकारी द्वारा की गई सिफारिशों के

अनुसरण में पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाना वर्तमान निर्णायक समीक्षा के क्षेत्र से परे है। पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश प्राधिकारी द्वारा पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना की मौजूदगी की जांच करने के बाद निर्णायक समीक्षा में की गई है।

44. लगाई गई पूंजी पर अत्यधिक प्रतिफल के मुद्दे के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लगाई गई पूंजी पर 22 प्रतिशत प्रतिफल की अनुमति प्राधिकारी की सतत् कार्य-पद्धति के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत की गणना के लिए की गई है और हितबद्ध पक्षकारों ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि लगाई गई पूंजी पर 22 प्रतिशत प्रतिफल को वर्तमान निर्णायक समीक्षा में लागू नहीं किया जाना चाहिए।
45. भारत सरकार द्वारा घरेलू इस्पात उद्योग का समर्थन करने के लिए मौजूदा उपायों के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सरकार द्वारा किए गए विभिन्न मौजूदा नीतिगत पहलों का लक्ष्य पाटित आयातों के क्षतिकारक प्रभाव को दूर करना नहीं है। इस प्रकार की पहल पाटित आयातों, जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाते हैं, को नहीं रोकता है। घरेलू इस्पात उद्योग के लिए सरकारी नीतियों का होना पाटन जैसे व्यापार विपठन कार्य-पद्धति को सही नहीं ठहरा सकता है।
46. साझा करने और अधिप्राप्ति आयात आंकड़ों के लिए प्रक्रिया का निर्धारण व्यापार सूचना 07/2018 में किया गया है। अलग-अलग किए गए आयात आंकड़ों की हार्ड कॉपी हितबद्ध पक्षकारों को निर्धारित प्रपत्र के अनुसार वचन-पत्र दिए जाने पर सुलभ कराई गई थी। हितबद्ध पक्षकार व्यापार सूचना 07/2018 के अंतर्गत यथा-निर्धारित वचन-पत्र उपलब्ध कराने के बाद डीजीसीआईएंडएस से लेन-देनवार आयात आंकड़ों के द्वारा अपरिष्कृत लेन-देन भी प्राप्त कर सकते हैं।
47. नमूना देने संबंधी पद्धति अपनाने की आवश्यकता के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नमूना देने संबंधी पद्धति को वर्तमान जांच में नहीं अपनाया गया है क्योंकि केवल सीमित संख्या में उत्पादकों ने निर्णायक समीक्षा में भाग लिया है।
48. जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों की जांच के संबंध में दावे के बारे में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि की बाद की सूचना एक कानूनी रूप से अधिदेश दिया कारक नहीं है, जिस पर समीक्षा जांच में विचार किया जाना है। 18 महीने की लंबी जांच की अवधि घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई वर्तमान और संभावित पाटन एवं क्षति की पर्याप्त अपेक्षित जानकारी उपलब्ध कराता है।

## च. गोपनीयता

### च.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

49. आवेदकों द्वारा गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. जापान और कोरिया गणराज्य से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर में अत्यधिक गोपनीयता के अनेक उदाहरण हैं।
- ख. कोबे स्टील लि. ने लगभग रिक्त प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है। इस प्रश्न के सभी उत्तर गोपनीय के रूप में चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा, कोई परिशिष्ट अथवा वित्तीय आंकड़े किसी पेलेटेबल अगोपनीय फार्म में उपलब्ध नहीं कराया गया है।

### च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

50. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आरसेलर मिट्टल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड ने वार्षिक रिपोर्टों के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- ख. याचिकाकर्ताओं ने प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए दिनांक 7 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना सं. 10/2018 के अनुसार वास्तविक आंकड़े उपलब्ध नहीं कराकर अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।

### च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

51. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।

52. पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के तहत सूचना की गोपनीयता के संबंध में यह प्रावधान है:

*“गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।*

*(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।*

*(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं। “*

53. घरेलू उद्योग और अन्य विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए अनुरोधों की जांच प्राधिकारी द्वारा उस सीमा तक की गई है जिस सीमा तक उसे संगत माना गया है और तदनुसार उसका समाधान किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में विधिवत जांच की गई थी। इस पर संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना पर गोपनीयता के रूप में विचार किया गया है जो अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ प्रदान करने का निदेश दिया गया था। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपने व्यापार से संबंधित संवेदनशील सूचना के गोपनीय होने का दावा किया है।

54. सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची उसमें सभी को इस अनुरोध के साथ डीजीटीआर की वेबसाइट पर डाली गई थी कि वे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों का अगोपनीय पाठन ई-मेल करें क्योंकि सार्वजनिक फाइल चालू वैश्विक महामारी के कारण भौतिक रूप से प्राप्त किए जाने योग्य नहीं था।

### छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

#### छ.1 सामान्य मूल्य

55. धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य यह है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र से किसी उपयुक्त तीसरे देश को किया गया हो; अथवा उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

(ख) उप-धारा (६) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत और मुनाफे के लिए उचित वृद्धि के साथ मूल देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत:

बशर्ते कि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

## छ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

56. घरेलू उद्योग द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. संबद्ध वस्तुओं के चीन के उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में काम कर रहे हैं। चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य घरेलू बिक्री कीमतों और चीन जन.गण. में मौजूद लागतों के आधार पर नहीं हो सकती है, यदि यह दर्शाया जाता है कि चीन के उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं।
- ख. वर्ल्डस्टील.कॉम (<https://worldsteelprices.com/asia/>) में प्रकाशित कीमतों के आधार पर कच्चे माल (एचआर कॉयल) की अंतर्राष्ट्रीय कीमत सामान्य मूल्य की संरचना के लिए अपनाई गई है और विचार की गई है। कच्चे माल की खपत को घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर लिया गया है।
- ग. परिवर्तन लागतों पर विचार घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर किया गया है।
- घ. एसजीए लागत और वित्त लागत पर विचार घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर किया गया है।
- ङ. 5 प्रतिशत के लाभ मार्जिन पर विचार सामान्य मूल्य तय करने के लिए किया गया है।
- च. निर्यात कीमत का निर्धारण एक्स-फैक्टरी स्तर पर किया गया है। डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़ों के अनुसार, गणना की गई सीआईएफ निर्यात कीमत से संगत समायोजन एक्स-फैक्टरी निर्यात कीमत तय करने के लिए किए गए हैं।
- छ. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना के आधार पर इस प्रकार से निर्धारित पाटन मार्जिन सकारात्मक और बहुत अधिक है।
- ज. यह अवश्य नोट किया जाना चाहिए कि चीन जन.गण. और यूक्रेन के उत्पादकों/निर्यातकों ने भाग नहीं लिया है। इस कारण से प्राधिकारी को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण. और यूक्रेन से निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए आगे की कार्रवाई करनी चाहिए।
- झ. उत्पादकों/निर्यातकों (i) जेएफई स्टील कारपोरेशन (ii) पोस्को और (iii) निप्प्र स्टील कारपोरेशन को जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात बिक्री पर हानि हुई है। इस कारण से, यदि इन उत्पादकों/निर्यातकों के वास्तविक आंकड़ों पर विश्वास भी किया जाता है तब यह स्पष्ट है कि उन्होंने भारत को अपनी बिक्री लागत से कम अर्थात् पाटित कीमतों पर निर्यात किया है।

## छ.3 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

57. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. जापान और कोरिया गणराज्य के उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और संगत सूचना उपलब्ध कराई है। सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर किया जाना चाहिए।

- ख. याचिकाकर्ता कोई स्पष्टीकरण देने में असफल रहे हैं कि किस प्रकार से वर्ल्ड स्टीलप्राइसेस.कॉम से ली गई कीमतें विशिष्ट रूप से संबद्ध देशों में उत्पादन की लागत को दर्शाता है।
- ग. याचिकाकर्ता ने इस बात का औचित्य नहीं बताया है कि क्यों इसके अनुभव की तुलना परिवर्तन लागतों, एसजीए लागतों और वित्त लागतों के लिए संबद्ध देशों में उत्पादकों के अनुभव से की जा सकती है।
- घ. सामान्य मूल्य तय करने के लिए 5 प्रतिशत के लाभ मार्जिन का औचित्य नहीं बताया गया है अथवा उसका समर्थन बिना किसी साक्ष्य के नहीं किया गया है।

#### छ.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

58. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी, जिसमें उन्हें सलाह दी गई थी कि वे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराएं। संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यात की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- क. पोस्को कोरिया गणराज्य
- ख. पोस्को एशिया कंपनी लिमिटेड
- ग. पोस्को इंटरनेशनल कारपोरेशन
- घ. सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन
- ड. डोंगकु इंडस्ट्रीज कं. लि.
- च. जीएस ग्लोबल कारपोरेशन
- छ. हुंडई कारपोरेशन
- ज. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य
- झ. आईओएनसी स्टील कं. लि.
- ञ. कोवन ट्रेडिंग कारपो.
- ट. एलजी इंटरनेशनल कारपो.
- ठ. जेएफई स्टील कारपोरेशन
- ड. निप्पन स्टील कारपोरेशन
- ढ. कोबे स्टील लि.
- ण. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन
- त. जेएफई शोजी कारपोरेशन
- थ. कानेमत्सु कारपोरेशन
- द. मारुबेनी-इटोचु स्टील इन्क.
- ध. मेटल वन कारपोरेशन
- न. निसान ट्रेडिंग कं. लि.
- प. निप्पन स्टील ट्रेडिंग कारपोरेशन
- फ. ओहमि इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- ब. स्टील सेंटर कं. लि.
- भ. सुमिटोमो कारपोरेशन ग्लोबल मेटल्स कं. लि.

- म. टेटसुशो कायाबा कारपोरेशन  
 य. टोयोटा शुहो कारपोरेशन  
 कक. यंग स्टील कं. लि.

59. चीन जन.गण. और यूक्रेन के संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
60. प्राधिकारी ने पीसीएन से पीसीएन तुलना करने के उद्देश्य से वर्तमान निर्णायक समीक्षा में उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) तक की। प्राधिकारी ने सर्वप्रथम पीसीएन स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना कर प्रत्येक पीसीएन के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। उसके बाद, कुल मिलाकर विचाराधीन उत्पाद के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। जहां कहीं भी बिल्कुल समान पीसीएन की कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई थी अथवा कोई लाभप्रद घरेलू बिक्री नहीं हुई थी, सामान्य मूल्य प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उचित योग के साथ या तो उत्पादन की लागत के आधार पर अथवा बिल्कुल सदृश्य पीसीएन की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर तय किया गया था।
61. प्राधिकारी ने उन मामलों में निर्यात कीमत के लिए उपयुक्त समायोजन किया है जहां यह नोट किया गया था कि भारत को निर्यात चेन में शामिल संबंधित अथवा असंबंधित व्यापारी या भारत में संबंधित आयातक को विचाराधीन उत्पाद की बिक्री पर हानि हो रही थी।
62. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए, संबद्ध देशों से सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य और निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

#### छ.4.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण

##### चीन जन.गण.

63. डब्ल्यूटीओ में चाइनीज एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान हैं: “जीएटीटी 1994 का अनुच्छेद VI, टैरिफ और व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 (“पाटनरोधी करार”) के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन संबंधी करार और एससीएम करार एक डब्ल्यूटीओ सदस्य में चीन के मूल के आयातों की संलिप्तता की कार्यवाहियों में लागू होंगे जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-
1. “क-जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद (VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं है:
    - (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफसाफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले - उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की , उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण स्थितियां रहती है तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
    - (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है साफ यह नहीं -यदि जांचाधीन उत्पादक साफ , दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था , वाले उद्योग हैं। की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने
  - (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के

रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

2. (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उपपैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी - कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
  3. (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए , जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(II) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के 15राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग-उप पैराग्राफ (क) के गैर , अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"
64. यह नोट किया जाता है कि जबकि अनुच्छेद 15(क)(ii) में निहित प्रावधान दिनांक 11.12.2016 को समाप्त हो चुके हैं, एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(i) के तहत बाध्यता के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में विनिर्दिष्ट मापदंड अपेक्षित है, जिसे बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा करने पर अनुपूरक प्रश्नावली में उपलब्ध कराए जाने हेतु सूचना/डेटा के माध्यम से संतुष्ट किया जाना है। यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन.गण. से उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित फार्म और तरीके से एमईटी/अनुपूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, अतः सामान्य मूल्य की गणना नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के तहत की जानी अपेक्षित है।
65. क्योंकि चीन जन.गण. से किसी भी उत्पादक ने पूरक प्रश्नावली उत्तर दायर नहीं किया है, सामान्य मूल्य को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसरण में निर्धारित किया गया है। रिकॉर्ड पर उपलब्ध पर्याप्त सूचना की अनुपस्थिति में, जैसाकि नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में स्थापित किया गया है, प्राधिकारी ने "किसी अन्य उचित आधार पर" सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। इसलिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के अनुभव और उचित लाभ मार्जिन के अनुभव के आधार पर कच्ची सामग्री (एच आर कॉयल), परिवर्तन लागत और बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। चीनी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित निर्मित सामान्य मूल्य का पाटन मार्जिन तालिका में उल्लेख किया गया है।

#### छ.4.2 निर्यात कीमत का निर्धारण

66. चूंकि, चीन जन.गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली उत्तर दायर नहीं किये हैं, चीन जन.गण. से निर्यात कीमत को डीजीसीआईएंडएस के प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार जांच की अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करते हुए निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, यह नोट किया गया है कि पीसीएन वार निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़ों में पर्याप्त विवरण उपलब्ध नहीं है। इसलिए, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के मामले में पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए एकल भारंशित औसत निर्यात कीमत पर विचार किया है। समुद्री माल भाड़ा, अंतर्देशीय भाड़ा, बीमा, संभाल प्रभारों, कमीशन, बैंक प्रभारों और गैर-वापसी योग्य वैट के लिए समायोजन किए गए हैं।

#### यूक्रेन

#### छ.4.3 सामान्य मूल्य का निर्धारण

67. यूक्रेन से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है और प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। यूक्रेन में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में, प्राधिकारी ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पृथक सामान्य मूल्य को निर्धारित करने में सक्षम नहीं है और यूक्रेन से

उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पृथक सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में नियमावली के नियम 6(8) की शर्तों में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ने के लिए विवश है। इसलिए, प्राधिकारी ने यूक्रेन के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण घरेलू उद्योग के अनुभव और उचित लाभ मार्जिन के आधार पर कच्ची सामग्री (एच आर कॉयल), परिवर्तन लागतें और बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय को अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर निर्मित किया है। यूक्रेन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित निर्मित सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

#### छ.4.4 निर्यात कीमत का निर्धारण

68. यूक्रेन से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है और प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। यूक्रेन में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में, प्राधिकारी ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पृथक सामान्य मूल्य को निर्धारित करने में सक्षम नहीं है और उनके प्रश्नावली उत्तर के आधार पर निर्यात कीमत के निर्धारण के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ने के लिए विवश है। उत्पादकों/निर्यातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार जांच की अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करते हुए नियमावली के नियम 6(8) की शर्तों में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इसके अलावा, यह भी नोट किया गया है कि पीसीएन-वार निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़ों में पर्याप्त विवरण उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए, प्राधिकारी ने यूक्रेन के मामले में पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए एकल भारंशित औसत निर्यात कीमत पर विचार किया है। समुद्री माल भाड़ा, अंतर्देशीय माल भाड़ा, बीमा, संभाल प्रभारों, कमीशन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का पाटन मार्जिन सारणी में उल्लेख किया गया है।

#### जापान

##### (i) कोब स्टील लि. जापान

69. कोब स्टील लि., जापान ने निर्धारित प्रश्नावली फॉर्मेट में पूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं करायी है। इसलिए प्राधिकारी ने कोब स्टील लिमिटेड द्वारा दायर किए गए प्रश्नावली उत्तर को स्वीकार नहीं किया है। अपूर्ण सूचना के कारण प्राधिकारी ने कोब स्टील लिमिटेड कोई पृथक पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया है। प्राधिकारी ने कोब स्टील लिमिटेड को असहयोगी माना है।

##### (ii) जेएफई स्टील कारपोरेशन ("जेएफई")

#### सामान्य मूल्य

70. पीओआई के दौरान, जेएफई ने या तो प्रयोक्ताओं को सीधे ही या स्थानीय व्यापारियों के जरिए घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है।
71. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ प्राप्त करने वाले घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण हेतु व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया आयोजित की है। संबद्ध वस्तु यदि किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए लाभ प्राप्त करने वाले सौदे 80 प्रतिशत से अधिक हैं, तो वहां प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उक्त पीसीएन हेतु घरेलू बाजार में सभी सौदों पर विचार किया है और यदि किसी मामले में जहां किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए लाभप्रद सौदे 80 प्रतिशत से कम हैं तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर विचार किया गया है। जहां कहीं भी किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए कोई घरेलू बिक्रियां नहीं थी अथवा कोई लाभप्रद घरेलू बिक्रियां नहीं थी, अथवा पर्याप्तता परीक्षण पूरा नहीं किया गया था, वहां सामान्य मूल्य को या तो उत्पादन की लागत के साथ-साथ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों के लिए उचित जोड़ के आधार पर और मुनाफे के लिए अत्यधिक मिलते-जुलते पीसीएन की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर निर्मित किया गया था।
72. जेएफई ने अंतर्देशीय माल भाड़ा, अंतर्देशीय बीमा, भंडारण लागत और क्रेडिट लागत के कारण समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने रिमोट क्रास चैक के पश्चात इन समायोजनों का सत्यापन किया है और इन्हें स्वीकार



किया है। जेएफई के लिए कारखानागत स्तर पर, तदनुसार, सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है और इसे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### **निर्यात कीमत**

73. जेएफई ने अपनी संबंधित/असंबंधित ट्रेडिंग कंपनियों जेएफई शोजी कारपोरेशन, टोयोटा त्सुशो कारपोरेशन, ओहिम इंडस्ट्रीज लिमि., यंग स्टील कं. लि., निसान ट्रेडिंग कंपनी लिमि., मेटल वन कारपोरेशन सहित प्रभावली उत्तर दायर किया है।
74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सहयोगी संस्थाएं संबंधित/असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से जेएफई द्वारा की गई कुल बिक्री का 100% हिस्सा हैं, जिसके द्वारा जेएफई और उसके व्यापारियों द्वारा रिपोर्ट की गई मात्रा और निर्यात मूल्य को डंपिंग और क्षति का निर्धारण करने के लिए प्राधिकरण द्वारा अपनाया गया है मार्जिन।
75. प्राधिकारी ने निर्यात कीमत की संगणना करते समय, उत्पादक के आंकड़ों को ध्यान में रखा है। जेएफई ने अंतर्देशीय माल भाड़ा, अंतर्देशीय बीमा, भंडारण लागत और क्रेडिट लागत के कारण समायोजन का दावा किया है और रिमोट क्रॉस चेक तथा डेस्क सत्यापन के बाद इसे अनुमति दी गई है। कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत को तदनुसार निर्धारित किया गया है और इसे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### **(iii) निप्पन स्टील कारपोरेशन ("एनएससी")**

#### **सामान्य मूल्य**

76. पीओआई के दौरान, एनएससी ने घरेलू बाजार में संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि दो संबंधित हस्तियों अर्थात् निप्पन स्टील ट्रेडिंग कारपोरेशन और स्टील सेंटर कं. लिमिटेड ने अपने उत्तर दायर किए हैं।
77. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ प्राप्त करने वाले घरेलू बिक्री सौदों का निर्धारण करने के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया आयोजित की।
78. यदि लाभ प्रदान करने वाले सौदे 80 प्रतिशत से अधिक हैं, तो प्राधिकारी ने घरेलू बाजार में सभी सौदों पर विचार किया है, और यदि ऐसे मामलों में जहां, लाभ देने वाले सौदे 80 प्रतिशत से कम हैं, वहां सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर विचार किया है। जहां कहीं भी कोई घरेलू बिक्रियां नहीं थी या कोई लाभप्रद घरेलू बिक्रियां नहीं थी अथवा किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए पर्याप्तता परीक्षण पूरा नहीं किया गया था, वहां सामान्य मूल्य को या तो उत्पादन की लागत के साथ-साथ प्रशासनिक, बिक्री या सामान्य लागतों के लिए उचित जोड़ के आधार पर और मुनाफे के लिए या अत्यधिक मिलते जुलते पीसीएन की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर निर्मित किया गया था।
79. एनएससी ने छूट, वारंटी, क्रेडिट नोट, अंतर्देशीय मालभाड़े, अंतर्देशीय बीमा, भंडारण लागत, और क्रेडिट लागत के कारण समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने रिमोट क्रॉस चेक के जरिए जांच के पश्चात इन समायोजनों को स्वीकार किया है। तदनुसार, एनएससी के लिए कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य को निर्धारित किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### **निर्यात कीमत**

80. एनएससी ने अपनी संबंधित/असंबंधित ट्रेडिंग कंपनियों केन्मात्सु कारपोरेशन, निप्पन स्टील ट्रेडिंग कारपोरेशन, मेटल वन कारपोरेशन, टोयोटा, त्सुशो कारपोरेशन, होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन, मारुबेनी-इतोचु स्टील इंक, सुमितोमो कारपोरेशन ग्लोबल मेटल कं. लि. एवं हान्वा कं. लि., जिन्होंने एनएससी द्वारा विनिर्मित भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, के सहित एक प्रभावली उत्तर दायर किया है। इसके अलावा, एनएससी ने अन्य ट्रेडर्स के जरिए भी कुछ मात्रा निर्यातित की है, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष अपना प्रभावली उत्तर दायर नहीं किया है।

81. तथापि, प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि असहयोगी असंबद्ध पक्षकारों के जरिए किया गया निर्यात भारत को किए गए कुल निर्यातों के संदर्भ में महत्वहीन है।
82. उत्पादक एनएससी की निर्यात कीमत तैयार करने के लिए, प्राधिकारी ने एनएससी और अन्य सहयोगी ट्रेडर्स जिन्होंने जांच में विधिवत भाग लिया है और निर्धारित स्वरूप और तरीके में उत्तर प्रस्तुत किया है को शामिल करने वाली श्रृंखला के लिए वास्तविक निर्यात कीमत पर विचार किया है और एनएससी के असहयोगी ट्रेडर्स, जिन्होंने निर्धारित प्रारूप और तरीके में सूचना दायर नहीं की थी, के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित निर्यात कीमत पर विचार किया है। तदनुसार, एनएससी के लिए निर्यात कीमत को भारत को सभी निर्यात चैनलों की भारांशित औसत निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित किया गया है।
83. एनएससी ने अंतर्देशीय माल भाड़ा, अंतर्देशीय बीमा, भंडारण लागत और क्रेडिट लागत के कारण समायोजनों का दावा किया है और इसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, एनएससी के लिए कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **(iv) जापान से असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत**

84. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
85. असहयोग को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, सभी असहयोगी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।
86. निर्यात कीमत के संबंध में, उत्पादकों/निर्यातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सभी असहयोगी उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। समुद्री माल भाड़ा, अंतर्देशीय माल भाड़ा, बीमा, संभाल प्रभारों, कमीशन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। जापान से सभी असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का पाटन मार्जिन में उल्लेख किया गया है।

#### **कोरिया गणराज्य**

##### **(i) पोस्को**

##### **सामान्य मूल्य**

87. पीओआई के दौरान, पोस्को ने संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं का विक्रय किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पोस्को के संबंधित पक्षकारों में से एक मै. पोस्को इंटरनेशनल कारपोरेशन जो घरेलू बिक्रियों में संलग्न है, ने प्रश्नावली उत्तर दायर किया है। इसके अलावा, दो अन्य संबंधित ट्रेडिंग कंपनियों अर्थात् मै. विनस्टील कंपनी लिमिटेड और तेचांग स्टील कं. लिमि. घरेलू बिक्रियों में संलग्न है। इन दोनों ट्रेडिंग कंपनियों ने और अधिक घरेलू बिक्रियों और लाभप्रदता विवरण के ब्यौरे दायर किए हैं।
88. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ कमाने वाले घरेलू बिक्री लेनदेनों का निर्धारण करने के लिए सामान्य व्यापार परीक्षण किया। यदि किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए लाभ देने वाले सौदे 80 प्रतिशत से अधिक हैं तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उक्त पीसीएन के लिए घरेलू बाजार में सभी सौदों पर विचार किया है और ऐसे मामलों में जहां, किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए लाभप्रद सौदे 80 प्रतिशत से कम हैं, वहां सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभ प्रदान करने वाली घरेलू बिक्रियों पर विचार किया गया है। जहां किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए कोई घरेलू बिक्री नहीं है या कोई लाभप्रद घरेलू बिक्रियां नहीं है अथवा वे पर्याप्तता परीक्षण को पूरा नहीं किया गया था, वहां सामान्य मूल्य को या तो उत्पादन की लागत के साथ-साथ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों के लिए उचित जोड़ के आधार पर लाभ के लिए अत्यधिक मिलते जुलते पीसीएन की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर निर्मित किया गया था।
89. पोस्को ने माल भाड़ा, भंडारण व्यय, वारंटी लागत, पैकिंग लागत और क्रेडिट लागत के कारण समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने इन समायोजनों का सत्यापन किया है और इन्हें स्वीकार किया है। तदनुसार, पोस्को

के लिए कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### **निर्यात कीमत**

90. मै. पोस्को, कोरिया गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक, ने, अपनी संबंधित/असंबंधित ट्रेडिंग कंपनियों अर्थात् पोस्को इंटरनेशनल, कारपोरेशन, पोस्को एशिया कंपनी लिमिटेड, सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, हुंदई कारपोरेशन और जीएस ग्लोबल कारपोरेशन, जिन्होंने पोस्को द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली उत्तर दायर किए हैं। पोस्को ने भारत में अपनी संबंधित कंपनी अर्थात् मै. पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्रा. लिमि. को भी सीधे ही निर्यात किए हैं।
91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सहयोगी हस्तियां संबंधित/असंबंधित ट्रेडर्स के माध्यम से पोस्को द्वारा की गई कुल बिक्रियों के \*\*\*% के लिए उत्तरदायी हैं जिसके द्वारा पोस्को और ट्रेडिंग कंपनियों द्वारा रिपोर्ट की गई मात्रा को प्राधिकारी द्वारा पाटन और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए पोस्को द्वारा भारत को किए गए निर्यातों के रूप में अपनाया गया है। उत्पादक मै. पोस्को की निर्यात कीमत को तैयार करने के लिए, प्राधिकारी ने पोस्को और सहयोगी ट्रेडर्स, जिन्होंने विधिवत जांच में भाग लिया और निर्धारित प्रारूप और तरीके में उत्तर प्रस्तुत किया है और पोस्को के असहयोगी ट्रेडर्स के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर, जिन्होंने निर्धारित प्रपत्र और तरीके में सूचना दायर नहीं की है, को सम्मिलित करने वाली श्रृंखला के लिए वास्तविक निर्यात कीमत पर विचार किया है। इसके अलावा, प्राधिकरण ने व्यापारियों को हुए नुकसान के लिए उचित समायोजन भी किया है। तदनुसार, पोस्को के लिए निर्यात कीमत को भारत को सभी निर्यात चैनलों की भारांशित औसत निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित किया गया है।
92. पोस्को की इसकी सहयोगी असंबंधित/संबंधित ट्रेडिंग कंपनियों के ज़रिए, निर्यात बिक्रियां सीएफआर/एफएएस/ईएक्सडब्ल्यू आधार पर की गई हैं। पोस्को समुद्री माल भाड़ा, अन्तर्देशीय माल भाड़ा, क्रेडिट लागत, पैकिंग लागत और वारंटी लागत के कारण समायोजन का दावा किया है और रिमोट क्रास चेक और डेस्क सत्यापन के पश्चात इसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, पोस्को के लिए निर्यात कीमत को कारखानागत स्तर पर निर्धारित किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### **(ii) मै. डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी, कोरिया गणराज्य**

#### **सामान्य मूल्य**

93. यह नोट किया गया है कि पीओआई के दौरान, मै. डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी, कोरिया गणराज्य ने केवल असंबंधित पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ प्राप्त करने वाले घरेलू बिक्री सौदों के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया आयोजित की। प्राधिकारी ने नोट किया है कि यदि लाभ प्राप्त करने वाले सौदे 80 प्रतिशत से अधिक हैं, तो घरेलू बिक्रियों में सभी सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया गया है और यदि लाभ प्राप्त करने वाले सौदे 80 प्रतिशत से कम हैं तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभ प्राप्त करने वाली घरेलू बिक्रियों पर विचार किया जा रहा है। जहां कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं थी या कोई लाभ प्राप्त करने वाली घरेलू बिक्रियां नहीं थी अथवा किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए पर्याप्तता परीक्षण को पूरा नहीं किया गया था, वहां सामान्य मूल्य को या तो उत्पादन की लागत के साथ-साथ प्रशासन, बिक्री और सामान्य लागत के लिए और उचित वृद्धि के आधार पर और मुनाफे के लिए पीसीएन की अत्यधिक समान घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर निर्मित किया गया था।
94. डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी, कोरिया गणराज्य ने अंतरदेशीय परिवहन, क्रेडिट लागत और पैकिंग व्ययों के कारण समायोजन का दावा किया है, इसके लिए प्राधिकारी द्वारा अनुमति दी गई है। तदनुसार, डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी, कोरिया गणराज्य के लिए कारखाना गत स्तर पर सामान्य मूल्य को निर्धारित किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**निर्यात कीमत**

95. यह नोट किया गया है कि मै. मै. डांगकुक् इंडस्ट्रीज कं., जो कोरिया गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक और निर्यातक हैं, ने सीधे ही और चार असंबद्ध ट्रेडर्स अर्थात् आईओएनसीएस स्टील कं. लिमि., कोरिया गणराज्य, कोवून ट्रेडिंग कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, पोस्को इंटरनेशनल कोरिया गणराज्य और जेडी कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य के माध्यम से भी भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, इनमें से जेडी कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य ने, जो डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी द्वारा भारत को किए गए कुल निर्यात का केवल \*\*\*% ही, स्थापित करता है, प्राधिकारी को निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दायर नहीं किया है। उत्पादक मै. डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी की निर्यात कीमत को तैयार करने के लिए, प्राधिकारी ने डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी और सहयोगी ट्रेडर्स, जिन्होंने विधिवत जांच में भाग लिया है और निर्धारित प्रपत्र और तरीके में उत्तर प्रस्तुत किया है और डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी के असहयोगी ट्रेडर्स, जिन्होंने निर्धारित प्रपत्र और तरीके में सूचना दायर नहीं की है, को सम्मिलित करने वाली श्रृंखला के लिए वास्तविक निर्यात कीमत पर विचार किया है। तदनुसार, डांगकुक् कंपनी के लिए निर्यात कीमत को भारत को सभी निर्यात सरणियों की भारांशित औसत निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित किया गया है।
96. डांगकुक् इंडस्ट्रीज कं., कोरिया गणराज्य, आईओएनसी स्टील कं. लि., कोरिया गणराज्य, पोस्को इंटरनेशनल, कोरिया आरपी और कोवून ट्रेडिंग कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य ने अपेक्षित फार्मेट में सारी प्रासंगिक सूचना उपलब्ध कराई है। डांगकुक् इंडस्ट्रीज कंपनी, कोरिया गणराज्य ने क्रेडिट लागत, हवाई माल भाड़ा व्ययों, समुद्री माल भाड़ा, बीमा, अंतर्देशीय परिवहन, निर्यात संभाल शुल्क, पैकिंग व्ययों, बैंक प्रभारों, कमीशन और भंडागार व्यय के कारण समायोजन का दावा किया है। और बाद में इसकी अनुमति दी गई है रिमोट क्रॉस चेक और डेस्क सत्यापन। तदनुसार, निर्यात कीमत को कारखानागत स्तर पर निर्धारित किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**(iii) मै. हुंदई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य****सामान्य मूल्य**

97. पीओआई के दौरान, हुंदई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य ने संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ प्राप्त करने वाले घरेलू बिक्री सौदों का निर्धारण करने के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया आयोजित की। प्राधिकारी ने नोट किया कि यदि लाभ प्राप्त करने वाले सौदे 80 प्रतिशत से अधिक हैं तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बिक्रियों में सभी सौदों पर विचार किया जा रहा है और यदि लाभ प्राप्त करने वाले सौदे 80 प्रतिशत से कम हैं तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभ प्राप्त करने वाली घरेलू बिक्रियों को ध्यान में रखा जा रहा है। जहां कहीं भी कोई घरेलू बिक्रियां नहीं थी या लाभ प्राप्त करने योग्य घरेलू बिक्रियां नहीं थी या किसी विशिष्ट पीसीएन के लिए पर्याप्तता परीक्षण को पूरा नहीं किया गया था, वहां सामान्य मूल्य को या तो प्रशासनिक, बिक्री या सामान्य लागतों, उचित जोड़ के आधार पर उत्पादन की लागत के आधार पर या और लाभों के लिए पीसीएन से अत्यधिक समानता रखने वाली घरेलू बिक्री कीमत के साथ - साथ निर्मित किया गया था। हुंदई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य ने अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री माल भाड़ा और क्रेडिट व्ययों के कारण समायोजन का दावा किया है और रिमोट क्रॉस चेक और डेस्क सत्यापन के बाद प्राधिकारी द्वारा इसे अनुमति दी गई है। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य को निर्धारित किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**निर्यात कीमत**

98. हुंदई स्टील कंपनी, जो कोरिया गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक और निर्यातक है, ने तीन असंबंधित/संबंधित ट्रेडर्स अर्थात् जीएस ग्लोबल कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, एलजी इंटरनेशनल कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य और हुंदई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य के ज़रिए अप्रत्यक्ष रूप से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। संबद्ध वस्तुओं का निर्यात संबंधित और असंबंधित भारतीय ग्राहकों दोनों को किया गया है। प्राधिकारी द्वारा यह अवलोकन किया गया कि समान पीसीएन/ग्रेड के लिए इसकी संबंधित कंपनी को निर्यात

बिक्री कीमत में और भारत में असंबंधित ग्राहकों को निर्यात बिक्री कीमत के बीच महत्वपूर्ण अंतर था। हुंदई स्टील, कोरिया गणराज्य समान पीसीएन/ग्रेड के लिए संबंधित और असंबंधित पक्षकारों के बीच निर्यात बिक्रियों में ऐसे महत्वपूर्ण अंतर के लिए कोई वैध कारण उपलब्ध कराने में असमर्थ था। इसलिए, प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए असंबंधित पक्षकारों की केवल निर्यात बिक्रियों पर विचार किया है। हुंदई स्टील कंपनी ने, समुद्री माल भाड़ा, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित व्ययों और क्रेडिट लागत और रिमोट क्रॉस चेक और डेस्क सत्यापन के बाद ही अनुमति दी गई है तदनुसार, निर्यात कीमत को कारखानागत स्तर पर निर्धारित किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**(iv) कोरिया गणराज्य से असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत**

99. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोरिया गणराज्य से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है।
100. असहयोग को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में कीमत पर सभी असहयोगी उत्पादकों के लिए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।
101. निर्यात कीमत के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने सभी असहयोगी उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत को नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित किया है। समुद्री माल भाड़ा, अंतर्देशीय माल भाड़ा, बीमा, संभाल प्रभार, कमीशन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। कोरिया गणराज्य से सभी असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लेख किया गया है।

**छ.4.5 पाटन मार्जिन**

102. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, यह नोट किया गया कि चीन जन.गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन के लिए पाटन मार्जिन नियमावली के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक हैं।

देश	उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य (यूएसडॉ./ एमटी)	एनईपी (यूएसडॉ./ एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएसडॉ./ एमटी)	पाटन मार्जिन %	रेंज
जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	***	***	***	***	20-30
जापान	निप्पन स्टील कारपोरेशन	***	***	***	***	50-60
जापान	अन्य सभी	***	***	***	***	60-70
कोरिया गणराज्य	पोस्को	***	***	***	***	0-10
कोरिया गणराज्य	डोंगकुक इंडस्ट्रीज कं. लि.	***	***	***	***	0-10
कोरिया गणराज्य	हुंदई स्टील कंपनी	***	***	***	***	10-20
कोरिया गणराज्य	अन्य सभी	***	***	***	***	130-140
चीन जन.गण.	कोई भी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	20-30
यूक्रेन	कोई भी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	50-60

**ज. क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच****ज.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

103. क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध इस प्रकार हैं:-

- क. पाटनरोधी शुल्क के लागू करने के बाद भी संबद्ध देशों से आयात कुल रूप में और भारत में कुल आयातों व भारतीय मांग, दोनों के संबंध में महत्वपूर्ण है।
- ख. पीओआई के अंतिम छह महीनों अर्थात् अप्रैल, 2020 से सितंबर, 2020 के दौरान आयातों में गिरावट, कोविड-19 महामारी के कारण है। एक बार कोविड-19 की स्थिति में सुधार होने पर आयातों में भी वृद्धि हो जाएगी।
- ग. मूल जांच में भी अधिकतर क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कीमत कटौती नकारात्मक थी। मूल जांच की पीओआई में भी जापान से आयातों के लिए कीमत कटौती नकारात्मक थी।
- घ. संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क और जो क्षति जांच अवधि के दौरान प्रवृत्त किए गए हैं, संदर्भ मूल्य तंत्र पर आधारित हैं। कीमतों को संदर्भ मूल्य स्तर से अधिक रखना संबद्ध देशों से उत्पादकों/निर्यातकों पर निर्भर था।
- ङ. प्राधिकारी को आयात कीमत पर विचार करने के द्वारा जो संदर्भ कीमत आधारित पाटनरोधी शुल्क को लागू करने से पहले प्रवृत्त थी, कीमत कटौती का भी आकलन करना चाहिए।
- च. पाटनरोधी शुल्क आधारित संदर्भ कीमत के मामले में, कीमत कटौती का निर्धारण करने के लिए केवल वास्तविक आयात कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि पाटनरोधी शुल्क का तत्व संबद्ध देशों से आयात/निर्यात कीमत में अंतर्निर्मित है। इसलिए, कीमत कटौती का आकलन आयात कीमत में "अंतर्निर्मित" पाटनरोधी शुल्क को घटाने के बाद किया जाना चाहिए। यदि प्राधिकारी मूल जांच के दौरान यथा परिकलित औसत पाटनरोधी शुल्क को बहिष्कृत करते हैं तो कीमत कटौती उल्लेखनीय रूप से सकारात्मक हो जाएगी।
- छ. प्राधिकारी द्वारा पहले आयोजित की गई बहुत सी पाटनरोधी जांचों में यह नोटिस किया गया है कि कोरिया गणराज्य से निर्यातक संबद्ध वस्तुओं को भारत को उच्च कीमत पर निर्यात करते हैं और उनके संबंधित पक्षकार हानि उठाकर संबद्ध वस्तुओं को दुबारा बिक्री करते हैं। कोरिया गणराज्य से केवल औसत आयात कीमतों को अपना कर निर्धारित की गई कीमत कटौती सही तस्वीर प्रस्तुत नहीं करेगी।
- ज. प्राधिकारी को जांच करनी चाहिए कि क्या कोरिया गणराज्य से निर्यातक संबंधित निर्यातकों की तुलना में असंबंधित निर्यातकों के लिए भिन्न-भिन्न कीमत निर्धारण का अनुसरण करते हैं।
- झ. उत्पादकों/निर्यातकों के बीच डिलीवरी टर्म को सीआईएफ के रूप में निर्दिष्ट करने का अभ्यास भी है जबकि वस्तुएं आईसीडी पर डिलीवर की जाती हैं और परिणामस्वरूप, रिकॉर्ड पर उपलब्ध कीमत में आयात के पूर्ववर्ती पत्तन से आईसीडी पत्तन तक की परिवहन लागत का अतिरिक्त कीमत तत्व शामिल किया जाता है। सीमा शुल्क मूल्यांकन नियमों के अनुसार, आयात के पहले पत्तन से आईसीडी तक माल भाड़ा तत्व को सीमा शुल्क प्रयोजनों के लिए मूल्य में शामिल नहीं किया जाना चाहिए और तदनुसार, पाटनरोधी जांच के लिए पहुंच मूल्य को परिकलित करते समय भी इसे शामिल नहीं किया जाना चाहिए।
- ञ. संबद्ध देशों से उत्पादक/निर्यातक निर्णायक समीक्षा की निश्चित अवधि के बारे में अवगत थे और इसलिए उनके लिए भारत को उनके निर्यातों के लिए औसत कीमत को उच्च रखना संभव था। प्राधिकारी को जांच करनी चाहिए कि क्या निर्यात कीमत में वृद्धि आर्थिक तर्क पर आधारित है या यह अस्थायी है।

- ट. संबद्ध वस्तुओं में विभिन्न टैरिफ शीर्षों के तहत आने वाले विविध उत्पादन प्रकार शामिल हैं और विभिन्न उत्पाद प्रकारों के बीच कीमतों में काफी भिन्नता होती है।
- ठ. संबद्ध देश से निर्यात/आयात कीमत में उल्लेखनीय कीमत भिन्नता है। प्राधिकारी को निम्न कीमतों पर आयातित सौदों पर भी विचार करना चाहिए जो घरेलू बिक्रियों में कटौती कर रही हैं। प्राधिकारी का आकलन औसत कीमत कटौती तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की बिक्रियों पर कम कीमत वाले आयात सौदों के प्रभाव का आकलन करना चाहिए।
- ड. प्राधिकारी को केवल औसत आयात कीमत पर विचार नहीं करना चाहिए क्योंकि पीओआई के दौरान आयात कीमतें लगातार उच्च नहीं रही हैं। आयातों में महत्वपूर्ण कीमत भिन्नता है और कम कीमतों पर आयात सौदों के प्रभाव पर अलग से विचार किये जाने की जरूरत है। कीमत भिन्नता की मौजूदगी प्रासंगिक है क्योंकि बहुत से भारतीय ग्राहक उन कीमतों को उद्धरित करते हैं जिन पर आयातित वस्तुएं देश में प्रवेश कर रही हैं और घरेलू उद्योग से आयातित कीमतों का मिलान करने की मांग करते हैं।

अवधि	रुपए/एमटी				
	चीन जन.गण.	जापान	कोरिया गणराज्य	यूक्रेन	कुल संबद्ध देश
अप्रैल-19	49,664	<b>44,993</b>	53,436	-	50,350
मई-19	43,875	54,334	55,297	-	54,350
जून-19	51,390	46,071	52,156	39,057	49,119
जुलाई-19	45,187	51,916	53,579	35,712	51,401
अगस्त-19	44,753	46,519	52,115	-	49,699
सित.-19	44,470	47,184	51,374	-	49,671
अक्टू.-19	48,269	47,457	55,835	-	53,065
नव.-19	48,338	64,046	57,245	-	56,911
दिसं.-19	52,370	59,105	55,295	-	55,386
जन.-20	51,360	63,305	55,941	-	56,197
फरवरी-20	50,408	62,878	55,278	-	55,303
मार्च-20	53,283	63,387	59,635	-	59,842
अप्रैल-20	51,818	64,989	59,667	-	59,233
मई-20	<b>40,281</b>	47,665	<b>48,033</b>	-	<b>47,145</b>
जून-20	-	<b>68,155</b>	51,128	-	55,573
जुलाई-20	52,012	66,264	59,776	-	59,106
अगस्त-20	<b>70,710</b>	63,875	<b>59,826</b>	-	<b>60,465</b>
सितंबर-20	50,917	62,554	59,417	-	59,394
<b>जोड़</b>	<b>47,128</b>	<b>49,336</b>	<b>54,975</b>	<b>38,076</b>	<b>53,055</b>

- ड. चीन जन.गण. से आयात कीमत मई, 2020 में निम्नतम थी और 40,281/- रुपए थी, जबकि चीन जन.गण. से उच्चतम आयात कीमत अगस्त, 2020 माह में थी जो कि 70,710/-रुपए थी। इसी प्रकार, जापान से निम्नतम आयात कीमत अप्रैल, 2019 में थी और 44,993 रुपए थी जब कि जापान से उच्चतम आयात कीमत जून, 2020 माह में थी जो 68, 155/-रुपए थी। कोरिया गणराज्य से निम्नतम आयात कीमत मई, 2020 माह में थी और 48,033/- रुपए थी जब कि कोरिया गणराज्य से उच्चतम आयात कीमत अगस्त, 2020 माह में थी जो 59,826/-रुपए थी।
- ण. यह देखा जा सकता है कि विभिन्न देशों से आयात कीमतों के बीच महत्वपूर्ण कीमत भिन्नता है। यूक्रेन से औसत सीआईएफ आयात कीमत 38076/-रुपए प्रति मी.टन है जबकि कोरिया गणराज्य से औसत सीआईएफ आयात कीमत 54,975/- रुपए प्रति मी.टन है।
- त. यदि पाटनरोधी शुल्क को जारी नहीं रखा जाता तो कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण की मात्रा में महत्वपूर्ण परिवर्तन आएगा।
- थ. घरेलू उद्योग के उत्पादन, घरेलू बिक्रियों और क्षमता उपयोग में 2018-19 तक सुधार हुआ था और तत्पश्चात पीओआई (वार्षिक) में इस में गिरावट आई।
- द. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2018-19 तक सुधार हुआ था और तत्पश्चात इसमें पीओआई (वार्षिक) में इसमें गिरावट आई। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क सुरक्षा को वापिस ले लिया जाता है तो आगे चलकर यह घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को आगे बढ़ने में अत्यधिक प्रभावित करेगा।
- ध. घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित नकद लाभों ने लाभप्रदता की समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है और 2018-19 तक सुधार होने के पश्चात पीओआई (वार्षिक) के दौरान इसमें महत्वपूर्ण रूप से कमी आई है।
- न. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता आयातित वस्तुओं के समान है। भारतीय मांग को पूरा करने की घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त क्षमता है और इसलिए माल की उपलब्धता एक बाध्यता नहीं है। डिलीवरी समस्या भी लगभग मौजूद नहीं है। बहुत से भारतीय ग्राहकों ने ऐसी कीमतें उद्धरित की हैं जिन पर देश में आयातित वस्तुएं प्रवेश कर रही हैं और घरेलू उद्योग से आयातित कीमतों का मिलान करने के लिए कहा है।
- प. पीओआई के अंतिम छह महीनों अर्थात अप्रैल, 2020 से सितंबर, 2020 तक कोविड-19 महामारी के कारण मांग में गिरावट आई है। यह आशा की जाती है कि एक बार कोविड-19 की स्थिति में सुधार होने पर मांग में भी वृद्धि होगी।
- फ. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधित पद्धतियां, प्रौद्योगिकी मुद्दे, निर्यात निष्पादन मुद्दे, उत्पादकता मुद्दे या कोई अन्य कारण नहीं है जो घरेलू उद्योग द्वारा सामना की जा रही क्षति में योगदान कर सके।
- ब. पीओआई सहित संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान अन्य देशों से आयात निम्न बने रहे हैं।

## ज.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

104. क्षति और कारणात्मक के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- क. क्षति अवधि और जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों के आयातों से कोई क्षति नहीं हुई है। संबद्ध देशों से आयात भारत में कुल मांग का केवल 6 प्रतिशत है। मांग का अधिकतर हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा पूरा किया जाता है।
- ख. क्षति अवधि के दौरान सभी संबद्ध देशों के लिए कीमत कटौती नकारात्मक है।
- ग. घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि और पीओआई के दौरान प्रत्येक वर्ष अपनी क्षमता में वृद्धि की है। क्षमता में 2016-17 के दौरान 97,21000 एमटी से बढ़ कर जांच की अवधि के दौरा



1,01,88,000 एमटी हो गई। विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में भी आधार वर्ष 2016-17 के दौरान 65,82,632 एमटी से बढ़कर वर्ष 2018-19 के दौरान 69,72,770 एमटी से बढ़कर हो गई। पीओआई के दौरान उत्पादन में गिरावट कोविड-19 महामारी के कारण आई। आधार वर्ष के दौरान घरेलू उद्योग केवल 68 प्रतिशत क्षमता उपयोग पर प्रचालन कर रहा था। अनावश्यक क्षमता विस्तार के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में कमी आई है।

- घ. घरेलू बिक्रियों में आधार वर्ष के दौरान 24,01,181 एमटी से बढ़कर वर्ष 2018-19 के दौरान 30,72,860 एमटी हो गई और फिर पीओआई (वार्षिक) के दौरान गिरकर 23,70,465 एमटी हो गई। बिक्रियों में गिरावट का कारण कोविड-19 महामारी है। पीओआई के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में तीव्र गिरावट आई है।
- ड. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में संपूर्ण क्षति अवधि और पीओआई के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि, पिछले वर्ष 2018-19 से इसकी तुलना किए जाने पर, इसमें तीव्र गिरावट आई है। लाभों में गिरावट का कारण आयातों को नहीं माना जा सकता।
- च. क्षति अवधि और पीओआई के दौरान कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आई है। पूरी क्षति अवधि के दौरान प्रति दिन उत्पादकता में वृद्धि हुई है किन्तु पीओआई के दौरान इसमें गिरावट आई है।
- छ. उत्पादन और बिक्रियों के दिनों की संख्या के संबंध में मालसूची में उल्लेखनीय गिरावट आई है।
- ज. नियोजित पूंजी वर्ष 2016-17 में 100 से बढ़कर पीओआई के दौरान 174 हो गई है। किन्तु पीबीआईटी प्रतिशत के रूप में, औसत नियोजित पूंजी आधार वर्ष में 100 से गिरकर पीओआई के दौरान 22 रह गई। कोविड-19 महामारी ने उद्योग को भीषण रूप से प्रभावित किया है।
- झ. याचिका जानबूझ कर बड़ी संख्या में ऐसे महत्वपूर्ण गंभीर मुद्दों को संबोधित करने में विफल रही जिनका संबद्ध देशों के मूल के आयातों से स्वतंत्र रूप से घरेलू उद्योग पर प्रभाव से था।
- ञ. वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों में सप्ताहांत मांग, मंद मूल्य निर्धारण वातावरण, कोरोना वायरस का प्रभाव, प्राप्ति में अनुपातहीन गिरावट, प्रतिकूल स्टॉक मूल्यांकन दर, विपरीत तकनीकी आर्थिक मानदंड जैसे कोयले/अन्य कच्चे माल का विशिष्ट प्रयोग, निम्न सीडीआई दर, विद्युत का अत्यधिक प्रयोग, विदेशी मुद्रा हानि में वृद्धि, उच्च स्टोर एवं स्पेयर्स व्यय, मरम्मत एवं अनुरक्षण, सुरक्षा व्यय, मूल्य ह्रास एवं ब्याज प्रभार आदि शामिल हैं।
- ट. आधार वर्ष की तुलना में पीओआई (वार्षिक) में 17 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है।
- ठ. बिक्री आय में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई (वार्षिक) में 19 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है।

### ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

105. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में व्यवस्था की गई है कि क्षति जांच में ऐसे कारणों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को क्षति की ओर इंगित करते हैं, *"... पाटित आयातों की मात्रा सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव ..."*
106. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय, यह जांच करना अनिवार्य समझा गया कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत के साथ तुलना किए जाने पर पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों के प्रभाव ने अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों में ह्रास किया है या कीमतों में वृद्धि को रोका है, जो अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण सीमा तक घटित हुआ होता। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभावों की जांच के लिए, उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले कारक जैसे उत्पादन, क्षमता

उपयोग, बिक्री मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर नियमावली के अनुबंध-II के अनुसरण में विचार किया गया है।

107. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच के दौरान क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक माने जाने की जांच की जाती है और वर्तमान अंतिम जांच परिणाम में उनका समाधान किया जाता है।
108. इस संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने पाटन और क्षति की संभावना संबंधी पहलुओं की जांच की कार्यवाही आरंभ करने से पूर्व घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई हो, की जांच की है।
109. प्राधिकारी ने क्षति और कारणात्मक संबंध पर घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों को ध्यान में रखा है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों और प्रयोज्य कानूनों पर विचार करते हुए इनका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण स्वयंमेव घरेलू बाजार और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का उल्लेख करता है।
110. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में, प्राधिकारी ने कोविड-19 महामारी के व्यवधान के कारण 18 महीनों की जांच की लंबी अवधि पर विचार किया है।
111. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उसमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:
  - (i) संबद्ध देशों से आयात काफी हैं और क्षति जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से बढ़े हैं।
  - (ii) संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का पाटन जारी है।
  - (iii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है क्योंकि जांच की अवधि के दौरान मात्रा मानकों और कीमत मानकों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट है।
  - (iv) उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से जैसे मात्रात्मक मानदंडों में पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। इसी प्रकार, पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में लाभ और नकद लाभ जैसे कीमत मानदंडों में गिरावट आई है। पूर्व वर्षों की तुलना में जांच की अवधि (ए) में नियोजित पूंजी पर आय में काफी गिरावट आई है।
  - (v) प्राधिकारी द्वारा किए गए एक विस्तृत संभावना विश्लेषण और मूल्यांकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि शुल्क की समाप्ति की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने/बार-बार होने की संभावना है।
  - (vi) प्राधिकारी ने पाटन और क्षति की संभावना की मौजूदगी का निष्कर्ष निकालने के लिए निम्नलिखित कारकों पर विश्वास किया है:
    - विचाराधीन उत्पाद के आयात पर मूल सीमा शुल्क 1 फरवरी, 2021 से 12.5 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया गया है। तदनुसार, चीन जन. गण. और यूक्रेन से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर आयात शुल्क 12.5% से घटाकर 7.5% कर दिया गया है। भारत और इन दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार करार के कारण कोरिया गणराज्य और जापान से संबद्ध सामानों के आयात पर मूल सीमा शुल्क शून्य है।
    - संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के पास विचाराधीन उत्पाद के लिए भारी अधिशेष क्षमताएं उपलब्ध हैं, जैसा कि रिकॉर्ड में उपलब्ध स्वतंत्र रिपोर्टों और संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना से भी सिद्ध है।
    - संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में सूचना की जांच से पता चलता है कि तीसरे देशों को काफी निर्यात पाटित कीमतों पर हैं और घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से कम कीमतों पर हैं।

- कई देशों ने संबद्ध देशों के मूल के कोल्ड रोलड फ्लैट स्टील के आयातों पर व्यापार उपचार उपाय लागू किए हैं और जारी रखे हैं।
- संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में सूचना की जांच से पता चलता है कि तीसरे देशों को काफी निर्यात भारत को निर्यात कीमत से कम कीमतों पर हैं, जो दर्शाता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार अधिक कीमत आकर्षक है।
- वैश्विक इस्पात कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि इस्पात की कीमतें प्रकृति में चक्रीय हैं और वैश्विक इस्पात कीमतों में गिरावट की स्थिति में कम कीमत पर आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

#### क. मांग का आकलन

112. प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से जोड़ के रूप में, भारत में उत्पाद की मांग अथवा प्रकट खपत को निर्धारित किया है।

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)	पीओआई
1	संबद्ध देश	एमटी	3,65,478	4,78,094	6,77,497	4,13,881	6,20,822
2	अन्य देश	एमटी	1,04,136	41,580	41,014	21,616	32,424
3	प्रतिभागी उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	एमटी	24,01,181	28,38,286	30,72,860	23,70,465	35,55,697
	घरेलू बिक्रियां (समर्थक)	एमटी	***	***	***	***	***
		प्रवृत्ति	100	96	95	71	106
	अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***	***
		प्रवृत्ति	100	37	93	92	139
4	कुल मांग	एमटी	79,71,000	63,59,000	85,77,000	71,20,667	1,06,81,000
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	80	108	89	134

113. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में 2018-19 तक वृद्धि हुई थी और तत्पश्चात् पीओआई (वार्षिक) के दौरान इसमें गिरावट आई।

#### ख. पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

##### i. संबद्ध देशों की आयात मात्रा और हिस्सा

114. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव की प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार जांच की गई है:-

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)	पीओआई
1	संबद्ध देश	एमटी	3,65,478	4,78,094	6,77,497	4,13,881	6,20,822
क	चीन जन.गण.	एमटी	55,645	1,29,520	1,42,240	29,811	44,716

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)	पीओआई
ख	जापान	एमटी	68,370	97,363	85,345	89,220	1,33,830
ग	कोरिया गणराज्य	एमटी	2,41,463	2,45,044	4,40,689	2,91,435	4,37,152
घ	यूक्रेन	एमटी	-	6,167	9,223	3,415	5,123
2	के संबंध में संबद्ध देशों के आयात -						
क	घरेलू उद्योग का उत्पादन	%	5.55%	6.92%	9.72%	6.55%	6.55%
ख	खपत	%	4.6%	7.5%	7.9%	5.8%	5.8%
ग	कुल आयात	%	77.8%	92.0%	94.3%	95.0%	95.0%

115. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों की मात्रा, पीओआई (वार्षिक) के अलावा क्षति जांच अवधि के दौरान कुल रूप में बढ़ी है। संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा में भी, पीओआई (वार्षिक) के अलावा क्षति जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, कुल भारतीय खपत और कुल आयातों के संबंध में भी बढ़ी है।

116. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि हालांकि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों की मात्रा में पीओआई (वार्षिक) में गिरावट आई है, वे अभी भी आधार वर्ष के स्तर की तुलना में उच्च हैं। यह भी नोट किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क के प्रवृत्त होने के बावजूद, पाटित आयातों की मात्रा लगातार महत्वपूर्ण बनी हुई है।

#### ग. पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

117. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किए जाने की जरूरत है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों के प्रभाव ने कीमतों में अन्यथा रूप से ह्रास किया है या कीमतों में वृद्धि को रोका है, जो अन्यथा सामान्य अवधि में घटित हुआ होता।

118. तदनुसार, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण, घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कटौती और कीमत ह्रास/न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और निवल बिक्री प्राप्ति की संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत के साथ तुलना की गई है।

#### i. कीमत में कटौती

119. संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना भारत में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ कर, कीमत कटौती को निर्धारित किया गया है।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	निवल बिक्री प्राप्ति	रु./एमटी	***	***	***	***
2	समग्र रूप में संबद्ध देश					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	43,027	47,024	53,654	53,565
ख	कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत कटौती	रेंज	नकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुंच कीमत जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक है। इसीलिए कीमत कटौती नकारात्मक है। यह उल्लेखनीय है कि संदर्भ कीमत के आधार पर लागू पाटनरोधी शुल्क ने आयातों की कीमतों को निम्न कीमतों पर घरेलू बाजार में प्रवेश करने से रोका है।

## II. कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

121. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास/न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या ऐसे आयात के प्रभाव ने महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों में कमी की है या कीमतों में वृद्धि को रोका है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक घटित हुआ होता, प्राधिकारी ने क्षति अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तन नोट किए हैं।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	आयातों की पहुंच कीमत	र./एमटी	43,027	47,024	53,654	53,565
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	125	124
2	प्रति इकाई बिक्रियों की लागत—घरेलू	र./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	125	117
3	प्रति यूनिट बिक्री कीमत – घरेलू	र./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	135	116

122. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की कीमतें 2018-19 तक बढ़ी थी जब आयातों की कीमतें भी बढ़ रही थी। तत्पश्चात, जब जांच की अवधि के दौरान, आयातों की कीमतों में गिरावट आई, तब घरेलू उद्योग की कीमतों में भी गिरावट आई। तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कमी पीओआई के दौरान बिक्रियों की लागत में कमी की तुलना में अधिक थी, यह इंगित करता है कि पिछले वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान इसकी कीमतों में ह्रास और कटौती, दोनों हुई थी।

## घ. घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटरों पर प्रभाव

123. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच शामिल होगी। पाटनरोधी नियमावली में आगे व्यवस्था की गई है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। तदनुसार घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है।

### i. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियां

124. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा पर प्राधिकारी ने विचार किया है।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)
1	क्षमता	एमटी	97,21,000	99,57,000	1,01,88,000	1,01,88,000
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	105	105

2	उत्पादन	एमटी	65,82,632	69,08,893	69,72,770	63,23,096
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	106	96
3	क्षमता उपयोग	%	68%	69%	68%	62.06%
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	100	91
4	घरेलू बिक्रियां	एमटी	24,01,181	28,38,286	30,72,860	23,70,465
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	128	99

125. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग ने मांग में हुई बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता का विस्तार किया है।
- ख. घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2018-19 तक स्थिर रहा है लेकिन मांग में गिरावट होने की वजह से पीओआई (वार्षिक) के दौरान इसमें कमी हुई।
- ग. घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रियों में वर्ष 2018-19 तक बढ़ोतरी हुई परन्तु मांग में गिरावट होने की वजह से पीओआई(वार्षिक) के दौरान इसमें तेजी से गिरावट हुई।

### ii. मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

126. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में नीचे दिए अनुसार जांच की गई है:-

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)
1	संबद्ध देश	%	4.6%	7.5%	7.9%	5.8%
		%- रेंज	0-10	0-10	0-10	0-10
2	अन्य देश	%	1.3%	0.7%	0.5%	0.3%
		%- रेंज	0-5	0-5	0-5	0-5
3	घरेलू उद्योग	%	30.1%	44.6%	35.8%	33.3%
		%- रेंज	25-35	40-50	30-40	30-40

127. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वर्ष 2017-18 तक बढ़ोतरी हुई और उसके बाद वर्ष 2018-19 तथा पीओआई(वार्षिक) के दौरान इसमें गिरावट हुई।

### iii. मालसूची

128. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे दी गई है:-

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि(वार्षिक)
1	औसत मालसूची	एमटी	3,38,341	2,93,348	3,47,851	2,29,370
	प्रवृत्ति	मालसूची	100	87	103	68

129. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की औसत माल सूची में वर्ष 2018-19 में बढ़ोतरी हुई, परन्तु पीओआई (वार्षिक) के दौरान इसमें गिरावट हुई।

**iv. लाभ अथवा हानि, नकद लाभ और निवेश पर लाभ**

130. लाभों, नकद लाभों तथा नियोजित पूंजी पर लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की गई है:-

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)
1	बिक्रियों की लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	125	117
2	बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	135	116
3	लाभ/हानि	करोड़ रु.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	209	31
4	लाभ/हानि	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	163	32
5	नकद लाभ	करोड़ रु.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	238	365	102
6	प्रति यूनिट पीबीआईटी- घरेलू बिक्रियां	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	138	40
7	नियोजित पूंजी पर लाभा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	126	22

131. यह देखा गया है कि वर्ष 2018-19 तक घरेलू उद्योग अच्छा लाभ कमा रहा था। लेकिन घरेलू उद्योग के लाभों में पीओआई (वार्षिक) के दौरान तेजी से गिरावट हुई। परिणामस्वरूप, नकद लाभों एवं निवेश पर लाभ भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए हैं।

**v. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता**

132. रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता के बारे में घरेलू उद्योग की स्थिति की जांच की गई थी।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)
1	कर्मचारियों की संख्या	संख्या	27,934	26,466	25,993	25,533
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	93	91
2	प्रति दिन उत्पादकता	एमटी/दिन/कर्मचारी	0.65	0.72	0.73	0.68
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	112	105
3	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी/संख्या	235.65	261.05	268.25	247.65
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	114	105

133. यह देखा गया है कि प्रति कर्मचारी और प्रतिदिन उत्पादकता में वर्ष 2018-19 तक बढ़ोतरी हुई, परन्तु उत्पादन में गिरावट होने के कारण पीओआई के दौरान इसमें गिरावट हुई।

**vi. वृद्धि**

134. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के वृद्धि संबंधी मापदंडों की नीचे दर्शाए अनुसार जांच की गई है:-

क्र.सं.	विवरण	2017-18	2018-19	पीओआई (वार्षिक)
1	उत्पादन	5%	1%	-9%
2	घरेलू बिक्रियां	18%	8%	-23%
3	प्रति यूनिट लाभ/(हानि)	6%	54%	-81%
4	लाभ/(हानि)	25%	67%	-85%
5	नकद लाभ	138%	53%	-72%
6	पीबीआईटी	6%	29%	-71%
7	आरओआई %	1.60%	1.78%	-13.30%

135. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की मात्रा एवं कीमत संबंधी मापदंडों ने वर्ष 2018-19 तक सकारात्मक वृद्धि दर्शायी, परन्तु पीओआई (वार्षिक) के दौरान इनमें गिरावट देखी गई।

**vii. पाटन की मात्रा**

136. यह देखा जा सकता है कि पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है, बल्कि सभी संबद्ध देशों के लिए भी पर्याप्त है।

**viii. नई पूंजी जुटाने का सामर्थ्य:**

137. घरेलू उद्योग में वे कम्पनियां शामिल होती हैं जो बहु-उत्पाद कम्पनियां हैं। यह कम्पनियां क्षति अवधि के दौरान बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं। अतएव, नई पूंजी जुटाने के लिए उनकी सामर्थ्य सम्पूर्ण रहती है।

**झ. कारणात्मक संबंध**

138. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा, अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों के अलावा ऐसे किन्हीं ज्ञात कारकों की जांच करनी होती है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं अथवा जिनसे क्षति होने की संभावना होती है, ताकि इन अन्य कारकों की वजह से हुई क्षति को पाटित आयातों के लिए उत्तरदायी न ठहराया जा सके। जबकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच होती है और मूल जांच में कारणात्मक संबंध के बारे में पहले से ही जांच कर ली गई है, इसलिए प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या अन्य ज्ञात सूचीबद्ध कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है अथवा क्षति होने की संभावना है। यह जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के तहत सूचीबद्ध अन्य कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी अथवा क्षति होने की संभावना है।

**i. तीसरे देश से आयातों की मात्रा और कीमत**

139. तीसरे देशों से आयात कम हुए हैं और बहुत सार्थक नहीं हैं।

**ii. मांग में कमी और/ अथवा खपत के पैटर्न में बदलाव**

140. कोविड-19 महामारी की वजह से पीओआई के दौरान स्पष्ट तौर पर मांग में गिरावट हुई है। यह संभावना है कि कोविड-19 की स्थिति में सुधार हो जाने पर मांग में बढ़ोतरी होगी।

**iii. प्रौद्योगिकी का विकास**

141. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पाद का उत्पादन करने की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इसलिए, प्रौद्योगिकी में हुए विकासों से क्षति होने का कोई संभव कारण नहीं है।



**iv. व्यापार प्रतिबंध कार्य:**

142. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि व्यापार संबंधी ऐसे कोई प्रतिबंध कार्य नहीं हैं, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

**v. निर्यात निष्पादन**

143. यह देखा गया है कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग के निर्यातों में बड़ोतरी हुई है। किसी मामले में प्राधिकारी ने घरेलू प्रचालनों के के आंकड़ों के बारे में ही विचार किया है। इसलिए, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एवं बिक्री किए गए अन्य उत्पादों के निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति होने का संभव कारण नहीं है।

**vi. अन्य उत्पादों का निष्पादन**

144. प्राधिकारी ने केवल संबद्ध वस्तुओं के निष्पादन से संबंधित आंकड़ों पर विचार किया है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एवं बिक्री किए गए अन्य उत्पादों के निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति के संभावित कारक नहीं हैं।

**घ. क्षति मार्जिन की मात्रा:**

145. प्राधिकारी ने यथा संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित किए गए सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी का घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए तथा जांच अवधि के कार्यरत लेखाकार द्वारा विधिवत प्रमाणित किए गए उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों/सूचना को स्वीकार करके निर्धारण किया गया है। क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए संबद्ध देशों के पहुंच मूल्य के साथ एनआईपी की तुलना की गई है। प्राधिकारी ने पीसीएन स्तर पर पहुंच मूल्य और एनआईपी की तुलना करके प्रत्येक पीसीएन के लिए क्षति मार्जिन का पहले निर्धारण किया है। उसके बाद, विचाराधीन उत्पाद के लिए समग्र रूप से भारित औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण किया गया है। जब कभी घरेलू उद्योग द्वारा सटीक अनुरूप पीसीएन की कोई बिक्रियां न हो, तब संबद्ध देश से आयतों के पहुंच मूल्य की निकट रूप से सदृश्य पीसीएन के एनआई के साथ तुलना की गई थी।
146. एनआईपी का निर्धारण करने के लिए क्षति अवधि के दौरान कच्चे माल और यूटीलिटीज के सर्वोत्तम उपयोग करने के बारे में विचार किया गया है। क्षति अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग के बारे में विचार किया गया है। उत्पादन की लागत से असाधारण अथवा अनावर्ती खर्चों को निकाल दिया गया है। नियमावली के अनुबंध-III में यथा निर्धारित और अपनायी जा रही एनआईपी को प्राप्त करने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी (अर्थात् औसल चल-पूंजी जोड़कर औसत निवल स्थायी परिसम्पत्तियों) पर उचित लाभ (22 प्रतिशत की दर से) की अनुमति दी गई थी।
147. पहुंच मूल्य और यथा उपरोक्त निर्धारित एनआईपी के आधार पर प्राधिकारी द्वारा उत्पादकों/निर्यातकों के यथा निर्धारित क्षति मार्जिन का ब्यौरा नीचे तालिका में उपलब्ध है:

देश	उत्पादक/निर्यातक	एनआईपी (यूएसडॉ./ एमटी)	पहुंच कीमत (यूएसडॉ./ एमटी)	क्षति मार्जिन (यूएसडॉ./ एमटी)	क्षति मार्जिन %	रेंज
जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	***	***	***	***	(30)-(40)
जापान	निप्पन स्टील कारपोरेशन	***	***	***	***	(10)-0
जापान	अन्य सभी	***	***	***	***	(10)-0
कोरिण गणराज्य	पोस्को	***	***	***	***	(10)-0
कोरिण गणराज्य	डोंगकु इंडस्ट्रीज कं. लि.	***	***	***	***	(45)-(55)

कोरिण गणराज्य	हुंडई स्टील कंपनी कोरिया	***	***	***	***	(10)-(20)
कोरिण गणराज्य	अन्य सभी	***	***	***	***	10-20
चीन जन.गण.	अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	(20)-(30)
यूक्रेन	अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	(10)-0

## ट. पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना

### ट.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

148. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. भारत ने जापान और कोरिया गणराज्य के साथ एफटीए किया है और विचाराधीन उत्पाद के आयात पर बुनियादी सीमा शुल्क (बीसीडी) शून्य है। अतः घरेलू उद्योग के लिए उपलब्ध सहारा केवल पाटनरोधी शुल्क ही है।
- ख. दिनांक 1 फरवरी, 2021 से 12.5 प्रतिशत बीसीडी को घटाकर 7.5 प्रतिशत कर देने से चीन जन.गण. और यूक्रेन से भारत के लिए विचाराधीन उत्पाद के आयातों में बढ़ोतरी होगी।
- ग. कनाडा, ईयू, मलेशिया, अमरीका, ताइवान आदि जैसे देशों ने संबद्ध देशों से मूल के कोल्ड रोल्ड स्टील के आयातों पर व्यापार संबंधी उपचारात्मक उपाय लगाए अथवा जारी रखे हैं। इन देशों में इस समय लागू शुल्क दर भी ज्ञात है और यह देखा जा सकता है कि अलग-अलग किस्मों के व्यापार संबंधी उपायों एवं अन्य टैरिफ उपायों के माध्यम से लागू शुल्क दर पर्याप्त है।

### चीन जन.गण.

देश	उपायों का स्वरूप	शुल्क की दर
कनाडा	एडी और सीवीडी	निर्यातों का 91.1% (एडी) 506 आरएमबी प्रति मीट्रिक टन (सीवीडी)
मलेशिया	एडी	26.38% (1300 एमएमसे अधिक) 5.61 – 23.78% (1300 एमएम से कम)
ताइवान	एडी और सीवीडी	36.77% (एडी) 51.10% (सीवीडी)
ईयू	रक्षोपाय	25%
यूएस	भाग 232 और भाग 301-एडी और सीवीडी	265.79% (एडी) 256.44% (सीवीडी) 25% (एस. 232) 25% (एस.301)

**कोरिया गणराज्य**

देश	उपायों का स्वरूप	शुल्क दर
कनाडा	एडी और सीवीडी	एडी-53% सीवीडी – 86.733 केआरडब्ल्यू/प्रति मैट्रिक टन
मलेशिया	एडी	एडी-8.32 से 21.64% एडी-0 से 3.84% (1300 एमएम से अधिक)
ईयू	रक्षोपाय	25%
यूएस	एडी और सीवीडी धारा 232 के अधीन वार्षिक निर्बाध कोटा – व्यापार विस्तार अधिनियम जिसके उल्लंघन से अतिरिक्त टैरिफ नहीं हो सका	एडी-0 से 3.91% सीवीडी-0.51% से 9.18%

**जापान**

देश	उपायों का स्वरूप	शुल्क दर
मलेशिया	एडी (1300 एमएम से अधिक)	26.39%
यूएस	एडी भाग 232 के अधीन अतिरिक्त टैरिफ – व्यापार विस्तार अधिनियम	एडी: 71.35%
ईयू	रक्षोपाय	25%

**यूक्रेन**

देश	उपायों का स्वरूप	शुल्क दर
ईयू	रक्षोपाय	25%

- घ. ईयू, कनाडा, अमरीका, आस्ट्रेलिया, थाइलैण्ड और इंडोनेशिया जैसी बृहद न्याय व्यवस्थाओं ने संबद्ध देशों से निर्यात की गई हॉट रोलड स्टील, स्टील बार्स, स्टेनलेस स्टील, स्टील पाइपों और ट्यूबों, एल्युमीनियम एवं ज़िंक कोटेड स्टील, लौह और इस्पात फास्तरों, स्टील विंड टावरों आदि जैसे कई अन्य इस्पात उत्पादों पर व्यापार संबंधी उपचारात्मक उपाय भी लगाए हैं। इन देशों से इस्पात के उत्पादों के निर्यात पर व्यापार संबंधी कम से कम 30 उपचारात्मक उपाय लागू हैं। यह इस बात को दर्शाता है कि संबद्ध देश निर्यातोन्मुखी हैं तथा विभिन्न निर्यात बाजारों में इस्पात के उत्पादों के पाटन में लगे हुए हैं।
- ड. अमरीका, थाइलैण्ड, आस्ट्रेलिया और ई.यू. संबद्ध देशों से आयात किए विचाराधीन उत्पाद सहित इस्पात के कई उत्पादों पर व्यापार संबंधी उपचार जांच कार्य भी कर रहे हैं।
- च. संबद्ध देश इस्पात उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादन करने/निर्यात करने वाले देश हैं। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन रिपोर्ट, चीन जन.गण. के अनुसार, चीन जन.गण. के पास इस्पात बनाने की सबसे अधिक क्षमता है और इस्पात का सबसे बड़ा निर्यातक है। चीन के बाद जापान इस्पात का दूसरा बड़ा निर्यातक है और कोरिया गणराज्य इस्पात उत्पादों का तीसरा बड़ा निर्यातक है।
- छ. संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की क्षमता कुल घरेलू मांग और संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन से अधिक है। चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं की क्षमता के संबंध में सूचना कोर रिपोर्ट 2019 से प्राप्त कर ली गई है। चीन जन.गण. में उत्पादन और मांग के संबंध में सूचना वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन और

इन्टरनेशनल स्टील स्टैटिस्टिक ब्यूरो (आईएसएसबी) से प्राप्त कर ली गई है। कोरिया गणराज्य, जापान से क्षमता, मांग और उत्पादन के संबंध में सूचना वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन और इन्टरनेशनल स्टील स्टैटिस्टिक ब्यूरो (आईएसएसबी) से प्राप्त कर ली गई है।

पीओआई (अप्रैल 2019 से सितंबर 2020)	उत्पाद	इकाई	कुल क्षमता	कुल उत्पादन	घरेलू मांग	उत्पादन से अधिक क्षमता
चीन जन.गण.	कोल्ड रोलड काँयल और शीट	मिलियन टन	***	***	***	***
		रेंज	180-200	180-200	180-200	2-7
जापान	कोल्ड रोलड काँयल और शीट	मिलियन टन	***	***	***	***
		रेंज	20-40	20-40	20-40	5-10
कोरिया गणराज्य	कोल्ड रोलड काँयल और शीट	मिलियन टन	***	***	***	***
		रेंज	30-50	30-50	20-40	5-10

ज. भारत में वर्ष 2021 में वर्ष 2021 में इस्पात उत्पादों की मांग में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। विश्व में एशिया ही ऐसा क्षेत्र है जो इस्पात के उत्पादों की मांग में बढ़ोतरी होने का अनुभव कर रहा है। एशिया में भारत और चीन जन.गण. दो ऐसे देश हैं जो इस्पात उत्पादों की मांग में बढ़ोतरी को दिखा रहे हैं। जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन में इस्पात उत्पादों की मांग स्थिर बनी हुई है।

#### तैयार इस्पात उत्पाद – मांग

संबद्ध देश	इकाई	2015	2016	2017	2018	2019
जापान	मिलियन टन	63.0	62.2	64.4	65.4	63.2
कोरिया गणराज्य		55.8	57.1	56.3	53.7	53.2
यूक्रेन		3.3	4.2	4.6	4.7	4.8
चीन जन.गण.		672.3	681.0	773.8	836.1	907.5
भारत		80.2	83.6	88.7	96.7	101.5

स्रोत : वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन रिपोर्ट, 2020

झ. शेष विश्व में भी इस्पात उत्पादों की मांग स्थिर रही है। जब यदि पाटनरोधी शुल्क निरस्त कर दिया जाता है, तो संबद्ध देशों से इस्पात के सबसे बड़े उत्पादक और निर्यातक उस स्थिति में जोरदार ढंग से भारतीय बाजार को लक्षित करेंगे।

मिलियन टन- तैयार इस्पात उत्पाद					
क्षेत्र	2015	2016	2017	2018	2019
यूरोपीय संघ	154.3	158.1	164	168	158.7
अन्य यूरोप	40.1	40.6	42.4	37.4	33.9

सीआईएस	52.4	51.1	54.4	55.7	58.8
नाफ्टा	133.9	130.7	138.3	140.6	135
केन्द्रीय और दक्षिण अमेरिका	46.1	40.2	42.3	44	42.3
अफ्रीका	38.7	37.6	34.6	36.3	36.4
मिडिल ईस्ट	53.8	53.1	53.2	49.8	48.7
एशिया	979	1001.6	1097.8	1170.1	1247.1
विश्व	1505.8	1520	1633.4	1708.4	1767.5

- ज. संबद्ध देशों में उत्पाद/निर्यातक निर्यातोन्मुख होते हैं तथा उनके उत्पादन के एक बड़ा भाग निर्यात बाजारों के लिए लक्षित होता है।
- ट. चीन जन.गण. से संबद्ध उत्पाद की भारत के लिए निर्यात कीमत क्षति जांच अवधि के दौरान बढ़ी है, लेकिन चीन जन.गण. से अन्य देशों के लिए निर्यात कीमत में गिरावट आयी है। चीन जन.गण. से भारत के लिए संबद्ध उत्पाद की निर्यात कीमत पीओआई के दौरान चीन जन.गण. से तृतीय देशों के लिए संबद्ध उत्पाद की निर्यात कीमत से अधिक है।

कोल्ड रोल्ड इस्पात उत्पाद	इकाई	2018	2019	2020
एफओबी निर्यात कीमत (विश्व)	यूएसडॉ./एमटी	604	529	544

स्रोत: एफओबी शंघाई कीमतें, स्टील बिजनेस ब्रीफिंग

कोल्ड रोल्ड इस्पात उत्पाद	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
भारत में आयात कीमत (सीआईएफ)	यूएसडॉ./एमटी	466	522	645	654

स्रोत: डीजीसीआईएंडएस आंकड़े

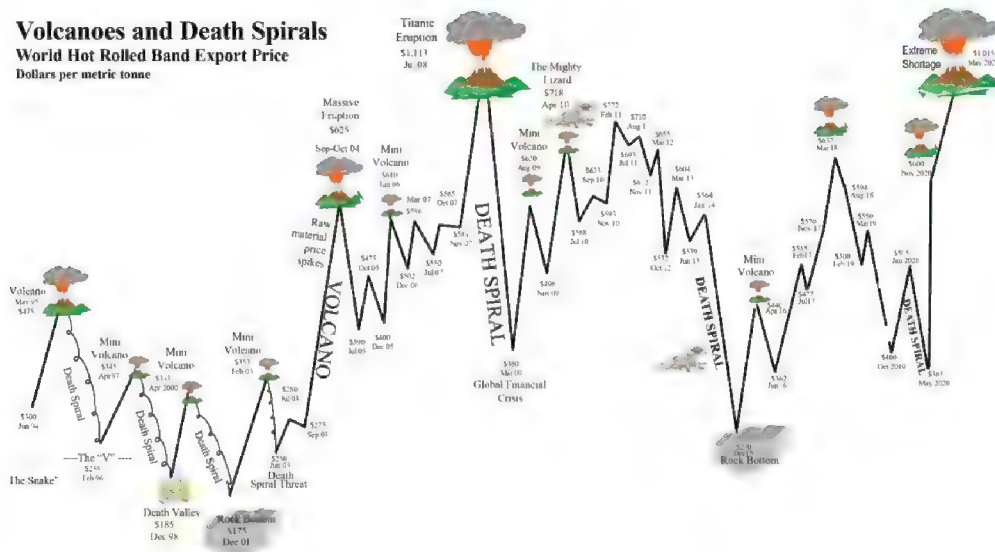
- ठ. वर्ष 2019 में कोल्ड रोल्ड इस्पात उत्पादों की भारत के लिए निर्यात कीमत कोरिया गणराज्य से अन्य देशों की निर्यात कीमत से अधिक होती है। यदि संदर्भ कीमत के संदर्भ में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क बन्द कर दिया जाता है, तो यह स्पष्ट संभावना होती है कि कोरिया गणराज्य से भारत के लिए निर्यातों की मात्रा में काफी बढ़ोतरी होगी।

कोल्ड रोल्ड इस्पात	इकाई	2019
कोरिया गणराज्य से भारत के लिए निर्यात कीमत	यूएसडॉ./एमटी	759
कोरिया गणराज्य से अन्य देशों के लिए निर्यात कीमत	यूएसडॉ./एमटी	617

स्रोत: ट्रेड मैप

- ड. जापान और कोरिया गणराज्य से बड़ी संख्या के उत्पादों/निर्यातकों की भागीदारी इस बात का संकेत देती है कि कोरिया जन.गण. और जापान के उत्पादक/निर्यातक भारतीय बाजार को लक्षित कर रहे हैं और यदि संबद्ध उत्पाद के आयात से पाटनरोधी शुल्क हटा दिया जाता है, तो उनके निर्यातों में बढ़ोतरी होगी।
- ढ. पोस्को, कोरिया गणराज्य द्वारा दायर किया गया प्रश्नावली प्रत्युत्तर यह दर्शाता है कि (i) इसके पास पीओआई के दौरान अधिशेष क्षमता है और (ii) इसने पीओआई के दौरान भारत के लिए हानियां उठाकर निर्यात किया।

- ण. जेएफई स्टील कारपोरेशन, जापान द्वारा प्रश्नावली प्रत्युत्तर यह दर्शाता है कि (i) इसके पास पीओआई के दौरान अधिशेष क्षमता है और (ii) इसके द्वारा वर्ष 2017-18 से भारत के लिए अपने निर्यातों में हानियां उठाना जारी रखा है।
- त. निप्पन स्टील कारपोरेशन, जापान द्वारा प्रश्नावली प्रत्युत्तर यह दर्शाता है कि (i) इसके पास पीओआई के दौरान अधिशेष क्षमता है और (ii) निप्पन स्टील कारपोरेशन द्वारा क्षति जांच के दौरान हानियां उठाना जारी है तथा (iii) इसने क्षति जांच अवधि के दौरान भारत के लिए अपने निर्यातों में 10 गुना बढ़ोतरी की है।
- थ. वैश्विक स्तर पर कच्चे इस्पात की क्षमता में बढ़ोतरी हुई है, यद्यपि एशिया और महासमुद्रीय क्षेत्र को छोड़कर कच्चे इस्पात की मांग स्थिर रही है। एशिया में क्षमता की बढ़ोतरी होना चीन जन.गण. में क्षमता में बढ़ोतरी होने का मुख्य रूप से सूचक है। यह निर्बाध रूप से इस्पात बनाने की सबसे अधिक क्षमता वाला क्षेत्र भी है।
- द. वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन रिपोर्ट में यह नोट किया है कि वर्ष 2019 में जब कच्चे इस्पात का कुल उत्पादन 1,869 मिलियन मीट्रिक टन तक बढ़ गया, तब कच्चे इस्पात के इस कुल उत्पादन में चीन जन.गण. का हिस्सा 53.3 प्रतिशत तक बढ़ गया। तथापि, वर्ष 2019 में कच्चे इस्पात की कुल खपत में चीन जन.गण. का हिस्सा बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया। चीन जन.गण. में वर्ष 2020 में मंदी नहीं आयी है और अधिशेष क्षमता रखना जारी है।
- ध. प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण. से सीमलेश पाइप और ट्यूबों तथा चीन जन.गण. एवं इंडोनेशिया से विस्कोस स्टेपल फाइबर के मामले में हाल ही की निर्णायक समीक्षा जांच सहित बहुत-सी निर्णायक समीक्षा जांचों में पीओआई के बाद के आंकड़ों की जांच नहीं की गई है। वर्तमान जांच में पीओआई के बाद के आंकड़ों की जांच करना अपेक्षित नहीं है क्योंकि पीओआई के रूप में 18 महीनों की एक लम्बी अवधि को स्वीकार किया है तथा भविष्य में पाटन और क्षति की संभावना का उचित सूचक उपलब्ध कराने के लिए पीओआई का मूल्यांकन करना पर्याप्त होगा।
- न. पीओआई के दौरान कोल्ड रोल्ड इस्पात की ऊंची आयात कीमतें घरेलू उद्योग के लिए क्षति की संभावना का निर्धारण करने के लिए अविश्वसनीय हैं। हॉट रोल्ड/कोल्ड रोल्ड इस्पात की कीमतों में ऐतिहासिक प्रवृत्ति ने यह दर्शाया है कि इस्पात की कीमतें चक्रीय होती हैं।



Source: World Steel Dynamics – Key Developments 2020

स्रोत: वर्ल्ड स्टील डायनामिक्स – की डेवलपमेंट 2020

- प. वर्ष 2008 में हॉट रोलड/कोल्ड रोलड इस्पात की कीमतें ऊंची थी और वर्तमान में यह स्थिति है। वर्ष 2009 में, कीमतों में अचानक गिरावट आयी थी और कीमतें लगभग 65 प्रतिशत तक कम हो गईं। इस्पात की कीमतों में दुबारा कमी हुई और वर्ष 2014 में अपने सबसे कम स्तर तक पहुंच गईं। वर्ष 2014 की तुलना में इस अवधि के दौरान कीमतें लगभग 52 प्रतिशत तक धराशाही हो गईं। अतएव, कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि कीमतों में गिरावट उसे 4 तिमाहियों के भीतर अचानक हुई तथा उस समय पर व्यापार संबंधी उपचार उपायों के बारे में प्रतिक्रिया और पूछताछ करने का समय नहीं है। वर्ष 2015 में इस्पात की कीमतें धराशाही हुई थी, तब कई इस्पात कम्पनियां दिवालिया हो गई थीं तथा परिसमापन संबंधी कार्रवाईयां शुरू की गईं।
- फ. उदाहरण के लिए, निम्नलिखित कम कीमतों के बारे में जबरदस्त कार्रवाई करने में असमर्थ है:-
- भूषण पावर एंड स्टील लि.
  - इस्सर स्टील इंडिया लि.
  - मोन्नेट इस्पात एंड एनर्जी लि.
  - भूषण स्टील लि.
  - इलैक्ट्रोस्टील स्टील्स लि.
- ब. एशियन कलर कोटेड इस्पात लि. जैसे छोटे-छोटे बहुत से उद्योगों को भी हानि हुई है और इस वजह से बन्द कर दिए गए हैं। वर्ष 2016/2017 में इस्पात कम्पनियों के विरुद्ध दिवालियापन होने संबंधी कार्यवाहियों की व्यापक तौर पर सूचना प्राप्त हुई थी। इस्सर स्टील और एबीजी शिपयार्ड जैसे बड़े-बड़े लेखों को प्रमुख बैंकों द्वारा भी निष्पादन न करने वाली परिसम्पत्तियों के रूप में माना गया था। ऊषा मार्टिन लि. का भी ऐसे की कारणों की वजह से अधिग्रहण किया गया है। इस्पात उद्योगों के लिए अधिक प्रदर्शन करने वाले बैंकों की निष्पादन न करने वाली परिसम्पत्तियों में वृद्धि करने के लिए अधिक संवेदनशील होने के रूप में पहचान की गई थी।
- भ. कच्चे माल की ऊंची कीमतों और कम आपूर्ति की वजह से इस्पात की कीमतें वैश्विक स्तर पर फिलहाल अधिक हैं, लेकिन वे भावी प्रवृत्तियों की द्योतक नहीं हैं। इस्पात की कीमतों की चक्रीय प्रवृत्ति के रहते यह उम्मीद की जाती है कि आगामी तिमाहियों में कीमतों गिरावट आ जाएगी।
- म. कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि कीमतों में गिरावट 3 से 4 तिमाहियों के भीतर अचानक हुई तथा उस समय पर व्यापार संबंधी उपचार उपायों के बारे में प्रतिक्रिया और पूछताछ करने का समय नहीं है। वर्ष 2015 में इस्पात की कीमतें धराशाही हुई थी, तब कई इस्पात कम्पनियां दिवालिया हो गई थीं तथा परिसमापन संबंधी कार्रवाईयां शुरू की गईं।

## ट.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

149. जांच की अवधि के दौरान अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. याचिका विधिवत् प्रमाणित नहीं है और जांच शुरुआत पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 द्वारा निर्धारित की गई अवसीमा को पूरा करने में असफल है।
- ख. निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करने के बाद याचिकाकर्ता पीओआई के बाद के आंकड़े उपलब्ध कराने में असफल रहा है। क्षति की संभावना का निर्धारण पीओआई के बाद के आंकड़ों की जांच करने के बाद करना चाहिए।
- ग. यह सिद्ध करने के लिए याचिकाकर्ता ने सटीक अथवा पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं कराए हैं कि शुल्क बन्द करने से संबद्ध आयातों के कारण पाटन अथवा क्षति जारी रहेगी अथवा पुनरावृत्ति होगी।
- घ. भारत-जापान सीईपीए के तहत बुनियादी सीमा शुल्क में कमी केवल दर्शाती है कि जापान से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा पाटन की संभावना नहीं है क्योंकि बुनियादी सीमा-शुल्क में ऐसी कमी होने के बावजूद जापान से आयातों की मात्रा में कोई बड़ोतरी नहीं हुई है। जापान से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमत संदर्भ कीमत से अधिक रही है और क्षति जांच अवधि के दौरान इसने कोई कोई कमी नहीं की है।

- ड. अन्य न्याय-व्यवस्थाओं में व्यापार संबंधी उपचार उपायों का हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा की गई बिक्रियों और निर्यातों के पैटर्न पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं होता है। व्यापार संबंधी उपचार उपायों के होने के बावजूद भारत के लिए निर्यातों में बढ़ोतरी नहीं हुई थी।
- च. कोल्ड रोल्ड स्टील उत्पादों के बारे में अमरीका द्वारा की गई प्रशासनिक समीक्षा में हार्ड स्टील, पोस्को जैसे उत्पादकों/निर्यातकों को 0 प्रतिशत पाटनरोधी शुल्क के अधधीन रखा गया है।
- छ. संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के पास अधिक क्षमताएं नहीं हैं।
- ज. जापान से आयात कीमत भारत में घरेलू विक्रय मूल्य से अधिक है।
- झ. संबद्ध देशों से कुल आयात भारत में कुल मांग का केवल 6 प्रतिशत है। यह देखा जा सकता है कि पीओआई के दौरान मांग में कमी आयी है।
- ञ. मांग के बड़े भाग का केवल घरेलू उद्योग द्वारा उपयोग किया है।

### ट.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

150. वर्तमान जांच चीन जन.गण., जापान, कोरिया जन.गण. और यूक्रेन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है। नियमावली के तहत, प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारित करना होता है कि क्या मौजूदा शुल्क की समामि से घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
151. ऐसा संभावित विश्लेषण करने के लिए कोई विशिष्ट पद्धति उपलब्ध नहीं है। तथापि, नियमावली के अनुबंध-II के खण्ड (vii) में अन्य बातों के साथ-साथ उन कारकों के बारे में प्रावधान है जो क्षति की चेतावनी देने के लिए प्रासंगिक हैं तथा उन्हीं कारकों का निर्णायक समीक्षा में संभावित विश्लेषण करने के लिए भी उपयोग किया जा सकता है।
- क) पर्याप्त मात्रा में बढ़े हुए आयात की संभावना को इंगित करते हुए भारत में पाटित आयातों को बढ़ने की सार्थक दर।
- ख) किसी अतिरिक्त निर्यातों को समाहित कर लेने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजारों में पर्याप्त मात्रा में बढ़े पाटित निर्यातों की संभावना को इंगित कर निर्यातक की क्षमता में स्वतंत्र रूप से यथेष्ट प्रयोज्य अथवा सन्निकट सार्थक बढ़ोतरी।
- ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हैं जिनका घरेलू कीमतों पर पर्याप्त दबाव अथवा प्रतिबंध होगा तथा जिनसे आगे आयातों के लिए मांग में बढ़ोतरी होने की संभावना है।
- घ) जांच की जारी वस्तुओं की माल-सूचियां।
152. इसके अलावा, प्राधिकारी ने ऐसे अन्य प्रासंगिक कारकों की भी जांच की है, जो पाटन अथवा घरेलू उद्योग के परिणामी क्षति जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना को प्रभावित कर सकते हैं।
153. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से भाग ले रहे उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों तथा संभावित विश्लेषण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना पर भी भरोसा किया है।

#### ट.3.1 पर्याप्त मात्रा में जारी आयात

154. क्षति जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा नीचे दिए अनुसार है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई(वार्षिक)
संबद्ध देश	एमटी	3,65,478	4,78,094	6,77,497	4,13,881
चीन जन.गण.	एमटी	55,645	1,29,520	1,42,240	29,811
जापान	एमटी	68,370	97,363	85,345	89,220
कोरिया गणराज्य	एमटी	2,41,463	2,45,044	4,40,689	2,91,435
यूक्रेन	एमटी	-	6,167	9,223	3,415



155. यह देखा गया है कि पीओआई (वार्षिक) को छोड़कर क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों की मात्रा में निर्बाध रूप से बढ़ोतरी हुई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पीओआई(वार्षिक) के दौरान आयातों में गिरावट होने के लिए पीओआई (वार्षिक) के दौरान मतांग में गिरावट होना उत्तरदायी है।
156. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यद्यपि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों की मात्रा में पीओआई (वार्षिक) के दौरान गिरावट हुई है, परन्तु वे आधार वर्ष स्तर से अभी अधिक हैं। पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद पाटित आयातों की मात्रा काफी अधिक बनी हुई है।

### ट.3.2 चीन जन.गण. में अधिशेष क्षमताएं:

157. यह नोट किया है कि चीन जन.गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने संबद्ध निर्णायक समीक्षा में भाग नहीं लिया है। अतएव, चीन जन.गण. से उत्पादकों/निर्यातकों के प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर प्राधिकारी के पास कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।
158. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के कोल्ड रोलड फ्लैट इस्पात उत्पादों की अधिशेष क्षमता का निर्धारण करने के लिए कोर रिपोर्ट 2019, वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन और दि इन्टरनेशनल स्टील स्टेटिस्टिक्स ब्यूरो से प्राप्त हुई निम्नलिखित सूचना पर भरोसा किया है:-

संबद्ध वस्तुएं	इकाई	पीओआई
क्षमता	मिलियन टन	***
	रेंज	180-200
उत्पादन	मिलियन टन	***
	रेंज	180-200
अधिशेष क्षमता	मिलियन टन	***
अधिशेष क्षमता रेंज	मिलियन टन	2-7

159. यह नोट किया गया है कि चीन जन.गण. में अधिशेष क्षमता उपलब्ध है। इसके अलावा, ऐसे कोई तत्व नहीं पाए गए थे जो यह इंगित कर सकें कि चीन जन.गण. में अथवा अन्य तीसरे देश के बाजारों में घरेलू मांग उपलब्ध अधिशेष क्षमता को समाहित कर सकती है।

### ट.3.3 जापान में अधिशेष क्षमता

160. प्राधिकारी ने जापान में अधिशेष क्षमता का निर्धारण करने के लिए वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन तथा दि इन्टरनेशनल स्टील किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने संबद्ध निर्णायक समीक्षा में भाग नहीं लिया है।

संबद्ध वस्तु	इकाई	पीओआई
क्षमता	मिलियन टन	***
	रेंज	20-40
उत्पादन	मिलियन टन	***
	रेंज	20-40
अधिशेष क्षमता	मिलियन टन	***
अधिशेष क्षमता रेंज	मिलियन टन	5-10

161. यह नोट किया गया है कि जापान में अधिशेष क्षमता उपलब्ध है। इसके अलावा, जापान में घरेलू मांग में कोई बढ़ोतरी नहीं है। यह दर्शाने के कोई प्रमाण नहीं हैं कि घरेलू मांग अथवा अन्य तीसरे देश के बाजार उपलब्ध अधिशेष क्षमता को समायोजित कर सकते हैं।

#### ट.3.4 कोरिया गणराज्य में अधिशेष क्षमता

162. प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य में अधिशेष क्षमता का निर्धारण करने के लिए वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन तथा दि इंटरनेशनल स्टील स्टैटिस्टिक्स ब्यूरो निम्नलिखित सूचना को संज्ञान में लिया है:

संबद्ध वस्तु	इकाई	पीओआई
क्षमता	मिलियन टन	***
	रेंज	30-50
उत्पादन	मिलियन टन	***
	रेंज	30-50
अतिरिक्त क्षमता	मिलियन टन	***
अतिरिक्त क्षमता रेंज	मिलियन टन	5-10

163. यह नोट किया गया है कि कोरिया गणराज्य में अधिशेष क्षमता उपलब्ध है। इसके अलावा, कोरिया गणराज्य में घरेलू मांग में कोई बढ़ोतरी नहीं है। यह दर्शाने के लिए कोई प्रमाण नहीं है कि घरेलू उद्योग मांग अथवा अन्य तीसरे देश के बाजार उपलब्ध अधिशेष क्षमता को समाजित कर सकते हैं।

#### ट.3.5 यूक्रेन में अधिशेष क्षमता

164. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यूक्रेन से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने संबद्ध निर्णायक समीक्षा में भाग नहीं लिया है। अतएव, चीन जन.गण. से उत्पादकों/निर्यातकों के प्रभावली प्रत्युत्तर के आधार पर प्राधिकारी के पास कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।
165. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यूक्रेन में संबद्ध वस्तुओं की क्षमता एवं उत्पादन के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।

#### ट.3.6 प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों के पास अधिशेष क्षमताएं

166. प्राधिकारी ने प्रतिभागी प्रत्येक उत्पादक/निर्यातक के पास विचाराधीन उत्पादन के लिए उपलब्ध अधिशेष क्षमताओं की पहचान करने के लिए संबद्ध देशों से भाग लेने वाले उत्पादकों/निर्यातकों के प्रभावली प्रत्युत्तर का भी विश्लेषण किया है।
167. संबद्ध देशों से प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में अधिशेष क्षमताओं की सूचना नीचे दी गई है:-

विवरण	क्षमता (एमटी)	उत्पादन (एमटी)	क्षमता उपयोग (एमटी)	अधिशेष क्षमता (एमटी)	अधिशेष क्षमता (%)	अधिशेष क्षमता (%) रेंज)
जेएफई स्टील कारपोरेशन	***	***	***	***	***	40-50
निप्पन स्टील कारपोरेशन	***	***	***	***	***	30-40
पोस्को कोरिया	***	***	***	***	***	10-20
डोंगकुक इंडस्ट्रीज कं. लि.	***	***	***	***	***	30-40

हुंडई स्टील कंपनी कोरिया	***	***	***	***	***	10-20
--------------------------	-----	-----	-----	-----	-----	-------

168. यह देखा जा सकता है कि जापान और कोरिया आरपी के भाग लेने वाले उत्पादकों/निर्यातकों के पास महत्वपूर्ण अधिशेष क्षमताएं उपलब्ध हैं। यूक्रेन और चीन जनवादी गणराज्य से सहयोग के अभाव में, प्राधिकारी यूक्रेन और चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादकों/निर्यातकों के साथ वास्तविक अधिशेष क्षमताओं का विश्लेषण नहीं कर सके।

### ट.3.7 कीमत संबंधी आकर्षण

169. प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में कीमत आकर्षण संबंधी सूचना नीचे दी गई है:-

विवरण	तीसरे देशों को कुल निर्यात (एमटी)	भारत के लिए निर्यात कीमत पर तीसरे देशों के लिए निर्यात	भारत के लिए निर्यात कीमत पर तीसरे देशों के लिए निर्यात की प्रतिशतता	भारत के लिए निर्यात कीमत पर तीसरे देशों के लिए निर्यात की प्रतिशतता (रैंज)
जेएफई स्टील कारपोरेशन *	***	***	***	50-60
निप्पन स्टील कारपोरेशन **	***	***	***	20-30
पोस्को ***	***	***	***	70-80
डोंगकु इंडस्ट्रीज कं. लि..*	***	***	***	90-100
हुंडई स्टील कंपनी कोरिया *	***	***	***	40-50

\* - यह लेनदेन-वार, पीसीएन वार तृतीय देश के आंकड़ों पर आधारित है।

\*\* - यह प्रश्नावली प्रत्युत्तर के साथ प्रस्तुत तीसरे देश के संक्षिप्त आंकड़ों पर आधारित है।

\*\*\* - बीजक कीमत स्तर पर तुलना की गई।

170. यह देखा जा सकता है कि जापान और कोरिया आरपी के भाग लेने वाले उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा तीसरे देशों को संबद्ध वस्तुओं का महत्वपूर्ण निर्यात भारत को निर्यात कीमत से कम कीमतों पर किया जाता है। यह प्रदर्शन । भारत संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए कीमत आकर्षक बाजार है।
171. यूक्रेन और चीन जन.गण. से सहयोग न मिलने की स्थिति में प्राधिकारी यूक्रेन और चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के निर्यात संबंधी वास्तविक आंकड़ों का विश्लेषण नहीं कर सके।
172. इस संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से निर्यात किए गए संबद्ध उत्पादों पर तीसरे देशों द्वारा व्यापार संबंधी उपचारात्मक उपाय लागू किए गए हैं। अमरीका, कनाडा, ई.यू, मलेशिया आदि जैसे संबद्ध उत्पाद के सार्थक बाजार वाले देशों में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर व्यापार संबंधी उपचारात्मक उपाय लागू हैं।

### ट.3.8 पाटित कीमतों पर तीसरे देशों के लिए निर्यात:

173. प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा पाटित कीमत पर तीसरे देशों के लिए निर्यात करने संबंधी सूचना नीचे दी गई है:-

विवरण	तीसरे देशों के लिए कुल निर्यात (एमटी)	सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर तीसरे देशों के लिए निर्यात	सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर तीसरे देशों के लिए निर्यात की प्रतिशतता	सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर तीसरे देशों के लिए निर्यात की प्रतिशतता (रैंज)
जेएफई स्टील कारपोरेशन *	***	***	***	80-90
निप्पन स्टील कारपोरेशन **	***	***	***	80-90
पोस्को ***	***	***	***	50-60
डोंगकुङ इंडस्ट्रीज कं. लि..*	***	***	***	90-100
हुंडई स्टील कंपनी कोरिया *	***	***	***	70-80

\* - यह लेनदेन-वार, पीसीएन वार तृतीय देश के आंकड़ों पर आधारित है।

\*\* - यह प्रश्नावली प्रत्युत्तर के साथ प्रस्तुत तीसरे देश के संक्षिप्त आंकड़ों पर आधारित है।

\*\*\* - बीजक कीमत स्तर पर तुलना की गई।

174. यह देखा जा सकता है कि जापान और कोरिया गणराज्य से प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा तीसरे देशों के लिए संबद्ध वस्तुओं का पर्याप्त मात्रा में निर्यात उनके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर हैं।

### ट.3.9 अन्य देशों द्वारा व्यापार संबंधी उपचारात्मक उपाय:

175. रिकॉर्ड की गई सूचना के अनुसार, भारत के अलावा अन्य देशों द्वारा संबद्ध देशों के विरुद्ध व्यापार संबंधी कई उपचारात्मक उपाय इस समय लागू हैं।

### ट.3.10 बुनियादी सीमा शुल्क में कमी:

176. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर बुनियादी सीमा-शुल्क फरवरी 2021 से 12.5 प्रतिशत से कम करके 7.5 प्रतिशत कर दिया गया है। भारत-कोरिया सीईपीए और भारत-जापान सीईपीए की वजह से कोरिया गणराज्य और जापान से आयात 0 प्रतिशत बुनियादी सीमा-शुल्क के अधीन है।

### ट.3.11 इस्पात की कीमतों का चक्रीय स्वरूप:

177. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस्पात की कीमतें चक्रीय स्वरूप की होती हैं और वर्षों के दौरान अत्यधिक अस्थायी रही हैं। एकदम नीचे आने के बाद ये कीमतें कुछ अवधियों में अधिकतम कीमतों से काफी अन्तर होने के अधीन होती हैं। आपूर्ति की कमी एवं कच्चे माल की कीमतें अधिक होने की वजह से इस्पात की वर्तमान कीमतों में ऊपर होने की प्रवृत्ति दिखती है। इस्पात की कीमतों के निकट भविष्य में सन्तुलित और स्थिर हो जाने की उम्मीद है।

### ठ. पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की जांच

178. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उसमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- संबद्ध देशों से आयात काफी हैं और क्षति जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से बढ़े हैं।
- संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का पाटन जारी है।

- iii. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है क्योंकि जांच की अवधि के दौरान मात्रा मानकों और कीमत मानकों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट है।
- iv. उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से जैसे मात्रात्मक मानदंडों में पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। इसी प्रकार, पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में लाभ और नकद लाभ जैसे कीमत मानदंडों में गिरावट आई है। पूर्व वर्षों की तुलना में जांच की अवधि (ए) में नियोजित पूंजी पर आय में काफी गिरावट आई है।
- v. प्राधिकारी द्वारा किए गए एक विस्तृत संभावना विश्लेषण और मूल्यांकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि शुल्क की समामि की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने/बार-बार होने की संभावना है।
- vi. प्राधिकारी ने पाटन और क्षति की संभावना की मौजूदगी का निष्कर्ष निकालने के लिए निम्नलिखित कारकों पर विश्वास किया है:
  - विचाराधीन उत्पाद के आयात पर मूल सीमा शुल्क 1 फरवरी, 2021 से 12.5 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया गया है। तदनुसार, चीन जन. गण. और यूक्रेन से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर आयात शुल्क 12.5% से घटाकर 7.5% कर दिया गया है। भारत और इन दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार करार के कारण कोरिया गणराज्य और जापान से संबद्ध सामानों के आयात पर मूल सीमा शुल्क शून्य है।
  - संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के पास विचाराधीन उत्पाद के लिए भारी अधिशेष क्षमताएं उपलब्ध हैं, जैसा कि रिकॉर्ड में उपलब्ध स्वतंत्र रिपोर्टों और संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना से भी सिद्ध है।
  - संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में सूचना की जांच से पता चलता है कि तीसरे देशों को काफी निर्यात पाटित कीमतों पर हैं और घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से कम कीमतों पर हैं।
  - कई देशों ने संबद्ध देशों के मूल के कोल्ड रोलड फ्लैट स्टील के आयातों पर व्यापार उपचार उपाय लागू किए हैं और जारी रखे हैं।
  - संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में सूचना की जांच से पता चलता है कि तीसरे देशों को काफी निर्यात भारत को निर्यात कीमत से कम कीमतों पर हैं, जो दर्शाता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार अधिक कीमत आकर्षक है।
  - वैश्विक इस्पात कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि इस्पात की कीमतें प्रकृति में चक्रीय हैं और वैश्विक इस्पात कीमतों में गिरावट की स्थिति में कम कीमत पर आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

## ड. प्रकटन विवरण पश्चात अनुरोध

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

179. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

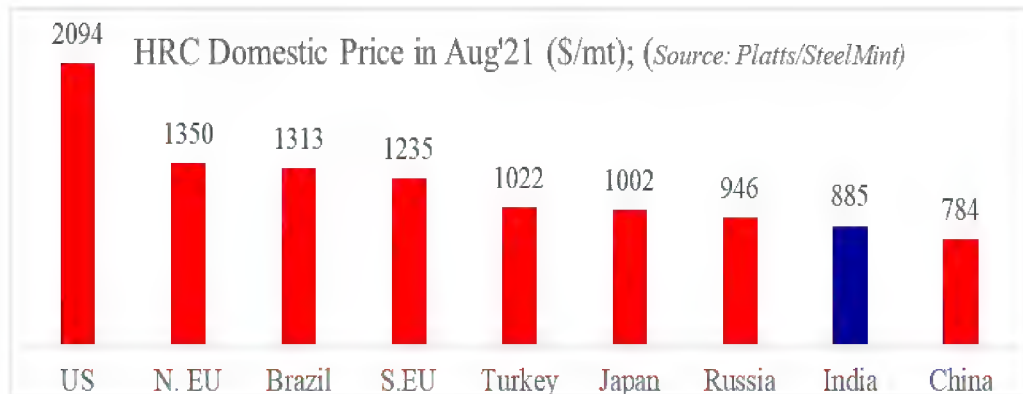
- क. हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड द्वारा मांगे गए ग्रेड SPFH540FB-P, SPFH590FB-P को अलग करना वर्तमान समीक्षा में संगत नहीं है क्योंकि ये ग्रेड हॉट रोलड स्टील के हैं, न कि विचाराधीन उत्पाद के।
- ख. घरेलू उद्योग ने हमेशा 1.4 मिमी से कम मोटाई के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति की है तथा एक आवेदक कंपनी से आपूर्ति रिकॉर्ड और नमूना बीजक साक्ष्य के रूप में प्रदान किए गए हैं। इसलिए, प्राधिकारी से अनुरोध है कि 1.4 मिमी से कम मोटाई के विचाराधीन उत्पाद को अलग करने से संबंधित दावों को रद्द करें और यह निर्धारित करें कि ऐसे उत्पाद ग्रेड को अलग करने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

- ग. क्षति मापदंडों का विश्लेषण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को संगत आर्थिक मानदंडों के संबंध में जांच की अवधि (ए) के दौरान निरंतर क्षति हो रही है और यदि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिया जाता है तो क्षति की संभावना भी है।
- घ. जांच की अवधि में आयात कीमतों में काफी कीमत अंतर है जिससे औसत पहुंच मूल्य के आधार पर नकारात्मक कीमत कटौती निर्धारण की विश्वसनीयता समाप्त हो जाती है। घरेलू उद्योग की बिक्री कम कीमत वाले आयातों से प्रभावित होती है क्योंकि घरेलू उद्योग से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपनी कीमतों को कम कीमत वाले आयातों से मेल खाती हुई रखे। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की बिक्री पर कम कीमत वाले आयात लेनदेनों के प्रभाव का मूल्यांकन करना चाहिए।
- ङ. प्राधिकारी ने पाटन आयातों के अलावा घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले किसी अन्य ज्ञात कारक की पहचान नहीं की है।
- च. प्राधिकारी ने वर्तमान समीक्षा में संबद्ध देशों के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन नकारात्मक होने का निर्धारण किया है। संबद्ध देशों से आयातों के लिए नकारात्मक क्षति मार्जिन लागू संदर्भ कीमत-आधारित शुल्क की मौजूदगी के कारण निर्धारण कारक नहीं हो सकता।
- छ. घरेलू उद्योग नोट करता है कि संबद्ध देशों के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी है।
- ज. प्राधिकारी की विगत परिपाटी के अनुसार और सिद्ध कानूनी सिद्धांतों के अनुसार नकारात्मक क्षति मार्जिन के बावजूद एक निर्णायक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क जारी रखा जा सकता है। निम्नलिखित मामलों में, नकारात्मक क्षति मार्जिन के बावजूद निर्णायक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की गई थी:
- यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, ताइवान और संयुक्त राज्य अमेरिका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2-एथिल हेक्सानॉल के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच से संबंधित अंतिम जांच परिणाम - संख्या 7/28/2020-डीजीटीआर दिनांक 8 मार्च, 2021
  - चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 'नायलॉन टायर कॉर्ड फैब्रिक' के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच से संबंधित अंतिम जांच परिणाम संख्या 7/22/2019-डीजीटीआर दिनांक 29 अक्टूबर, 2020
  - कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "एसीटोन" के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच से संबंधित अंतिम जांच परिणाम - संख्या 7/09/2019-डीजीटीआर दिनांक 29 सितंबर, 2020
  - चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के लिए बने 'फ्रंट एक्सल बीम' और 'स्टीयरिंग नक्कलस' के आयातों से संबंधित दूसरी निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी जांच में अंतिम जांच परिणाम - सं. 7/26/2020-डीजीटीआर 24 दिसंबर, 2020
  - चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पार्शियली ऑरियंटेड यार्न (पीओवाई) के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी शुल्क जांच से संबंधित अंतिम जांच परिणाम - सं. 15/27/2010-डीजीएडी दिनांक 10 फरवरी, 2012
  - पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से क्लियर फ्लोट ग्लास के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा: फा. संख्या 7/3/2019-डीजीटीआर दिनांक 07/11/2019।
  - चीनी तैपई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नोनील फिनोल के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा: फा. सं. 15/1007/2012-डीजीएडी दिनांक 08/11/2013।

- झ. चीन जन. गण., मलेशिया, थाईलैंड, श्रीलंका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 6 एमएम अथवा उससे अधिक मोटाई वाले प्लेन मीडियम डेनसिटी फाइबरबोर्ड के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा: फा. सं. 7/6/2020-डीजीटीआर दिनांक 08/01/2021।
- ञ. चीन जन. गण. और रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा जांच: फा. सं. 7/15/2020-डीजीटीआर दिनांक 22/12/2020।
- ट. चीन जन. गण., थाईलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका से पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड रेसिन के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा जांच: फा. सं. 7/34/2018-डीजीटीआर दिनांक 18/07/2019
- ठ. निरमा लिमिटेड बनाम यूओआई में माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने यह भी उल्लेख किया है कि नकारात्मक क्षति मार्जिन यह निर्धारित करने का आधार नहीं बन सकता कि पाटन और/अथवा क्षति की कोई संभावना नहीं है।
- ड. घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए कैप्टिव ट्रांसफर के लिए बने उत्पादन को अलग नहीं किया जा सकता।
- ढ. स्टील की कीमतों की चक्रीय प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतों में चरम पर पहुंचने के बाद आने वाली तिमाहियों में गिरावट की संभावना है। यदि कोई पाटनरोधी शुल्क लागू न हो, तो घरेलू उद्योग कम कीमतों पर आयात से प्रभावित होगा जिसकी भविष्य में उम्मीद है।
- ण. वर्ल्ड स्टील डायनेमिक्स (डब्ल्यूएसडी) रिपोर्ट में आने वाली तिमाहियों में अर्थात् 2022 की तिमाही 3 तक स्टील की कीमतों में तेज गिरावट का अनुमान लगाया गया है। इसमें 2022 की तिमाही 3 तक वैश्विक स्टील की कीमतों में लगभग 48% तक गिरावट का अनुमान लगाया गया है।
- त. प्राधिकारी को पाटित कीमतों पर तीसरे देशों को कीमत आकर्षकता और निर्यात की मौजूदगी का निर्धारण करने के लिए उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास करना चाहिए जब चीन जन. गण. और यूक्रेन के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा कोई सकारात्मक सूचना प्रदान न की जाए।
- थ. प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा प्रकट किए गए अनिवार्य तथ्यों के अनुसार पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है।
- द. वर्तमान संदर्भ कीमत स्वरूप में पाटनरोधी शुल्क का आयातकों अथवा प्रयोक्ताओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि किसी शुल्क का भुगतान नहीं किया गया था। संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध सामानों के आयात पर क्षति जांच अवधि के दौरान आयातकों अथवा प्रयोक्ताओं द्वारा किसी शुल्क का भुगतान नहीं किया गया था क्योंकि आयात संदर्भ कीमत से अधिक कीमत पर किए गए थे।
- ध. निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार ऑटोमोटिव प्रयोक्ता उद्योग और ऑटो उद्योग में अंतिम उपभोक्ताओं पर शुल्क का नगण्य प्रभाव है:

यात्री वाहन (पीवी) की औसत बिक्री कीमत	5.00 लाख रुपये
पीवी में सीआर स्टील की अनुमानित खपत	294 कि. ग्रा. (क्रिसिल अध्ययन के अनुसार)
सीआर स्टील की कीमत/मी. टन	80,000 रुपये
20% की दर से पाटनरोधी शुल्क मानते हुए पाटनरोधी शुल्क प्रभाव	16,000 रुपये
पीवी पर 20% की दर से पाटनरोधी शुल्क का कुल प्रभाव	$0.294 \times 16000 = 4,704$ रु. प्रति पीवी
प्रतिशतता में प्रभाव	$4704 / 500,000 \times 100 = 0.94\%$

- न. विचाराधीन उत्पाद के आयात पर पाटनरोधी शुल्क से आयातकों, प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। कीमतों में वैश्विक वृद्धि के बावजूद भारत में घरेलू स्टील की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्टील की कीमतों से कम रही हैं।



- प. भारत में इस्पात उद्योग सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2% है और पर्याप्त प्रत्यक्ष (लगभग 5 लाख) और अप्रत्यक्ष रोजगार (लगभग 20 लाख) सृजित करता है।
- फ. पाटनरोधी शुल्क जारी रखना जनहित में है। राष्ट्र निर्माण के लिए स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी इस्पात उद्योग महत्वपूर्ण है। घरेलू उद्योग विभिन्न प्रकार की संबद्ध निचले स्तर की सेवाओं जैसे परिवहन सेवाओं, पत्तन सुविधाओं आदि में सहायता करता है। इस्पात उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव इन निचले स्तर के उद्योगों पर भी महसूस किया जाएगा। शुल्क जारी रखना घरेलू उद्योग के लिए अनुचित व्यापार परिपाटी और वैश्विक इस्पात कीमतों की चक्रीय प्रकृति से सुरक्षा तंत्र के रूप में कार्य करेगा, जिसमें निकट भविष्य में तेजी से गिरावट आने का अनुमान है।
- ब. स्टील की कीमतों में 2015 की गिरावट और कम कीमत पर भारी मात्रा में आयातों के परिणामस्वरूप भारत में कई अत्यधिक लीवरेज वाली स्टील कंपनियों का दिवाला हो गया। कई स्टील कंपनियों के बंद होने के साथ-साथ बैंकिंग सेक्टर भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है, बैंकिंग क्षेत्र ने जुलाई, 2021 की स्थिति के अनुसार इस्पात उद्योग को 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण दिया है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग की संभावनाओं में कोई भी गिरावट अन्य निवेशकों और हितधारकों के साथ-साथ भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। यह खतरा 2030-31 तक 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के योजनागत निवेश को भी होगा।
- भ. इस्पात क्षेत्र पर विश्व स्तर पर व्यापार कार्रवाई सभी क्षेत्रों में सबसे अधिक है, जो किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए इस्पात के महत्व को दर्शाता है। वर्तमान में, इस्पात उत्पादों पर विभिन्न देशों में 184 व्यापारिक कार्रवाइयां लागू हैं।

### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

180. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- क. यूक्रेन से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को आगे बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि यूक्रेन से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति की संभावना नहीं है।
- ख. यूक्रेन से आयातों की मात्रा नगण्य है और यूक्रेन से आयातों में काफी वृद्धि नहीं हुई है।
- ग. संबद्ध देशों से आयातों के लिए क्षति मार्जिन नकारात्मक है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की कोई आवश्यकता नहीं है।



- घ. पीसीएन-वार सूचना को घरेलू उद्योग द्वारा साझा नहीं किया गया है और हितबद्ध पक्षकारों को यह मालूम नहीं था कि ऐसी सूचना प्राधिकारी को कार्यवाही के किसी भी स्तर पर प्रदान की गई थी। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग से पीसीएन-वार सूचना किसी भी रूप में विलंब से स्वीकार नहीं करनी चाहिए।
- ङ. घरेलू उद्योग जेएसडब्ल्यू और जेएफई स्टील कॉरपोरेशन के बीच संबंधों को प्रकट करने में विफल रहा है जो पाटनरोधी नियमावली के तहत घरेलू उद्योग के निर्धारण को प्रभावित करेगा।
- च. प्राधिकारी को इस्पात उद्योग के पक्ष में अन्य सरकारी विभागों की कार्यवाहियों पर विचार करना चाहिए क्योंकि उन कार्यवाहियों का उद्देश्य घरेलू उद्योग की रक्षा करना भी है।
- छ. प्राधिकारी को *विदेशी डेकोर प्राइवेट लिमिटेड और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी* में माननीय सेसटेट के निर्देश का अनुपालन करना चाहिए कि आयात आंकड़े उसी स्वरूप और तरीके में प्रदान किये जाने चाहिए जिनमें उन्हें रिकॉर्ड में लिया गया था। यदि प्राधिकारी माननीय सेसटेट के निर्देशों का पालन न करने का विकल्प चुनता है, तो उन्हें अपने निर्णय के लिए पर्याप्त कारण प्रदान करने चाहिए क्योंकि प्राधिकारी भी एक अर्ध-न्यायिक निकाय के रूप में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों से बाध्य हैं।
- ज. प्राधिकारी ने इसका कोई औचित्य नहीं दिया है कि कोविड-19 का प्रभाव 18 माह की जांच की अवधि पर विचार कर कैसे लिया गया है। प्राधिकारी ने किसी भी समायोजन को प्रकट नहीं किया है जो इस प्रभाव को ध्यान में रखने के लिए किया गया हो।
- झ. नकारात्मक कीमत कटौती को केवल संदर्भ कीमत आधारित शुल्क के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वाणिज्यिक कारकों के कारण भारत में आयात अधिक कीमतों पर थे।
- ञ. घरेलू उद्योग का निष्पादन कम सार्वजनिक निवेश खर्च से उत्पन्न मांग में गिरावट, अर्थव्यवस्था में ऋण उपलब्धता की कमी या ऑटोमोटिव और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं आदि में मंदी के कारण प्रभावित हुआ था। यह सिद्ध है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई प्रभाव विभिन्न कारकों के कारण है और इसे संबद्ध देशों से आयातों के कारण नहीं माना जा सकता।
- ट. पोसको की क्षमता पूरे समय स्थिर रही है और यदि पोसको का इरादा भारतीय बाजार को लक्षित करने के लिए किसी अतिरिक्त क्षमता का उपयोग करने का है, तो यह क्षति जांच अवधि के दौरान पहले ही ऐसा कर चुका होता।
- ठ. यह संगत नहीं है कि संबद्ध देश अन्य देशों को क्षतिकारक अथवा क्षतिरहित कीमतों पर बेचते हैं, यदि वर्तमान शुल्क समाप्त होने की अनुमति दी जाए, तो उन निर्यातों को भारत में भेजे जाने की संभावना नहीं है।
- ड. भारत को पोसको की बिक्री अन्य देशों में व्यापार उपचार उपायों से प्रभावित नहीं है क्योंकि भारत में पोसको के ग्राहक अंतिम प्रयोक्ता हैं, न कि वितरक। प्राथमिक धातुओं पर पाटनरोधी उपाय सामान्य हैं और इसका वर्तमान मामले में पाटन एवं क्षति के बार-बार होने की संभावना का कोई साक्ष्य नहीं है।
- ढ. प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए एक सुसंगत दृष्टिकोण का पालन नहीं किया है और पाटन मार्जिन की गणना करते समय अनुचित समायोजन किये हैं।
- ण. प्राधिकारी ने पोसको कोरिया और उसके व्यापारियों/निर्यातकों द्वारा दी गई लागत में परिवर्तन किये हैं। प्राधिकारी से अनुरोध है कि या तो पोसको कोरिया और उसके व्यापारियों/निर्यातकों द्वारा दायर लागत का उपयोग करें अथवा कृपया लागत में समायोजन को स्पष्ट करें।
- त. घरेलू उद्योग वैश्विक इस्पात कीमतों के चक्रीय उतार-चढ़ाव के विरुद्ध एक उपशमन उपकरण के रूप में पाटनरोधी शुल्क के रूप में संरक्षण की मांग कर रहा है - एक ऐसी स्थिति जिसका व्यापार उपचार उपायों से कोई मतलब नहीं है जो कि संबद्ध देशों से पाटन का उपचार करने के लिए हो। दिसंबर, 2015 में कीमतों में तेज गिरावट चीन जन. गण. द्वारा अधिक क्षमता और अधिक निर्यात के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों में गिरावट की वजह से हुई थी। स्टील की कीमतें चक्रीय नहीं हैं।

- थ. जून, 2020 से अगस्त, 2021 के बीच, वित्त मंत्रालय ने "इस्पात और अन्य धातुओं" की श्रेणी में आने वाले 6 में से 4 मामलों में शुल्क की सिफारिश न करना उचित माना है, यहां तक कि यद्यपि प्राधिकारी ने शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। अतः, प्राधिकारी को प्रयोक्ता उद्योग द्वारा दिए गए तर्कों का उचित विश्लेषण करने के बाद जनहित के मुद्दे की बारीकी से जांच करनी चाहिए।
- द. प्राधिकारी ने दर्ज किया है कि संबद्ध/असंबद्ध व्यापारियों के माध्यम से जेएफई द्वारा की गई कुल बिक्री में लगभग 96% हिस्सेदारी सहयोगी कंपनियों की है। जेएफई और उसके संबद्ध व्यापारियों का जेएफई द्वारा की गई कुल बिक्री का 100% हिस्सा है, न कि 96%, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा उल्लेख किया गया है।
- ध. सेल की कर्मचारी लागत घरेलू उद्योग के अन्य संघटकों की तुलना में अधिक है और इसलिए उच्च कर्मचारी लागत के कारण उन्हें क्षति हो रही है।
- न. जापानी मिलों के पास स्वतंत्र रूप से कोई निपटाने की क्षमताएं नहीं हैं। यह भी विचार करना महत्वपूर्ण है कि जापानी मिलों की विचाराधीन उत्पाद की क्षमता बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।
- प. भारतीय बाजार जापानी मिलों के लिए आकर्षक नहीं है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क हटाने से भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयात में वृद्धि होने की संभावना नहीं है।
- फ. जापान से निर्यात पर अन्य देशों में व्यापार उपचार उपायों की मौजूदगी के बावजूद, भारत को जापानी निर्यातों में क्षति अवधि में वृद्धि नहीं हुई। कोल्ड रोल्ड उत्पादों की बिक्री करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जापानी उत्पादकों के लिए प्राथमिक बाजार नहीं है। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोबाइल उपयोग के लिए कोल्ड रोल्ड उत्पादों को मलेशिया में शुल्क से छूट दी गई है। इसलिए, यह संभावना नहीं है कि अन्य देशों में बेचे जा रहे उत्पादों को भारत जैसे बाजार में ले जाया जाएगा।
- ब. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए नकारात्मक क्षति मार्जिन का निष्कर्ष निकाला है। अतः घरेलू उद्योग को क्षति होने की कोई संभावना नहीं है।
- भ. यदि प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश करना चाहते हैं तो मूल जांच के समान ही संदर्भ कीमत के उसी स्तर की सिफारिश की जाएगी।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

181. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात अनुरोधों की जांच की है और नोट करते हैं कि कुछ टिप्पणियां दोहराई गई हैं जिनकी पहले ही उपयुक्त रूप से जांच की जा चुकी है और अंतिम जांच परिणाम के संगत पैराओं में उन्हें पर्याप्त रूप से हल कर दिया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात टिप्पणियों/अनुरोधों में पहली बार उठाए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए मुद्दों की जांच निम्नलिखित रूप में की गई है।
182. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए इस अनुरोध के संबंध में कि कैप्टिव अंतरण के लिए बने उत्पादन को क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए अलग नहीं किया जा सकता, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षतिरहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III और प्राधिकारी की सतत परिपाटी के अनुसार किया गया है।
183. घरेलू उद्योग द्वारा पीसीएन-वार सूचना विलंब से प्रस्तुत करने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीसीएन वार सूचना घरेलू उद्योग द्वारा तब प्रस्तुत की गई थी जब प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को पीसीएन वार सूचना प्रदान करने का निर्देश दिया था। यह भी नोट किया जाता है कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण पहले पीसीएन-वार आधार पर किया गया है, और उसके बाद, इसे प्रतिभागी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए भारित औसत आधार पर निर्धारित किया गया है।
184. इस अनुरोध के संबंध में कि यूक्रेन से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति की संभावना नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूक्रेन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है और प्राधिकारी को संगत सूचना नहीं दी है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर, यह मानने के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद यूक्रेन से पाटित आयात जारी रहे हैं, और यूक्रेन के विरुद्ध शुल्क की समाप्ति की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है।

185. घरेलू उद्योग की पीसीएन-वार सूचना को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट न करने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीसीएन वार सूचना गोपनीय प्रकृति की होती है। इसलिए, न तो घरेलू उद्योग की पीसीएन वार सूचना अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट की गई थी और न ही अन्य हितबद्ध पक्षकारों की पीसीएन वार सूचना घरेलू उद्योग को प्रकट की गई थी।
186. इस दावे के संबंध में कि क्षति मार्जिन नकारात्मक है और इसलिए घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की कोई संभावना नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक क्षति मार्जिन के बावजूद, यह दर्शाने के लिए रिकॉर्ड में पर्याप्त सूचना है कि पाटनरोधी शुल्क की समामि की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है।
187. इस अनुरोध के संबंध में कि घरेलू उद्योग जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएफई स्टील कॉरपोरेशन के बीच संबंध को प्रकट करने में विफल रहा है, जो पाटनरोधी नियमावली के तहत घरेलू उद्योग के निर्धारण को प्रभावित करेगा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएफई स्टील कॉरपोरेशन के बीच संबंध के मुद्दे की मूल जांच में ही 10 अप्रैल, 2017 के अंतिम जांच परिणाम के पैरा संख्या 19 में पूरी तरह से की गई थी और एक विस्तृत जांच के बाद, प्राधिकारी ने जेएसडब्ल्यू स्टील को एक पात्र आवेदक उत्पादक माना।
188. इस अनुरोध के संबंध में कि इस्पात उद्योग के पक्ष में सरकारी विभागों की कार्यवाही को ध्यान में रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू इस्पात उद्योग की सहायता करने के लिए सरकारी नीतियां मौजूद हैं। तथापि, इस वर्तमान जांच में, प्राधिकारी ने पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटी को दूर करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जारी रखने के लिए घरेलू उद्योग के अनुरोध की जांच की है।
189. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी ने आयात आंकड़ों को उसी स्वरूप और तरीके में साझा नहीं किया है जिसमें इसे रिकॉर्ड में लिया गया था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी की वर्तमान परिपाटी के अनुसार, हार्ड कॉपी में लेनदेन-वार आयात आंकड़े दिनांक 15 मार्च, 2018 की व्यापार सूचना संख्या 07/2018 के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराए जाते हैं। कोई भी हितबद्ध पक्षकार डीजीसीआईएंडएस से कच्चे लेनदेन-वार आयात आंकड़े दिनांक 15 मार्च, 2018 की व्यापार सूचना संख्या 07/2018 में निर्धारित किए गए अनुसार एक शपथ पत्र देकर प्राप्त कर सकता है।
190. 18 माह की जांच की अवधि से संबंधित अनुरोध के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने 1 अप्रैल, 2019 से 30 सितंबर, 2020 तक 18 माह की लंबी अवधि को जांच की अवधि के रूप में माना ताकि घरेलू उद्योग को हुई वर्तमान एवं संभावित पाटन और क्षति को काफी अंदर से अपेक्षित रूप से देखा जा सके। साथ ही, वर्तमान निर्णायक समीक्षा में एक लंबी जांच की अवधि को उपयुक्त माना गया था क्योंकि 2020-21 की पहली और दूसरी तिमाही में व्यापार कोविड-19 से प्रभावित था। इस मामले में एक लंबी अवधि वर्तमान क्षति और तथाकथित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए अधिक उपयुक्त होगी।
191. संबद्ध देशों के भाग लेने वाले उत्पादकों/निर्यातकों के इस अनुरोध के संबंध में कि उनके पास कोई अतिरिक्त क्षमता नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में दी गई जानकारी के आधार पर, जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन, निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन, पोस्को कोरिया, डोंगकु इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, और हुंडई स्टील कंपनी कोरिया में क्रमशः 40-50%, 30-40%, 10-20%, 30-40% और 10-20% अधिशेष क्षमता है। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों के सहभागी उत्पादकों/निर्यातकों के पास महत्वपूर्ण अधिशेष क्षमताएं उपलब्ध हैं।
192. संबद्ध देशों के भाग लेने वाले उत्पादकों/निर्यातकों के इस अनुरोध के संबंध में कि भारतीय बाजार उनके लिए आकर्षक कीमत नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में दी गई जानकारी के आधार पर, जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन द्वारा तीसरे देशों को निर्यात का 50-60%, 20- निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन द्वारा तीसरे देशों को निर्यात का 30%, पोस्को कोरिया द्वारा तीसरे देशों को निर्यात का 70-80%, डोंगकु इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड द्वारा तीसरे देशों को निर्यात का 90-100% और तीसरे को निर्यात का 40-50% हुंडई स्टील कंपनी कोरिया द्वारा देश भारत को निर्यात मूल्य से कम कीमत पर हैं। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार कीमत आकर्षक है। उनके लिए आकर्षक बाजार।

193. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए एक सुसंगत दृष्टिकोण नहीं अपनाया है, और पाटन मार्जिन का परिकलन करते समय अनुचित समायोजन किये हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन का परिकलन सीमा प्रशुल्क अधिनियम, पाटनरोधी नियमावली के प्रावधानों और प्राधिकारी की सतत परिपाटी के अनुसार किया गया है।
194. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी ने पोसको कोरिया और उसके व्यापारियों/ निर्यातकों द्वारा दी गई लागत में परिवर्तन किये हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने पोसको कोरिया और उसके निर्यातकों के लिए लागत पाटनरोधी नियमावली के तहत दिए गए सिद्धांतों और प्राधिकारी की सतत परिपाटी को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की है।
195. इस दावे के संबंध में कि वित्त मंत्रालय ने "इस्पात और अन्य धातुओं" के 6 में से 4 मामलों में शुल्क लगाना उचित नहीं समझा, जिनमें प्राधिकारी ने शुल्क लगाने की सिफारिश की थी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के तहत यह प्राधिकारी का दायित्व है कि वे किसी निर्णायक समीक्षा में जांच करेंगे कि क्या शुल्क की समाप्ति की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है और यदि यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है तो शुल्कों को जारी रखने की सिफारिश करना उनका दायित्व है। प्राधिकारी की सिफारिश के आधार पर शुल्क लगाने अथवा न लगाने के बारे में निर्णय लेना केंद्र सरकार का कार्य है।
196. मैसर्स जेएफई, जापान के निवल निर्यात मूल्य के निर्धारण के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि सहयोगी संस्थाएं संबंधित/असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से जेएफई द्वारा की गई कुल बिक्री का 100% हिस्सा हैं, जिसके द्वारा रिपोर्ट की गई मात्रा और निर्यात कीमत जेएफई और उसके व्यापारियों को पाटन और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया है।
197. घरेलू उद्योग के अन्य संघटकों की तुलना में सेल की कर्मचारी लागत के बारे में अनुरोध करने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक घरेलू उत्पादकों द्वारा की गई वास्तविक लागतों को क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के तहत प्रावधानों के अनुसार उसे मानक बनाने के बाद ध्यान में रखा गया है। प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया है।

## **ड. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे**

198. प्राधिकारी ने विचार किया है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने से जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उसके लिए, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या जांचाधीन उत्पाद के आयातों पर शुल्क जारी रखना व्यापक जनहित के विरुद्ध होगा। यह निर्धारण घरेलू उद्योग, आयातकों और विचाराधीन उत्पाद के प्रयोक्ताओं/उपभोक्ताओं सहित विभिन्न पक्षकारों के हितों और रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने पर आधारित है।
199. प्राधिकारी ने आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए राजपत्र अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए प्रयोक्ताओं हेतु एक प्रश्नावली भी निर्धारित की है, जिसमें उनके प्रचालनों पर पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने के संभावित प्रभाव भी शामिल हैं। प्राधिकारी ने अन्य बातों के साथ-साथ विचाराधीन उत्पाद के आयात के कारणों, विभिन्न देशों के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की परस्पर परिवर्तनशीलता, उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क के जारी रखने के प्रभाव, आयातों के स्रोत (चाहे संबद्ध आपूर्तिकर्ताओं या असंबद्ध आपूर्तिकर्ताओं से हों), उनके प्रचालनों के लिए लाभप्रदता विवरण आदि के संबंध में और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पादों के संबंध में भी सूचना मांगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है:
  - (i) निप्पाॉन स्टील पाइप इंडिया लिमिटेड
  - (ii) राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड
  - (iii) पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्राइवेट लिमिटेड

- (iv) हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड
- (v) हुंडई स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- (vi) किआ मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड

200. इन प्रयोक्ताओं ने मौखिक सुनवाई में भी भाग लिया और अनुरोध किए, जिन्हें ध्यान में रखा गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन प्रयोक्ताओं ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग लिया है और प्रयोक्ता प्रश्नावली प्रस्तुत की है, वे विदेशी निर्यातकों से संबद्ध हैं और या तो अपने संबद्ध पक्षकारों से विचाराधीन उत्पाद का आयात कर रहे हैं अथवा अपने संबद्ध पक्षकारों द्वारा आपूर्ति किए गए विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग कर रहे हैं। इन हितबद्ध पक्षकारों ने मात्रात्मक सूचना के साथ यह नहीं दर्शाया है कि संदर्भ कीमत आधारित पाटनरोधी शुल्क लगाने से इन प्रयोक्ताओं अथवा जनता पर कोई काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। हितबद्ध पक्षकारों ने मात्रात्मक सूचना के साथ यह भी नहीं दर्शाया है कि पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने से भारत में उनके प्रचालनों पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
201. डंपिंग रोधी शुल्क का उद्देश्य, सामान्य तौर पर, डंपिंग की अनुचित व्यापार प्रथाओं से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति को फिर से स्थापित किया जा सके, जो सामान्य रूप से है। देश हित। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया गया है और इस प्रकार, उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा, यहां तक कि ऐसी स्थिति में भी जहां उपयोगकर्ता इसे संबद्ध देशों से प्राप्त करना चुनते हैं।
202. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एकीकृत इस्पात उत्पादकों और स्टैंडअलोन सीआर उत्पादकों दोनों को ध्यान में रखते हुए भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक बड़ी संख्या में हैं। भारत में कम से कम 6 एकीकृत इस्पात उत्पादक हैं, अर्थात् स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड, आर्सेलर मित्तल निष्पान स्टील इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील लिमिटेड और टाटा स्टील बीएसएल लिमिटेड भारत में संबद्ध सामानों के उत्पादन में लगे हुए हैं। अतः, भारतीय बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है और पाटनरोधी शुल्क जारी रहने से संबद्ध सामानों के लिए भारतीय बाजार में एकाधिकारिक अथवा अल्पाधिकारी स्थिति नहीं बनेगी।
203. घरेलू उद्योग की सूचना दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की विनिर्माण सुविधाओं का कम उपयोग किया जा रहा है। घरेलू उद्योग भारत में विचाराधीन उत्पाद की पूरी मांग को पूरा करने के लिए पूर्णतः सक्षम है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों की आपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा आयात कीमतों से कम कीमतों पर की जाती है। अतः, घरेलू उद्योग द्वारा दी जाने वाली कीमतें प्रतिस्पर्धी कीमतें हैं।
204. संदर्भ कीमत-आधारित शुल्क जो लागू है और जिसकी वर्तमान निर्णायक समीक्षा में प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गई है, यह सुनिश्चित करेगा कि विचाराधीन उत्पाद के प्रयोक्ताओं और आयातकों को उस समय दंडित नहीं किया जाता है जब भारत में आयात उचित कीमतों पर होते हैं। संदर्भ कीमत-आधारित शुल्क यह भी सुनिश्चित करता है कि भारत में कम कीमत/अनुचित कीमत वाले आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति न हो। इस प्रकार, संदर्भ कीमत-आधारित शुल्क एक तरफ आयातकों और प्रयोक्ताओं के हितों और दूसरी ओर घरेलू उद्योग के बीच वर्तमान मामले में एक अच्छा संतुलन बनाता है।
205. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद सहित स्टील की कीमतें वैश्विक स्टील कीमतों से कम रही हैं, भले ही हाल ही में वैश्विक स्टील की कीमतों में समग्र वृद्धि हुई हो। इससे पता चलता है कि भारत में घरेलू उद्योग को लागू पाटनरोधी शुल्क अथवा वैश्विक कीमतों में हालिया वृद्धि से अनुचित लाभ नहीं हुआ है और उत्पाद के आयातकों, प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं को भी पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी और हाल की वैश्विक कीमतों में वृद्धि होने के कारण पूर्वाग्रह नहीं हुआ है। यह तथ्य कि घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी कीमतों पर संबद्ध सामानों की आपूर्ति कर रहा है, इस तथ्य से भी सिद्ध होता है कि क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कीमत कटौती नकारात्मक रही है। इसका अर्थ यह है कि घरेलू बिक्री कीमत पूरी क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य से कम रही है।

206. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि निकट भविष्य में कीमतें घटती हैं तो संदर्भ कीमत आधारित शुल्क जारी रखने से घरेलू उद्योग के लिए सुरक्षा तंत्र सुनिश्चित होगा। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार, 2015 में स्टील की कीमतों में वैश्विक गिरावट के परिणामस्वरूप कुछ प्रमुख घरेलू भारतीय इस्पात उत्पादक दिवाला हो गये और स्टील कंपनियों को काफी ऋण देने के लिए भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर भी जोर पड़ा। अतः, यह भारतीय अर्थव्यवस्था के सामान्य हित में है कि वर्तमान संदर्भ कीमत आधारित शुल्क जारी रखा जाए।
207. जांच के दौरान प्राधिकारी के समक्ष उत्तर और अनुरोध दायर करने वाले अधिकतर प्रयोक्ता ऑटोमोटिव क्षेत्र से संबंधित हैं। इनमें से कई प्रयोक्ता संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों से भी संबद्ध हैं। यह नोट किया जाता है कि क्षति जांच अवधि के दौरान संदर्भ कीमत से अधिक कीमतों पर आयात हुए हैं और प्रयोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क का कोई भार नहीं पड़ा है। अतः, प्रयोक्ताओं पर संदर्भ कीमत आधारित पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की मात्रा निर्धारित करना संभव नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद पर 20 प्रतिशत की दर से पाटनरोधी शुल्क पर विचार करते हुए, प्रभाव केवल नगण्य होगा, अर्थात् लगभग 5 लाख रुपये के यात्री वाहन के कुल मूल्य पर 1% से कम का प्रभाव होगा।
208. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय इस्पात उद्योग भारतीय जीडीपी में इसके योगदान, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन और परिवहन सेवाओं, बंदरगाह सुविधाओं आदि जैसी लिंकड डाउनस्ट्रीम सेवाओं के लिए इसके समर्थन को ध्यान में रखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। शुल्क की निरंतरता सुरक्षा के रूप में कार्य करेगी। अनुचित व्यापार प्रथाओं और वैश्विक इस्पात कीमतों की चक्रीय प्रकृति से घरेलू उद्योग के लिए शुद्ध जो निकट भविष्य में घटने का अनुमान है।
209. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का यह मत है कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर वर्तमान संदर्भ कीमत आधारित पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना जनहित में होगा।

#### ढ. निष्कर्ष

210. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उसमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:
- क. आवेदक घरेलू उत्पादक नियमावली के नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग हैं और घरेलू उत्पादकों की ओर से आवेदक द्वारा दायर आवेदन पत्र नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंडों को पूरा करता है।
  - ख. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।
  - ग. आवेदन पत्र में निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करने के उद्देश्य से सभी संगत सूचनाएं निहित हैं और आवेदन पत्र में वर्तमान निर्णायक समीक्षा की शुरुआत का औचित्य बनाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य थे।
  - घ. प्राधिकारी ने 1 अप्रैल, 2019 से 30 सितंबर, 2020 तक 18 महीने की लंबी अवधि को जांच की अवधि के रूप में माना ताकि यह घरेलू उद्योग को वर्तमान और संभावित पाटन एवं क्षति के बारे में पर्याप्त अपेक्षित सूचना प्रदान कर सके। इसके अतिरिक्त, वर्तमान निर्णायक समीक्षा में एक लंबी जांच की अवधि को उपयुक्त माना गया था क्योंकि 2020-21 की पहली और दूसरी तिमाही में व्यापार कोविड-19 से प्रभावित था। वर्तमान क्षति और तथाकथित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की संभावना का आकलन करने के लिए एक लंबी अवधि अधिक उपयुक्त होगी।
  - ङ. संबद्ध सामानों के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को ध्यान में रखते हुए, प्रत्येक संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रतिभागी उत्पादकों और अवशिष्ट श्रेणी के लिए किया गया है। सभी मामलों में पाटन मार्जिन काफी है। इस प्रकार, संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का पाटन जारी है।
  - च. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है क्योंकि जांच की अवधि के दौरान अधिकतर आर्थिक मानदंडों पर घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, नकद लाभ में पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है।
  - छ. प्राधिकारी ने एक विस्तृत संभावना विश्लेषण किया और निम्नलिखित नोट किया:

- क) विचाराधीन उत्पाद के आयात पर मूल सीमा शुल्क 1 फरवरी, 2021 से 12.5% से घटाकर 7.5% कर दिया गया।
- ख) संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के पास विचाराधीन उत्पाद के लिए विशाल अधिशेष क्षमताएं उपलब्ध हैं, जैसा कि रिकॉर्ड में उपलब्ध स्वतंत्र रिपोर्टों और संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना से भी सिद्ध है।
- ग) संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में सूचना की जांच से पता चलता है कि तीसरे देशों को काफी निर्यात पाटित कीमतों पर है।
- घ) संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में सूचना की जांच से पता चलता है कि तीसरे देशों को काफी निर्यात घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से कम कीमतों पर हैं।
- ङ) कई देशों ने संबद्ध देशों के मूल के कोल्ड रोल्ड फ्लैट स्टील के आयातों पर व्यापार उपचार उपाय लागू किए हैं और जारी रखे हैं।
- च) भारत और इन दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार करार के कारण कोरिया गणराज्य और जापान से संबद्ध सामानों के आयात पर आधारभूत सीमा शुल्क शून्य है।
- छ) संबद्ध देशों के प्रतिभागी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में सूचना की जांच से पता चलता है कि तीसरे देशों को काफी निर्यात भारत को निर्यात कीमत से कम कीमतों पर है, जो दर्शाता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार अधिक कीमत आकर्षक है।
- ज) वैश्विक इस्पात कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि इस्पात की कीमतें प्रकृति में चक्रीय हैं और वैश्विक इस्पात कीमतों में गिरावट की स्थिति में कम कीमत पर आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
- ज. प्राधिकारी द्वारा किए गए मूल्यांकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि शुल्क की समाप्ति की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने/बार-बार होने की संभावना है।
- झ. प्राधिकारी ने इस पर विचार किया है कि क्या पाटनरोधी शुल्क जारी रखने से जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है और पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने से भारतीय बाजार में संबद्ध सामानों के लिए एकाधिकारिक अथवा अल्पाधिकारिक स्थिति पैदा नहीं होगी।
- ञ. संदर्भ कीमत-आधारित शुल्क जो लागू है और जिसकी वर्तमान निर्णायक समीक्षा में प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गई है, यह सुनिश्चित करेगा कि विचाराधीन उत्पाद के प्रयोक्ताओं और आयातकों को उस समय दंडित नहीं किया जाएगा जब भारत में आयात क्षतिरहित कीमत से अधिक हो।

#### ण. सिफारिशें

211. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों/ प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के सभी पहलुओं और पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना के संबंध में सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। नियमावली के तहत उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क तथा पाटन और क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना की निर्णायक समीक्षा शुरू करने और निर्णायक समीक्षा करने पर प्राधिकारी का यह मत है कि संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जारी रखना आवश्यक है।
212. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण, यूक्रेन, कोरिया गणराज्य और जापान के उत्पादकों/निर्यातकों ने मूल जांच में भाग लिया था। तथापि, चीन जन. गण. और यूक्रेन के उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा

जांच में भाग नहीं लिया है। ऐसे परिदृश्य में, प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार शुल्क तालिका को नए सिरे से निर्धारित करना उपयुक्त मानते हैं।

213. प्राधिकारी इस संबंध में केंद्र सरकार जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित शुल्क तालिका के कॉलम 3 में वर्णित संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क की निम्नलिखित तालिका कॉलम 3 में वर्णित संबद्ध सामानों के पहुंच मूल्य और नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में दर्शाई गई राशि के बीच अंतर के रूप में सिफारिश की जाती है, बशर्ते कि पहुंच मूल्य से कॉलम 7 में दर्शाये गये मूल्य से कम हो। यदि पहुंच मूल्य कॉलम 7 में दर्शाए गए मूल्य से अधिक है, तो पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं होगा। इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित और सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क के लागू स्तर के अनुसार निर्धारणीय मूल्य होगा।

### शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	संबद्ध सामानों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	7209, 7211, 7225 and 7226	लोहा अथवा नॉन-अलॉय स्टील, अथवा सभी चौड़ाई और मोटाई के कोल्ड रोल्ड/कोल्ड कम किए हुए फ्लैट स्टील उत्पाद*	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	हुंडई स्टील कंपनी	576	मी. टन	अमे. डॉ.
2.	-वही-	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	पोसको	576	मी. टन	अमे. डॉ.
3.	-वही-	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	डोंगकु क इंडस्ट्रीज कं. लि.	शून्य (कृपया नीचे शुल्क तालिका की टिप्पणी-1 देखें)	मी. टन	अमे. डॉ.
4.	-वही-	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	डोंगकु क इंडस्ट्रीज कं. लि.	576	मी. टन	अमे. डॉ.



5.	-वही-	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	क्रमांक 1 से 4 तक के अलावा कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.
6.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन आने वाले देशों के अलावा कोई भी देश	कोरिया गणराज्य	कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.
7.	-वही-	-वही-	जापान	जापान सहित कोई भी देश	जेएफई स्टील कारपोरेशन	576	मी. टन	अमे. डॉ.
8.	-वही-	-वही-	जापान	जापान सहित कोई भी देश	निप्पाँन स्टील कारपोरेशन	576	मी. टन	अमे. डॉ.
9.	-वही-	-वही-	जापान	जापान सहित कोई भी देश	क्रमांक 7 से 8 के अलावा कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.
10.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन आने वाले देशों के अलावा कोई भी देश	जापान	कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.
11.	-वही-	-वही-	चीन जन. गण	चीन जन. गण सहित कोई भी देश	कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.
12.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन आने वाले देशों के अलावा कोई भी देश	चीन जन. गण	कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.

13.	-वही-	-वही-	यूक्रेन	यूक्रेन सहित कोई भी देश	कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.
14.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के अध्याधीन आने वाले देशों के अलावा कोई भी देश	यूक्रेन	कोई अन्य	576	मी. टन	अमे. डॉ.

\*सामानों के विवरण में निम्नलिखित के आयात शामिल नहीं हैं:

क) स्टेनलेस स्टील

ख) उच्च गति वाला स्टील अर्थात् अलॉय स्टील जिसमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत क्रोमियम का वजन से मिश्रित मात्रा के साथ 3 में से कम से कम 2 तक मोलिब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वनाडियम (वी) अन्य कारकों सहित अथवा उसके बिना निहित हो।

ग) कम से कम 0.6 प्रतिशत लेकिन 6 प्रतिशत से अनधिक सिलिकॉन और 0.08 प्रतिशत अनधिक कार्बन के वजन वाले ग्रेन ओरिएण्टेड और नॉन-ग्रेन ओरिएण्टेड स्टील अर्थात् एलॉय स्टील की पुष्टि करते हुए सिलिकॉन इलैक्ट्रिकल स्टील। इस स्टील में अधिक से अधिक 1 प्रतिशत एल्युमिनियम लेकिन उस अनुपात में कोई अन्य तत्व जो अन्य अलॉय स्टील की विशेषताएं इस स्टील में समाहित करेगा, वजन से शामिल नहीं हो सकता है।”

टिप्पण-1: केवल निम्नलिखित गुणवत्ता/ग्रेडों के लिए लागू:

- चौड़ाई = <600 मिमी ऑयल वाले और ट्रिम्ड एजेस के साथ न्यूनतम यूटीएस> = 590 एमपीए से युक्त उन्नत उच्च शक्ति गुणवत्ता के माइक्रो अलॉयड स्टील।
- चौड़ाई = <600 मिमी ऑयल वाले और ट्रिम्ड एजेस के साथ कार्बन> = 0.15% से युक्त मीडियम और हाई कार्बन स्टील।

#### त. आगे की प्रक्रिया

- इन निष्कर्षों से उत्पन्न होने वाले केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ एक अपील अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष होगी।

अनंत स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****FINAL FINDINGS****NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th September, 2021

**(Case No. A.D (SSR)-06/2021)**

**Subject : Final Findings in the Sunset review investigation concerning imports of “Cold Rolled/cold reduced flat steel products of iron or Non-Alloy Steel, or other Alloy Steel of all width and thickness - not clad, plated or coated” originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine.**

**F. No.7/6/2021-DGTR.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the “Anti-Dumping Rules” or “Rules” or “AD Rules”);

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

1. On 19th April 2016, the Directorate General of Trade Remedies (hereinafter referred to as “Designated Authority” or “Authority”) initiated an anti-dumping investigation on “cold-rolled flat products of alloy or non-alloy steel” (hereinafter referred to as “cold rolled steel” or “subject goods” or “product under consideration”) originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine (hereinafter referred to as “subject countries”) to examine the nature and extent of dumping and its injurious effect on the domestic industry. The original petition for imposition of anti-dumping duty was filed by Steel Authority of India Limited, JSW Steel Limited, ArcelorMittal Nippon Steel India Limited (Formerly Essar Steel India Limited) and JSW Steel Coated Products Limited.
2. The Authority issued the preliminary findings on 3rd August 2016 vide Notification No. No.14/12/2016-DGAD and recommended for imposition of provisional anti-dumping duty (ADD) in the form of reference price. The Central Government imposed the provisional anti-dumping duty on the subject goods on 17th August 2016 vide Notification No. 45/2016-Customs (ADD) for a period of six months. The provisional antidumping duty was extended on 7th February 2017 till 16th April 2017 vide Notification No. 06/2017-Customs (ADD).
3. The Authority issued the final findings on 10th April 2017 vide Notification No. 14/12/2016-DGAD and recommended imposition of anti-dumping duties for five years. On the basis of the aforesaid findings, the Central Government imposed the definitive anti-dumping duty in the form of reference price vide Notification No.18/2017-Customs (ADD) dated 12th May 2017 for a period of five years w.e.f. 17th August 2016.
4. In terms of Section 9A (5) of the Act, ADD imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. Further, Rule 23(1B) of the Rules provides as follows:

*"any definitive antidumping duty levied under the Act, shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the designated authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry."*

5. In accordance with the above, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, as to whether the expiry of the anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
6. And whereas, in terms of above provisions, Indian Steel Association, on behalf of Steel Authority of India Limited, JSW Steel Limited, JSW Steel Coated Products Limited, and ArcelorMittal Nippon Steel India Limited (hereinafter also referred to as the “Applicant” or “Applicant companies” or “domestic industry”) filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 and the Anti-Dumping Rules for initiation of Sunset review investigation concerning imports of “Cold Rolled/cold reduced flat steel products of iron or Non-Alloy Steel, or other Alloy Steel of all width and thickness - not clad, plated or coated” (hereinafter also referred to as the “product under consideration” or the “subject goods”) originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine (hereinafter also referred to as the “subject countries”). The petition is supported by Tata Steel Limited and Tata Steel BSL Limited (erstwhile Bhushan Steel Limited). The request was based on the grounds that the expiry of the measure was likely to result in continuation of dumping of the subject goods and consequent continuation of material injury to the Domestic Industry as well as a likelihood of recurrence of material injury.
7. And whereas, in view of the duly substantiated application filed by the Applicant, the Authority issued a public notice vide Notification No. F. No. 7/6/2021-DGTR dated 31<sup>st</sup> March 2021, published in the Gazette of India, initiating sunset review investigation on imports of the product under consideration from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine in accordance with AD Rules and to examine whether the expiry of the said duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
8. Pursuant to the initiation of sunset review, Anti-dumping duty has been extended till 15<sup>th</sup> December 2021 vide Notification No. 37/2021-Customs (ADD) dated 29<sup>th</sup> June 2021.
9. The scope of the present review covers all aspects of the Final Findings Notification No.14/12/2016-DGAD dated 10<sup>th</sup> April 2017 which had recommended the imposition of ADD on imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

#### **B. PROCEDURE**

10. The procedure described below has been followed in this investigation:
  - i. The Authority vide Notification no. 7/6/2021-DGTR issued a Notification dated 31st March 2021, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating sunset review of antidumping duties imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.
  - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 31st March 2021 to the Embassies of the subject countries in India, known producers and exporters from the subject countries, known importers/users and the other interested parties, as per the available information. The interested parties were advised to provide relevant information in the form and manner prescribed and make their submissions known in writing within the prescribed time-limit.
  - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassies of subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules *supra*.
  - iv. The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also shared with the Embassies along with the names and addresses of the known producers/exporters from the respective subject countries.
  - v. Upon the request made by the interested parties, the Authority granted extension of time upto 3<sup>rd</sup> June 2021 to file their response as well as submissions.

- vi. The Authority sent exporters' questionnaires to the following known exporters in the subject countries in accordance with the Rule 6(4) of the Rules to elicit relevant information:
- a. Jiangsu Shagang Group Company Limited
  - b. Angang Steel Company
  - c. Xinsa International Pte. Ltd. (Trader)
  - d. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
  - e. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
  - f. Angang Steel Company Limited (Producer)
  - g. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (Producer)
  - h. Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader)
  - i. Nippon Sumitomo
  - j. JFE Steel Corporation
  - k. Nissan Trading Co. Ltd. (Trader)
  - l. Sumitomo Corporation (Producer)
  - m. Honda Trading Corporation (Trader)
  - n. Ohmi Industries (Trader)
  - o. Kanematsu Corporation (Trader)
  - p. Nisshin steel Co. Ltd. (Producer)
  - q. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)
  - r. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
  - s. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation (Trader)
  - t. Mitsui & co. Ltd. (NCV Pending) (Trader)
  - u. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
  - v. Metal One Corporation (Trader)
  - w. POSCO
  - x. Hyundai Steel Co Ltd
  - y. Dongkuk Steel Mill Col Ltd.
  - z. Kowon Trading Corp (Trader)
  - aa. Dongkuk Industries Co. (Producer)
  - bb. Samsung C&T Corporation- (Hyundai) (Trader)
  - cc. Hyundai Steel Company (Producer)
  - dd. P&A Corporation (Trader)
  - ee. LG International Corp. (Trader)
  - ff. Hyundai Corporation (Trader)
  - gg. Posco Daewoo Corporation (Trader)
  - hh. Posco, Korea (Producer)
  - ii. Posco Processing & Service Co. Ltd. (Trader)
  - jj. Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works (Producer)
  - kk. Metinvest International SA (Trader)

- vii. Following companies have filed the exporter questionnaire responses as producers/exporters of the product under consideration:
- a. POSCO Korea RP
  - b. POSCO Asia Company Limited
  - c. POSCO International Corporation
  - d. Samsung C&T Corporation
  - e. Dongkuk Industries Co. Ltd.
  - f. GS Global Corporation
  - g. Hyundai Corporation
  - h. Hyundai Steel Company, Korea RP
  - i. IONCSTEEL Co. Ltd.
  - j. Kowon Trading Corp.
  - k. LG International Corp
  - l. JFE Steel Corporation
  - m. Nippon Steel Corporation
  - n. Kobe Steel Ltd.
  - o. Honda Trading Corporation
  - p. JFE Shoji Corporation
  - q. Kanematsu Corporation
  - r. Marubeni-Itochu Steel Inc.
  - s. Metal One Corporation
  - t. Nissan Trading co. Ltd.
  - u. Nippon Steel Trading Corporation
  - v. Ohmi Industries Limited
  - w. Steel Center Co. Ltd.
  - x. Sumitomo Corporation Global Metals Co. Ltd.
  - y. Tetsusho Kayaba Corporation
  - z. Toyota Tsusho Corporation
  - aa. Young Steel Co. Ltd.
- viii. The Authority forwarded a copy of the notification to the following known importers/consumers/user associations of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the prescribed time limit in accordance with the Rule 6(4) of Rules:
- a. Toyota Kirloskar Motor Pvt. Ltd
  - b. Sungwoohitech India Limited
  - c. PHA India (P) Ltd.
  - d. TI Metal Forming
  - e. Pyunghawa India Pvt. Ltd.
  - f. Hyundai Motors India Ltd
  - g. Hwashin Automotive India Pvt. Ltd.

- h. Sungwoo Stamping Pvt. Ltd.
- i. Myoung Shin India Automotive Private Ltd
- j. YSI Automotive Pvt. Ltd.
- k. Kwang Jin India Autosystems Pvt. Ltd
- l. Dymos Lear Automotive India Pvt. Ltd.
- m. Nippon Steel & Sumikin Pipe India Private Limited
- n. Rajasthan Prime Steel Processing Center Pvt. Ltd
- o. TT Steel Service India Pvt. Ltd.
- p. Baosteel India Company Pvt. Ltd.
- q. Hyundai Steel India Limited
- r. Posco Electrical Steel India
- s. Posco Maharashtra Steel Pvt. Ltd.
- t. Baosteel Company India Pvt
- u. POSCO IDPC, POSCO ICPC And POSCO IPPC
- v. Maruti Suzuki India Limited
- ix. Following importers/users responded and filed importer/user questionnaire responses:
  - a. POSCO Maharashtra Steel Pvt Ltd.
  - b. POSCO India Processing Center Pvt Ltd
  - c. POSCO India Pune Processing Center Pvt Ltd
  - d. Hyundai Motor India Ltd
  - e. Hyundai Steel Anantapur Private Limited
  - f. Hyundai Steel India Pvt Ltd
  - g. Hyundai Steel Pipe India Pvt Ltd
  - h. Kia Motors India Pvt Ltd
  - i. POS – Hyundai Steel Mfg. (I) Pvt Ltd
  - j. JFE Shoji Steel Pvt. Ltd.
  - k. Metal One Corporation India Pvt Ltd
  - l. Nippon Steel Trading India Pvt Ltd
  - m. TT Steel Service India Pvt Ltd.
  - n. Nippon Steel Pipe India Pvt Ltd
  - o. Rajasthan Prime Steel Processing Centre Pvt Ltd.
- x. The following Associations and other interested parties have participated or filed submissions during the course of investigation:
  - a. The Japan Iron and Steel Federation
- xi. The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April 2019 to 30th September 2020 (18 months). The injury examination period has been considered as the period from April 2016 - March 2017, April 2017 - March 2018, April 2018 - March 2019, and the POI.
- xii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the

- period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DGCI&S import data for computation of the volume & value of imports and injury analysis.
- xiii. Verification of the information and the data submitted by the domestic industry and the responding producers in the subject countries was carried out to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of this final findings.
  - xiv. The Non-Injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules has been worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
  - xv. Considering the fact that the subject goods are being imported in various grades/sizes/ dimensions, the Authority after taking into account views of the interested parties, and in line with the approach made in the original investigation, finalised Product Control Numbers (PCNs) in order to make a PCN-to-PCN comparison for computing the dumping and injury margin. Accordingly, the Authority has made PCN to PCN comparison for the purpose of computing dumping and injury margin in the present review investigation.
  - xvi. The Authority held oral hearing on 2<sup>nd</sup> August 2021 to provide an opportunity to the interested parties to present information orally in accordance with Rule 6(6). Oral hearing was held through video conferencing in view of the special circumstances arising out of the COVID-19 pandemic. All the parties who presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions in order to enable opposing interested parties to file rejoinders thereafter.
  - xvii. A disclosure statement containing the essential facts in this investigation which would form the basis of the final findings was issued to the interested parties on 03.09.2021 and the interested parties were allowed time upto 09.09.2021 to comment on the same. The comments on the disclosure statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this final findings' notification.
  - xviii. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation and the oral hearing, have been addressed in this final finding to the extent considered relevant by the Authority.
  - xix. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
  - xx. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has treated such parties as non-cooperative and recorded its finding on the basis of 'facts available'.
  - xxi. \*\*\* in this final finding represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
  - xxii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is US \$1= 73.17.

### C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 11. The product description is the same as was decided by the Authority in the final findings of the original investigation dated 10<sup>th</sup> April 2017.
- 12. The product under consideration is:



“Cold rolled cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated.

The PUC includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. The product concerned covers cold-rolled / cold-reduced flat steel products conforming to prime or non-prime quality whether or not rolled from 4-high reversible mill, 6-high reversible mill, Sendzimir mill, 20-high cold rolling mill, Pickling Lines and Tandem Cold Rolling Mills (PLTCM), Continuous Annealing Line (CAL) or any other cold rolling / cold reducing processes. These products may be oiled or supplied without oil of any type, standard, specification and grade. These products may be conforming to various qualities of steel including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra-high strength steels, alloy steels, microalloyed steel, TRIP steel (Transformation Induced Plasticity), tin mill black plates (TMBP), and many more qualities, whether or not vacuum degassed through any vacuum degassing process. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing Boron and / or Titanium and/or Vanadium or any other suitable elements of any level by weight.

These steels may find applications spread across various end-usages including but not limited to automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate etc. and many more applications.

The following are not included in the scope of the product under consideration:

- a) Stainless Steel.
- b) High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.
- c) Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e., alloy steels containing by weight, at least 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel.”

13. The PUC is used in many applications and sectors such as automotive, oil and gas line pipes/exploration, cold-rolling, pipe and tube manufacturing, infrastructure and construction, general engineering & fabrication, earth-moving & mining equipment, storage tanks, low pressure heaters, capital goods including plant and process equipment for cement, fertilizer, refineries etc. The PUC is classified under Custom Tariff Headings 7209, 7211, 7225 and 7226 of the Customs Tariff Act, 1975. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present review investigation.
14. In the original investigation, Product Control Number (PCN) methodology was proposed by the domestic industry, and the Authority determined PCNs in order to make a fair PCN to PCN comparison for computing the dumping margin. The Authority proposed PCN methodology in the notice of initiation of the sunset review and invited the interested parties to provide their comments within 10 days from the date of initiation.
15. The Authority issued final PCN methodology vide letter dated 22 April 2021. The PCNs prescribed and adopted by the Authority for the present sunset review is given below:

S. No.	Attributes	No. of Digits	Description	Code
1	<b>Product</b>	1	CRFH - Cold Rolled Full Hard including Partially Hard	F
			Annealed - Cold Rolled Annealed	A

S. No.	Attributes	No. of Digits	Description	Code
2	Form	1	"Coil" including slit coil	X
			"Not-In-Coil" including sheets and blanks of various shapes and sizes	Y
3	Alloy /Non-Alloy	1	Alloy	L
			Non-Alloy	N
4	Quality (Annealed)	4	Plain Carbon steels with Carbon $\leq 0.15\%$ and maximum UTS $\leq 410$ MPa - conforming to: a. Commercial quality; b. Drawing / Deep Drawing quality (D/DD) c. Extra Deep Drawing quality (EDD)	Q01Q
			Plain Carbon steels with Carbon $\leq 0.06\%$ and maximum UTS $\leq 350$ MPa - conforming to Interstitial Free - Extra Deep Drawing quality (IF-EDD)	Q02Q
			Plain Carbon High Strength steels whether or not Interstitial Free, with UTS $\geq 350$ MPa - IF-HS or HS	Q03Q
			Plain Carbon and / or Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality (AHSS) with minimum UTS $\geq 440$ MPa	Q04Q
			Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality (AHSS) with minimum UTS $\geq 590$ MPa	Q05Q
			Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality (AHSS) with minimum UTS $\geq 780$ MPa	Q06Q
			Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality (AHSS) with minimum UTS $\geq 980$ MPa	Q07Q
			Bake-Hardening Steel with minimum UTS $\geq 370$ MPa (BH)	Q08Q
			Dual-Phase Steel with minimum-UTS $\geq 370$ MPa (DP)	Q09Q
			Corrosion Resistant Steel (CORTEN)	Q10Q
			Medium and High Carbon steels with Carbon $> 0.15\%$	Q11Q
			Any other grades / quality	Q12Q
5	Thickness	1	$\leq 0.50$ mm	G
			$> 0.50 \leq 0.80$ mm	H

S. No.	Attributes	No. of Digits	Description	Code
			> 0.80 =< 1.20mm	I
			> 1.20mm	J
6	Width	1	=< 600mm	1
			> 600mm =< 900mm	2
			> 900mm	3
7	Longitudinal Edges (Edge Condition)	1	As Rolled edges / mill edges	R
			Trimmed edges	S
8	Surface Treatment / Surface Preparation	1	Oiled	O
			Uncoiled	U
<b>Example:</b> A non-alloy Cold Rolled Full Hard steel product is in coil form. It is a corrosion resistant product of thickness exceeding 1.2mm, having width of 700mm with trimmed edges and uncoiled surface treatment. The PCN for this product will be (11 digits): <b>FXNQ10QJ2SU</b>				

### C.1 Submissions made by the domestic industry

16. The following submissions have been made by the domestic industry during the course of the investigation –
- The domestic industry has not proposed PCN wise determination in this sunset review.
  - If PCN methodology is adopted, the Authority should adopt the same methodology as original investigation and conduct a PCN-to-PCN comparison for only dumping margin calculation.
  - Serial numbers 6 (Width), 7 (Longitudinal Edges) and 8 (Oiled/Uncoiled) can be deleted since these do not have significant impact on product differentiation.
  - Exclusion of any grade should be decided on technical specifications. Any submission relating to supply or quality related constraint ought to be made by a user and not by competing foreign producers/exporters.
  - Exclusion claimed by the interested parties is improper and not based on any technical or logical considerations. Quality of product or usage of product types by automobile sector cannot be the relevant criteria for deciding the exclusion of a particular product type. In *DSM Idemitsu v. Designated Authority & 2000* (119) E.L.T. 308, the Hon'ble Tribunal noted that difference in quality cannot be the relevant criteria for considering imported product as different from the domestic like product.
  - In the original investigation, Authority noted that interested party like Maruti Suzuki India Ltd, GPT Steel Industries and Hyundai Motor India Limited have requested for exclusion of various grades from the product scope but have claimed confidentiality on such exclusion lists or PCN lists and therefore their request for exclusion cannot be granted.
  - Nippon Steel Corporation has wrongly claimed that the domestic industry is not producing grades exported by Nippon Steel Corporation. In Questionnaire response filed by Nippon Steel Corporation, only one grade namely "Automobile use WSS-M1A367-A22 of 0.65mm thickness" has been noted as not being produced by the domestic industry.

- h. Grade WSS-M1A367-A22 of 0.65mm thickness is meant for automobile usage and is specific to one particular automobile company. The domestic industry also has technical approval from the automobile company for this grade.
- i. In the original investigation, the Authority has observed that the domestic industry either manufactured exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN for which the interested parties had requested exclusion. The scope of the product under consideration cannot change in the present sunset review as no new claim has been made regarding exclusion of any specific product type by the interested parties.
- j. The domestic industry has provided confidential PCN wise information regarding its cost and prices to the Authority.
- k. PCN wise information is relevant in an investigation or sunset review for determination of dumping margin and injury margin. No other aspect of the investigation is based on PCN wise analysis.

#### A.1 C.2 Submissions made by the other interested parties

17. The following submissions have been made by the other interested parties during the course of the investigation:

- a. The domestic industry has failed to provide any PCN wise information, in absence of which domestic industry's application cannot be considered duly substantiated as required under the AD Rules.
- b. Nippon Steel Corporation, one of the Japanese Mills, produces and exports various grades which are either not produced by the domestic industry or are not commercially or technically substitutable with the grades produced by the domestic industry. Grades exported by Nippon Steel Corporation must be excluded from the scope of the PUC.
- c. It is DGTR's practice to specifically exclude certain grades from the scope of the investigation as the domestic industry did not show sufficient evidence to prove that they supplied such grades in the POI and did not show equivalence of its grades that were sought to be excluded by the exporters.
- d. The price of the subject goods for automobile usage are much higher than common usage and therefore either nil dumping margin should be determined for the subject goods meant for automobile usage or the subject goods meant for automobile usage should be excluded.

#### A.2 C.3 Examination by the Authority

18. The product under consideration noted in the original investigation was as below:

*"Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated.*

*The PUC includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. The product concerned covers cold-rolled / cold-reduced flat steel products conforming to prime or non-prime quality whether or not rolled from 4-high reversible mill, 6-high reversible mill, Sendzimir mill, 20-high cold rolling mill, Pickling Lines and Tandem Cold Rolling Mills (PLTCM), Continuous Annealing Line (CAL) or any other cold rolling / cold reducing processes. These products may be oiled or supplied without oil of any type, standard, specification and grade. These products may be conforming to various qualities of steel including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra high strength steels, alloy steels, microalloyed steel, TRIP steel (Transformation Induced Plasticity), tin mill black plates (TMBP), and many more qualities, whether or not vacuum degassed through any vacuum degassing process. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing Boron and / or Titanium and/or Vanadium or any other suitable elements of any level by weight.*

*These steels may find applications spread across various end-usages including but not limited to automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate etc. and many more applications.*

*The following are not included in the scope of the product under consideration:*

- a) *Stainless Steel.*
- b) *High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.*
- c) *Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e., alloy steels containing by weight, at least 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel."*

19. It is noted that subject goods exported to India are identical to the goods produced by the domestic industry. The subject goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods from the subject countries in terms of technical specifications, manufacturing process & technology, functions & uses, pricing, distribution & marketing, and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially interchangeable. Accordingly, for the purpose of the present investigation, the subject goods are produced by the domestic industry is being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject countries.
20. Interested parties like Hyundai Steel Company, Korea RP, who have sought exclusion of product grades meant for automobile usage have stated that the automobile grades are imported at higher prices as compared to the grades of common usage and therefore these grades can be excluded from the scope of the product under consideration. The Authority notes that the import of goods at higher prices cannot be the reason for seeking exclusion of such goods from the scope of the product under consideration. In the original investigation, the Authority observed that exclusion of products such as "automotive" and "E&E" are generic, vague and unacceptable. The Authority also noted that in the absence of a specific request for product exclusion, no exclusion request can be accepted.
21. The Authority also notes that products cannot be excluded because they are meant for specific segment of user industry in India. Also, Hyundai Steel Company, Korea RP has not claimed that technical specifications or product types of these imported products are different from the goods produced and supplied by the domestic industry. Hyundai Steel Company, Korea RP has also not provided a list of grades to the other interested parties for which exclusion request has been made.
22. Regarding exclusion of product grades based on difference in quality between imported product and the like domestic product, the Authority notes that exclusions cannot be granted from the scope of product under consideration based on the argument of difference in quality. Difference in quality will not make an article different. The fact that qualities may be different, does not imply that the imported product is different from the domestic like product. The Authority also notes that the aspect of quality not being a factor for exclusion of a product from the scope of 'like article' has been held by the Hon'ble CESTAT in DSM Idemitsu Limited vs Designated Authority in which it was held that "The plea of the appellants' counsel is not convincing since he did not adduce any evidence/technical literature with reference to process of manufacture to show that product manufactured by the domestic manufacturers was different from the goods exported into India. He failed to substantiate that they are not similar and interchangeable except stating that they were of different grades. Difference in quality will not make an article as different and Designated Authority was right in observing 'that the fact that qualities may be different, does not imply that the imported product and the domestic are not like articles'. We do not find any valid reason to disturb the findings given by the Designated Authority on this issue".
23. With regard to the claim of Nippon Steel Corporation for exclusion of grade not produced by the domestic industry, Authority notes that Grade WSS-M1A367-A22 of 0.65mm thickness is specific to one user specification and not a distinguishable product type. Also, the domestic industry has shown

that it has received technical approval for the grade from such user. Communication from the user industry granting technical approval for grade WSS-M1A367-A22 to the domestic industry has also been submitted.

24. Accordingly, the scope of the PUC in the present sunset review investigation is same as in the original investigation.
25. The interested parties have failed to show any technical differences between the grades for which they have sought exclusion and the like article produced by the domestic industry. Merely stating that technical and quality differences exist is not sufficient to categorically state that the grades produced by Nippon Steel Corporation are neither produced by the domestic industry nor commercially or technically substitutable with the grades produced by the domestic industry.
26. Accordingly, the scope of product under consideration in the present sunset review investigation is:

*“Cold rolled cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated.*

*The PUC includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. The product concerned covers cold-rolled / cold-reduced flat steel products conforming to prime or non-prime quality whether or not rolled from 4-high reversible mill, 6-high reversible mill, Sendzimir mill, 20-high cold rolling mill, Pickling Lines and Tandem Cold Rolling Mills (PLTCM), Continuous Annealing Line (CAL) or any other cold rolling / cold reducing processes. These products may be oiled or supplied without oil of any type, standard, specification and grade. These products may be conforming to various qualities of steel including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra high strength steels, alloy steels, microalloyed steel, TRIP steel (Transformation Induced Plasticity), tin mill black plates (TMBP), and many more qualities, whether or not vacuum degassed through any vacuum degassing process. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing Boron and / or Titanium and/or Vanadium or any other suitable elements of any level by weight.*

*These steels may find applications spread across various end-usages including but not limited to automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate etc. and many more applications.*

*The following are not included in the scope of the product under consideration:*

- a) *Stainless Steel.*
- b) *High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.*
- c) *Silicon Electrical Steels conforming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e., alloy steels containing by weight, at least 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel.”*

The PUC is classified under Custom Tariff Headings 7209, 7211, 7225 and 7226 of the Customs Tariff Act, 1975. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present review investigation.

#### **D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

27. Rule 2(b) of the Antidumping Rules define domestic industry as under:

*“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said*

*article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers."*

### A.3 D.1 Submissions made by the domestic industry

28. The following submissions have been made by the applicant during the course of the investigation:

- a. Domestic producers constituting the domestic industry in the present sunset review are the same as in the original investigation. The domestic industry has 40-50% share in total Indian production of the subject goods during the POI. The share of domestic industry constitutes a major proportion share in the total domestic production in accordance with Rule 2(b) of the AD Rules.
- b. If the share of supporters is also taken into account, the domestic industry and supporters together have 60-70% share in the total Indian production of the subject goods.

### A.4 D.2 Submissions made by the other interested parties

29. The following submissions have been made by the other interested parties during the course of investigation:

- a. No member company has authorized the applicant Association to file an application with the Authority for the initiation of the present investigation. Numerous requisite documentations to be filed on behalf of the applicant companies empowering the applicant Association to file the petition have not been provided.
- b. The supporters of the Petition have not provided information as per the requisite format and form as per Trade Notice No. 13/ 2018 and Trade Notice No. 14/ 2018.
- c. The supporters are related to the exporters of the PUC from Japan.

### A.5 D.3 Examination by the Authority

30. The application has been filed by the Indian Steel Association (ISA) on behalf of Steel Authority of India Limited, JSW Steel Limited, JSW Steel Coated Products Limited and ArcelorMittal Nippon Steel India Limited. Relevant information and documents have been provided by the Association as prescribed by the Authority. The application is supported by Tata Steel Ltd. and Tata Steel BSL Ltd.
31. Steel Authority of India Limited, JSW Steel Limited and JSW Steel Coated Products Limited have neither imported the subject goods from the subject countries nor they are related to any exporter or importer of the subject goods.
32. Producer/exporter Nippon Steel Corporation (previously known as Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation) has no direct shareholding in ArcelorMittal Nippon Steel India Limited but is a minority shareholder in an intermediate holding company. ArcelorMittal Nippon Steel India Limited has not imported the PUC from Nippon Steel Corporation during the POI.
33. Rule 2(b) of the AD Rules provides discretion to the Authority on the issue of exclusion of a domestic producer from the ambit and scope of the domestic industry on account of its relationship with an exporter in the subject country. Authority notes that relationship of ArcelorMittal Nippon Steel India Limited with Nippon Steel Corporation is not such so as to cause ArcelorMittal Nippon Steel India Limited to behave differently from other non-related producers.
34. The Authority holds that there is no justification to consider ArcelorMittal Nippon Steel India Limited as ineligible domestic industry under Rule 2(b) of the AD Rules.
35. It is noted that the applicant Association has provided necessary information for the purpose of the present sunset review investigation in the addendum to the petition. The supporters have provided the requisite information as prescribed in the Trade Notice No. 13 of 2018.
36. The Authority holds that Indian Steel Association is an eligible applicant.
37. As per evidence available on record, the applicant companies/producers (Steel Authority of India Limited, ArcelorMittal Nippon Steel India Limited, JSW Steel Limited and JSW Steel Coated

Products Limited) account for a major proportion in the domestic production of the like article in India. It is noted that the applicant producers, along with the supporters, account for more than 50% of the total domestic production. In view of the above, the Authority holds that the applicant producers constitute eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b), and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3), of the Rules supra.

#### **E. MISCELLEANOUS SUBMISSIONS**

##### **A.6 E.1 Submissions made by the domestic industry**

38. The following submissions have been made by the domestic industry during the course of the investigation:

- a. Interested parties which have registered themselves with the Authority within timelines prescribed and have not filed any questionnaire response may not be prevented from participating in other stages of the investigation but the Authority may grant more weightage to the submissions made by interested parties, which have provided their questionnaire responses.
- b. The Authority may adopt sampling methodology in the present review due to participation of large number of producers/exporters and to ensure a timely conclusion of the review.

##### **A.7 E.2 Submissions by other interested parties**

39. The following submissions have been made by other interested parties during the course of investigation:

- a. No substantive evidence has been provided by the applicant to prove the satisfaction of condition to initiate present sunset review investigation. The Petition is not duly substantiated, and initiation fails to meet threshold set by Rule 23 of AD Rules.
- b. The claim concerning domestic industry's 22% return on capital employed for determination of non-injurious price is highly inflated and is not based on real situation.
- c. Indian steel companies are under scrutiny by the Competition Commission of India for allegations concerning price cartelization.
- d. Domestic industry enjoys benefits from various favourable government policies.
- e. Transaction-wise import data of product under consideration has not been provided to the interested parties in excel format.
- f. Sampling of producers/exporters is not warranted as there are very few producers who have participated in the investigation. Majority of participating entities from subject countries are exporters/traders of subject goods.
- g. Post-POI information has not been provided by the domestic industry. Post-POI information of domestic industry should be analysed by the Authority in a sunset review investigation.
- h. Anti-dumping duty has not been imposed by Ministry of Finance pursuant to other anti-dumping investigations despite recommendation of the Authority.

##### **A.8 E.3 Examination by the Authority**

40. The submissions made by the domestic industry and the opposing interested parties and considered relevant, are addressed by the Authority as below:

41. The current sunset review investigation was initiated on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicant. The Authority examined the claims of the domestic industry and initiated the sunset review investigation on being satisfied that there was sufficient prima facie evidence to show that cessation of anti-dumping duty is likely to lead to continuation/recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry.
42. Regarding the initiation of investigation by CCI on domestic steel producers, the Authority notes that the Authority in this sunset review investigation has examined the need for continuation of anti-



dumping duty, which is based on the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in the event of revocation of the existing anti-dumping duty. This is in line with the observation of the Hon'ble Supreme Court in Haridas Exports Vs. All India Float Glass Mfrs. Association and Ors that the CCI operates in a different field to that of the Authority in an anti-dumping investigation and they have no bearings on each-other. Any allegation of cartelization is beyond the ambit of the Authority and the CCI is empowered separately to adjudicate upon such allegations.

43. Regarding the rejection of recommendations of the Authority by the Ministry of Finance in several cases, the Authority notes that non-imposition of anti-dumping duty by the Ministry of Finance pursuant to recommendation by the Authority in other investigations or reviews is beyond the scope of the present sunset review. Anti-dumping duty is recommended by the Authority in a sunset review after examining the existence of likelihood of the continuation or the recurrence of dumping and injury.
44. Regarding the issue of excessive return on capital employed, the Authority notes that 22% return on capital employed has been allowed for calculation of non-injurious price for the domestic industry as per the consistent practice of the Authority and the interested parties have not presented any evidence to show that 22% return on capital employed should not be applied in the present sunset review.
45. Regarding existing measures by Government of India to support domestic steel industry, the Authority notes that the various existing policy initiatives taken by the Government are not aimed at remedying the injurious impact of dumped imports. Such initiatives do not arrest dumped imports that causes injury to the domestic industry. Existence of government policies for domestic steel industry cannot justify trade distorting practice such as dumping.
46. The procedure for sharing and procuring import data has been laid down in the Trade Notice 07/2018. The hard copy of the sorted import data was made accessible to the interested parties upon providing undertaking as per prescribed format. Interested parties can also procure raw transaction by transaction import data from DGCI&S after providing an undertaking as prescribed under Trade Notice 07/2018.
47. Regarding the need for adopting sampling methodology, Authority notes that sampling methodology is not adopted in the present investigation as only limited number of producers have participated in the sunset review.
48. Regarding the claim concerning examination of post-POI data, Authority notes that post-POI information is not a legally mandated factor to be considered in a review investigation. Extended POI of 18 months provides enough requisite insight into the current and likely dumping and injury suffered by the domestic industry.

## **F. CONFIDENTIALITY**

### **A.9 F.1. Submissions of the domestic industry**

49. The following submissions have been made by the applicant with regard to confidentiality:
  - a. There are numerous instances of excessive confidentiality in the questionnaire response filed by producers/exporters from Japan and Korea RP.
  - b. Kobe Steel Ltd has provided a nearly blank questionnaire response. All responses to question have been marked as confidential. Further, no appendices or financial data has been provided in any palatable non-confidential form.

### **A.10 F.2 Submissions by other interested parties**

50. The following submissions have been made by other interested parties during the course of investigation:
  - a. ArcelorMittal Nippon Steel India Limited, has claimed excessive confidentiality in respect of Annual Reports.
  - b. Petitioners have claimed excessive confidentiality by not providing the actual figures as per the Trade Notice No. 10/2018 dated 7th September 2018 issued by the Authority.

**A.11 F.3 Examination by the Authority**

51. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties as per Rule 6(7).

52. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provide as follows:

*“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”*

53. Submissions made by the domestic industry and other opposing interested parties with regard to confidentiality, to the extent considered relevant, have been examined by the Authority and addressed accordingly. The Authority notes that the information provided by the interested parties on confidential basis was duly examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority also notes that all interested parties have claimed their business-related sensitive information as confidential.

54. A list of all interested parties was uploaded on DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all other interested parties since the public file was not accessible physically due to ongoing global pandemic.

**G. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN****G.1. Normal Value**

55. Under Section 9A (1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

*i. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*ii. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

*a. comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*b. the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or*

*such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

## **G.2. Submissions made by the domestic industry**

56. The following submissions have been made by the domestic industry during the course of investigation:

- a. Chinese producers of subject goods are operating under non-market economy condition. Normal value for Chinese producers cannot be based on domestic selling prices and costs prevailing in China PR unless it is demonstrated that Chinese producers are operating under market economy conditions.
- b. International price of raw material (HR Coil) based on prices published in worldsteel.com (<https://worldsteelprices.com/asia/>) has been adopted and considered for construction of normal value. The raw material consumption has been taken based on the experience of the domestic industry.
- c. Conversion costs have been considered based on the experience of the domestic industry.
- d. SGA costs and Finance costs have been considered based on the experience of the domestic industry.
- e. A profit margin of 5% has been considered for working out the normal value.
- f. Export price is determined at ex-factory level. From the CIF export price, calculated as per DGCI&S import data, relevant adjustments have been made to arrive at ex-factory export price.
- g. The dumping margin so determined based on comparison between normal value and export price is positive and substantial.
- h. It must be noted that producers/exporters from China PR and Ukraine have not participated. Therefore, the Authority should proceed to determine dumping margin for exports from China PR and Ukraine based on facts available.
- i. Producers/exporters (i) JFE Steel Corporation (ii) POSCO and (iii) Nippon Steel Corporation have incurred losses on export sales to India during the POI. Therefore, even if actual data of these producers/exporters is relied upon, it is clear that they have exported to India below their cost of sales i.e. at dumped prices.

## **G.3. Submissions made by other interested parties**

57. The following submissions have been made by other interested parties during the course of investigation:

- a. Producers/exporters from Japan and Korea RP have filed questionnaire response and have provide relevant information. Normal value, export price and dumping margin should be determined based on questionnaire response filed by producers/exporters.
- b. The Petitioners have failed to provide any explanation as to how prices from worldsteelprices.com specifically reflect the cost of production in subject countries.
- c. The Petitioner has not justified why its experience is comparable to that of producers in subject countries for conversion costs, SGA costs and finance costs.
- d. Profit margin of 5% for working out the normal value has not been justified or supported with any evidence.

## **G.4. Examination by the Authority**

58. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters from the subject countries have filed exporter's questionnaire response:

- a. POSCO Korea RP
  - b. POSCO Asia Company Limited
  - c. POSCO International Corporation
  - d. Samsung C&T Corporation
  - e. Dongkuk Industries Co. Ltd.
  - f. GS Global Corporation
  - g. Hyundai Corporation
  - h. Hyundai Steel Company, Korea RP
  - i. IONCSTEEL Co. Ltd.
  - j. Kowon Trading Corp.
  - k. LG International Corp
  - l. JFE Steel Corporation
  - m. Nippon Steel Corporation
  - n. Kobe Steel Ltd.
  - o. Honda Trading Corporation
  - p. JFE Shoji Corporation
  - q. Kanematsu Corporation
  - r. Marubeni-Itochu Steel Inc.
  - s. Metal One Corporation
  - t. Nissan Trading co. Ltd.
  - u. Nippon Steel Trading Corporation
  - v. Ohmi Industries Limited
  - w. Steel Center Co. Ltd.
  - x. Sumitomo Corporation Global Metals Co. Ltd.
  - y. Tetsusho Kayaba Corporation
  - z. Toyota Tsusho Corporation
  - aa. Young Steel Co. Ltd.
59. None of the producers/exporters of subject goods from China PR and Ukraine have filed exporter's questionnaire response.
60. The Authority devised Product Control Numbers (PCNs) in the present sunset review in order to make a PCN-to-PCN comparison. The Authority has first determined dumping margin for each PCN by comparing the export price and normal value at PCN level. Thereafter, weighted average dumping margin for the PUC as a whole has been determined. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of exactly matching PCN, normal value has been constructed either based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits, or based on domestic selling price of closely resembling PCN.
61. The Authority has made appropriate adjustments to the export price in those cases where it was noted that the related or unrelated trader involved in the export chain to India or the related importer in India were incurring losses on the sales of PUC.
62. Keeping in view the submissions of interested parties, the normal value and export price for all producers/exporters from the subject countries has been determined as follows.

**G.4.1. Normal Value Determination****China PR**

63. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

*“Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 (“Anti-Dumping Agreement”) and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:*

- a. In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
  - i. If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
  - ii. The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*
- b. In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China PR may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China PR.*
- c. The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with sub paragraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with sub paragraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
- d. Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector.”*

64. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a) (ii) has expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. It is noted that since producers/ exporters from China PR have not submitted response to MET/supplementary questionnaire in the form and manner prescribed, the normal value computation is required to be done as per provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.

65. As none of the producers from China PR have filed the Supplementary Questionnaire response, the normal value has been determined in accordance with Para 7 of Annexure I of the Rules. In the absence of sufficient information on record, regarding the other methods as are enshrined in Para 7 of Annexure I of the Rules, the Authority has determined the normal value on "any other reasonable basis". The Authority has, therefore, constructed the normal value for China PR on the basis of international price

of raw material (HR Coil), conversion costs and selling, general and administrative expenses based on experience of domestic industry and reasonable profit margin. The constructed normal value so determined for Chinese producers/exporters is mentioned in the dumping margin table.

#### **G.4.2. Determination of Export Price**

66. As none of the producers/exporters from China PR have filed questionnaire response, export price from China PR has been determined considering volume and value of imports for the period of investigation as per DGCIS published data. Further, it is noted that sufficient details are not available in DGCIS import data to arrive at PCN wise export price. Therefore, the Authority has considered single weighted average export price for determination of dumping margin in case of China PR. Adjustments have been made for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges, commission, bank charges and non-refundable VAT.

#### **Ukraine**

#### **G.4.3. Determination of Normal Value**

67. None of the producers/exporters from Ukraine have participated in the present sunset review investigation and filed questionnaire response. In absence of cooperation from the producers/exporters of product under consideration in Ukraine, the Authority is not able to determine individual normal value for producers/exporters and is constrained to proceed with the principles of best available information in terms of Rule 6(8) of the Rules with regard to determination of individual normal value for producers/exporters from Ukraine. The Authority has, therefore, constructed the normal value for Ukraine on the basis of international price of raw material (HR Coil), Conversion costs and selling, general and administrative expenses based on experience of domestic industry and reasonable profit margin. The constructed normal value so determined for producers/exporters from Ukraine is mentioned in the dumping margin table.

#### **G.4.4. Determination of Export Price**

68. None of the producers/exporters from Ukraine have participated in the present sunset review investigation and filed questionnaire response. In absence of cooperation from the producers/exporters of product under consideration in Ukraine, the Authority is not able to determine individual export price for producers/exporters on the basis of their questionnaire response and is constrained to proceed with the principles of best available information with regard to determination of export price. In view of non-cooperation of the producers/exporters, the Authority determined export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules considering volume and value of imports for the period of investigation as per DGCIS published data. Further, it is noted that sufficient details are not available in DGCIS import data to arrive at PCN wise export price. Therefore, the Authority has considered single weighted average export price for determination of dumping margin in case of Ukraine. Adjustments have been made for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges, commission and bank charges. The normal value and export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

#### **Japan**

##### **(i) Kobe Steel Ltd. Japan**

69. Kobe Steel Ltd., Japan has not provided complete information in the prescribed questionnaire format. Therefore, Authority has not accepted questionnaire response filed by Kobe Steel Ltd. The Authority has not determined any individual dumping margin for Kobe Steel Ltd. due to incomplete information. The Authority considers Kobe Steel Ltd. as non-cooperative.

##### **(ii) JFE Steel Corporation (“JFE”)**

##### **Normal Value**

70. During the POI, JFE has sold the subject goods in the domestic market either directly to users or through local traders.
71. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions for a particular PCN is more than 80%, then the authority has considered all

the transactions in the domestic market for the said PCN for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions for a particular PCN is less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales or sufficiency test was not met for a particular PCN, normal value was either constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits or based on domestic selling price of closely resembling PCN.

72. JFE has claimed adjustments on account of inland freight, inland insurance, storage cost and credit cost. The Authority has verified and accepted these adjustments after remote cross check. The normal value at ex-factory level for JFE has been determined accordingly, and the same is shown in the Dumping Margin Table.

#### **Export Price**

73. JFE filed a questionnaire response along with its related/unrelated trading companies JFE Shoji Corporation, Toyota Tsusho Corporation, Ohmi Industries Ltd, Young Steel Co. Ltd, Nissan Trading Co. Ltd, Metal One Corporation.
74. The Authority notes that the cooperating entities account for 100% of the total sales made by JFE through related/unrelated traders, whereby the quantity and export price reported by JFE and its traders has been adopted by the Authority for determining the dumping and injury margin.
75. The Authority, while calculating the export price has considered data of the producer. JFE has claimed adjustments on account of inland freight, inland insurance, storage cost and credit cost and the same have been allowed after a remote cross check and desk verification. The export price at ex-factory level has been determined accordingly, and the same is shown in the Dumping Margin Table.

#### **(iii) Nippon Steel Corporation ("NSC")**

##### **Normal Value**

76. During the POI, NSC has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The Authority notes that two related entities i.e., Nippon Steel Trading Corporation and Steel Center Co. Ltd have filed their response.
77. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods.
78. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market and in cases where profitable transactions is less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales or sufficiency test was not met for a particular PCN, normal value was either constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits or based on domestic selling price of closely resembling PCN.
79. NSC has claimed adjustments on account of rebate, warranty, credit note, inland freight, inland insurance, storage cost and credit cost. The Authority has accepted these adjustments after verification through remote cross check. Accordingly, the normal value at ex-factory level for NSC has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Export Price**

80. NSC filed a questionnaire response along with its related/unrelated trading companies Kanematsu Corporation, Nippon Steel Trading Corporation, Metal One Corporation, Toyota Tsusho Corporation, Honda Trading Corporation, Marubeni-Itochu Steel Inc, Sumitomo Corporation Global Metals Co. Ltd, and Hanwa Co., Ltd who have exported the subject goods to India manufactured by the NSC. Further, NSC has also exported some quantities through other traders who have not filed their questionnaire response with the Designated Authority.
81. However, it is also noted by the authority that the exports to India made through non-cooperative unrelated parties are insignificant in terms of total exports to India.

82. For working out export price of the producer M/s NSC, the Authority has considered the actual export price for chain comprising NSC and cooperating traders who have duly participated in the investigation and submitted response in the form and manner prescribed, and export price based on the best available information for the non-cooperating traders of NSC who have not filed the information in the form and manner prescribed. Accordingly, the export price for NSC has been determined based on the weighted average export price of all exports' channels to India.
83. NSC has claimed adjustments on account of inland freight, inland insurance, storage cost and credit cost and the same have been allowed. The net export price at ex-factory level has accordingly been determined for NSC and the same is shown in the Dumping Margin Table.

**(iv) Normal Value and Export price for non-cooperating producers and exporters from Japan**

84. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation.
85. In view of non-cooperation, the Authority has determined normal value for all non-cooperating producers as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.
86. With regard to export price, in view of non-cooperation of the producers/exporters, the Authority determined export price for all non-cooperating producers as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Adjustments have been made for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges, commission and bank charges. The normal value and export price so determined for all non-cooperating producers and exporters from Japan is mentioned in the dumping margin table.

**Korea RP**

**(i) POSCO**

**Normal Value**

87. During the POI, POSCO has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The authority notes that one of the related parties of the POSCO, M/s. POSCO International Corporation engaged in the domestic sales has filed the questionnaire response. In addition, two other related trading companies namely M/s Winsteel Co., Ltd and Taechang Steel Co., Ltd are engaged in the domestic sales. Both of these trading companies have filed the details of further domestic sales and profitability statement.
88. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions for a particular PCN is more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the said PCN for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions for a particular PCN is less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales or sufficiency test was not met for a particular PCN, normal value was either constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits or based on domestic selling price of closely resembling PCN.
89. POSCO has claimed adjustments on account of freight, warehouse expense, warranty cost, packing cost and credit cost. The Authority has verified and accepted these adjustments. The normal value at ex-factory level for POSCO has been determined accordingly, and the same is shown in the Dumping Margin Table.

**Export Price**

90. M/s POSCO, a producer of the subject goods in Korea RP has filed a questionnaire response along with its related/unrelated trading companies namely POSCO International Corporation, POSCO Asia Company Limited, Samsung C&T Corporation, Hyundai Corporation and GS Global Corporation who have exported the subject goods produced by POSCO. POSCO has also made direct exports to its related company in India namely, M/s POSCO Maharashtra Steel Pvt. Ltd.
91. The Authority notes that the cooperating entities account for \*\*\*% of the total sales made by POSCO through related/unrelated traders, whereby the quantity reported by POSCO, and trading companies



has been adopted by the Authority as exports to India by POSCO for determining the dumping and injury margin. For working out export price of the producer M/s POSCO, the Authority has considered the actual export price for chain comprising POSCO and cooperating traders who have duly participated in the investigation and submitted response in the form and manner prescribed, and export price based on the best available information for the non-cooperating traders of POSCO who have not filed the information in the form and manner prescribed. Further the Authority has also made appropriate adjustment for the loss incurred by the traders. Accordingly, the export price for POSCO has been determined based on the weighted average export price of all exports' channels to India.

92. The export sales of POSCO through its cooperating unrelated/related trading companies are on CFR/FAS/EXW basis. POSCO has claimed adjustments on account of ocean freight, inland freight, credit cost, packing cost and warranty cost and the same have been allowed after a remote cross check and desk verification. Accordingly, the export price has been determined for POSCO at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table.

**(ii) M/s Dongkuk Industries Co., Korea RP**

**Normal value**

93. It is noted that during the POI, M/s Dongkuk Industries Co., Korea RP, has sold the subject goods in the domestic market to unrelated parties only. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. The Authority noted that if profit making transactions are more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales or sufficiency test was not met for a particular PCN, normal value was either constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits or based on domestic selling price of closely resembling PCN.
94. Dongkuk Industries Co., Korea RP, has claimed adjustments on account of inland transportation, credit cost and packing expenses and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, normal value at ex-factory level for Dongkuk Industries Co., Korea RP, has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price**

95. It is noted that M/s Dongkuk Industries Co., who is a producer and exporter of the subject goods in Korea RP, has exported the subject goods to India directly and through four unrelated traders namely IONCSTEEL Co. Ltd., Korea RP, Kowon Trading Corp, Korea RP, POSCO International, Korea RP, and JD Corporation, Korea RP, out of which JD Corporation, Korea RP, has not filed its exporters questionnaire response with the Authority, which constitute only \*\*\* % of total exports to India by Dongkuk Industries Co. For working out export price of the producer, M/s Dongkuk Industries Co., the Authority has considered the actual export price for chain comprising Dongkuk Industries Co., and cooperating traders who have duly participated in the investigation and submitted response in the form and manner prescribed, and export price based on the best available information for the non-cooperating traders of Dongkuk Industries Co., who have not filed the information in the form and manner prescribed. Accordingly, the export price for Dongkuk Industries Co., has been determined based on the weighted average export price of all exports' channels to India.
96. Dongkuk Industries Co., Korea RP, IONCSTEEL Co. Ltd., Korea RP, POSCO International, Korea RP and Kowon Trading Corp, Korea RP, have provided all the relevant information in requisite format. Dongkuk Industries Co., Korea RP, has claimed adjustments on account of credit cost, air freight expenses, ocean freight, insurance, inland transportation, export handling fee, packing expenses, bank charges, commission and warehouse expense and the same has been allowed after remote cross check and desk verification. Accordingly, the export price has been determined at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table.

**(iii) M/s Hyundai Steel Company, Korea RP****Normal value**

97. During the POI, Hyundai Steel Company, Korea RP, has sold subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. The Authority noted that if profit making transactions are more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales or sufficiency test was not met for a particular PCN, normal value was either constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits or based on domestic selling price of closely resembling PCN. Hyundai Steel Company, Korea RP, has claimed adjustments on account of inland transportation, ocean freight and credit expenses and the same have been allowed by the Authority after remote cross check and desk verification. Accordingly, normal value at ex-factory level has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table.

**Export Price**

98. Hyundai Steel Company, who is a producer and exporter of the subject goods in Korea RP, has exported the subject goods to India indirectly through three unrelated/related traders namely GS Global Corporation, Korea RP, LG International Corporation, Korea RP, and Hyundai Corporation, Korea RP. The subject goods have been exported to both related and unrelated Indian customers. It was observed by the authority that there was significant variation between the export sales price to its related company and the export sales price to unrelated customers in India for the same PCN/Grade. Hyundai Steel, Korea RP, was unable to provide any valid reasons for such a significant variation in export sales price between related and unrelated parties for the same PCN/grade. Therefore, Authority has only considered the export sales to unrelated parties for determination of export price. Hyundai Steel Company, has claimed adjustments on account of ocean freight, inland transportation, port and other related expenses and credit cost and same have been allow after remote cross check and desk verification. Accordingly, the export price has been determined at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**(iv) Normal Value and Export price for non-cooperating producers and exporters from Korea RP**

99. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation.
100. In view of non-cooperation, the Authority has determined normal value for all non-cooperating producers as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.
101. With regard to export price, in view of non-cooperation of the producers/exporters, the Authority determined export price for all non-cooperating producers as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Adjustments have been made for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges, commission and bank charges. The normal value and export price so determined for all non-cooperating producers and exporters from Korea RP is mentioned in the dumping margin table.

**G.4.5. Dumping Margin**

102. Considering the normal value and export price determined, as explained above, it is noted that the dumping margin for China PR, Japan, Korea RP and Ukraine are more than the de-minimis limit prescribed under the Rules.

Dumping margin Table

Country	Producer/Exporter	Normal Value (USD/MT)	NEP (USD/MT)	DM (USD/MT)	DM %	Range
Japan	JFE Steel Corporation	***	***	***	***	20-30
Japan	Nippon Steel Corporation	***	***	***	***	50-60

Japan	All Others	***	***	***	***	60-70
Korea RP	POSCO	***	***	***	***	0-10
Korea RP	Dongkuk Industries Co. Ltd.	***	***	***	***	0-10
Korea RP	Hyundai Steel Company	***	***	***	***	10-20
Korea RP	All Others	***	***	***	***	130-140
China PR	Any Producer/Exporter	***	***	***	***	20-30
Ukraine	Any Producer/Exporter	***	***	***	***	50-60

## H. EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

### H.1. Submissions made by the domestic industry

103. The submissions of the domestic industry with regard to injury and causal link are as under:

- Imports from subject countries are significant both in absolute terms and in relation to total imports into India and Indian demand even after imposition of anti-dumping duty.
- The decline in imports during the last six months of the POI, i.e. from April 2020 to September 2020, is due to the Covid-19 pandemic. Imports will increase once the Covid-19 situation improves.
- Price undercutting from subject countries was negative during the majority of the injury investigation period in the original investigation as well. Price undercutting was negative for imports from Japan even in the POI of original investigation.
- Anti-dumping duty imposed on the import of subject goods and which has been in force during the injury investigation period has been based on reference price mechanism. It was incumbent upon the producers/exporters from subject countries to keep the prices above reference price level.
- Authority should also assess price undercutting by considering import price that was prevailing prior to the imposition of reference price based anti-dumping duty.
- In case of reference price based anti-dumping duty, actual import price cannot be simply relied upon for determining price undercutting because the element of anti-dumping duty is inbuilt in import/export price from subject countries. Therefore, price undercutting should be assessed after deducting the 'inbuilt' anti-dumping duty in the import price. If Authority excludes the average antidumping duty as calculated during the original investigation, the price undercutting would turn significantly positive.
- It has been noticed in several anti-dumping investigations conducted by the Authority in past that exporters from Korea RP export the subject goods to India at a higher price and their related party resells the subject goods at a loss. Price undercutting determined by simply taking the average import prices from Korea RP would not give the correct picture.
- Authority should investigate whether exporters from Korea RP followed different pricing for related exporters vis-a-vis unrelated exporters.
- There is also practice amongst the producers/exporters to specify delivery term as CIF whereas the goods are delivered at ICD and as a result the price on record includes an additional price element of transportation cost from first port of import to ICD port. As per Customs Valuation Rules, the freight element from first port of import to ICD is not to be included in the value for customs purposes and accordingly the same should also not be included while calculating landed value for anti-dumping investigation.
- Producers/exporters from subject countries were aware about the precise period of sunset review and therefore it was possible for them to keep the average prices higher for their

exports to India. Authority should investigate whether the increase in export price is based on economic rationale or is temporary.

- k. Subject goods comprise of multiple product types falling under several tariff headings and prices vary significantly between different product types.
- l. There is considerable price variation in export/import price from subject countries. Authority should also consider import transactions at lower prices that are undercutting domestic sales. Assessment of the Authority should not be limited to average price undercutting. Authority should assess the impact of low-priced import transactions on the sales of domestic industry.
- m. Authority should not consider only average import price because the import prices are not consistently higher during the POI. There is significant price variation in imports and the impact of import transactions at lower prices is required to be considered separately. Existence of price variation is relevant because many of the Indian customers quote the prices at which the imported goods are coming into the country and ask the domestic industry to match the imported prices.

Period	Rs/MT				
	China PR	Japan	Korea RP	Ukraine	Total Subject Countries
Apr-19	49,664	<b>44,993</b>	53,436	-	50,350
May-19	43,875	54,334	55,297	-	54,350
Jun-19	51,390	46,071	52,156	39,057	49,119
Jul-19	45,187	51,916	53,579	35,712	51,401
Aug-19	44,753	46,519	52,115	-	49,699
Sep-19	44,470	47,184	51,374	-	49,671
Oct-19	48,269	47,457	55,835	-	53,065
Nov-19	48,338	64,046	57,245	-	56,911
Dec-19	52,370	59,105	55,295	-	55,386
Jan-20	51,360	63,305	55,941	-	56,197
Feb-20	50,408	62,878	55,278	-	55,303
Mar-20	53,283	63,387	59,635	-	59,842
Apr-20	51,818	64,989	59,667	-	59,233
May-20	<b>40,281</b>	47,665	<b>48,033</b>	-	<b>47,145</b>
Jun-20	-	<b>68,155</b>	51,128	-	55,573
Jul-20	52,012	66,264	59,776	-	59,106
Aug-20	<b>70,710</b>	63,875	<b>59,826</b>	-	<b>60,465</b>
Sep-20	50,917	62,554	59,417	-	59,394
<b>Total</b>	<b>47,128</b>	<b>49,336</b>	<b>54,975</b>	<b>38,076</b>	<b>53,055</b>

- n. The lowest import price from China PR was in the month of May 2020 and was Rs. 40,281/- whereas the highest import price from China PR was in the month of August 2020, which was Rs. 70,710/-. Similarly, lowest import price from Japan was in the month

of April 2019 and was Rs. 44,993/- whereas the highest import price from Japan was in the month of June 2020, which was Rs. 68,155/. Lowest import price from Korea RP was in the month of May 2020 and was Rs. 48,033/- whereas the highest import price from Korea RP was in the month of August 2020, which was Rs. 59,826/-.

- o. It can be seen that there is significant price variation between the import price from different countries. The average CIF import price from Ukraine is Rs. 38,076/- per MT whereas the average CIF import price from Korea RP is Rs 54,975/- per MT.
- p. If the anti-dumping duty is discontinued, the extent of price suppression and depression would change significantly.
- q. Production, domestic sales and capacity utilization of the domestic industry improved till 2018-19 and thereafter declined during the POI(A).
- r. Profitability of the domestic industry improved till 2018-19 and thereafter, declined during the POI(A). If the current anti-dumping duty protection is withdrawn, it will severely affect the profitability of the domestic industry going forward.
- s. The cash profits earned by the domestic industry have followed a similar trend as profitability and has significantly decreased during POI(A) after improving till 2018-19.
- t. Quality of the goods produced by the domestic industry is at par with the imported goods. Domestic industry has sufficient capacity to cater to Indian demand and therefore, availability of material is not a constraint. Delivery problems are also almost non-existent. Many of the Indian customers quote the prices at which the imported goods are coming into the country and ask the domestic industry to match the imported prices.
- u. There is a decline in demand during the last six months of the POI i.e. from April 2020 to September 2020 due to the Covid-19 pandemic. It is expected that the demand will increase once the Covid-19 situation improves.
- v. There are no trade restrictive practices, technology issues, export performance issues, productivity issues or any other factor which can be attributed to the injury being suffered by domestic industry.
- w. Imports from other countries have been low during the entire injury investigation period including the POI.

## H.2. Submissions made by other interested parties

104. The submissions of other interested parties with regard to injury and casual link are as under:

- a. Imports from subject countries have not caused any injury to the domestic industry during the injury period and period of investigation. Total imports from subject countries constitute only 6% of the total demand in India. Major share of demand is enjoyed by the domestic industry.
- b. Price undercutting is negative for all subject countries during the period of investigation.
- c. Domestic industry has increased its capacity every year during the injury period and POI. Capacity has increased from 97,21,000 MT during the year 2016-17 to 1,01,88,000 MT during the period of investigation. Production of product under consideration has also increased during the year 2018-19 to 69,72,770 MT from 65,82,632 MT during the base year 2016-17. Production declined during the POI due to Covid-19 pandemic. Domestic industry was operating at only 68% capacity utilization during the base year. Unnecessary capacity expansion has resulted in lowering the capacity utilization.
- d. Domestic sales have increased from 24,01,181 MT during the base year to 30,72,860 MT during the year 2018-19 and then declined to 23,70,465 MT during POI(A). The reason for decline in sales is Covid 19 pandemic. Imports from subject countries have declined sharply during the POI.

- e. The profitability of the domestic industry has been increasing throughout the injury period and POI. However, when comparing the same to the previous year, 2018-19, it has declined sharply. Reason for decline in profits cannot be attributed to imports.
- f. Number of employees has come down during the injury period and POI, productivity per day has increased throughout the injury period but declined during the POI.
- g. Inventory in relation to number of days of production and sales has declined considerably.
- h. Capital employed has increased from 100 in the year 2016-17 to 174 during the POI. But, PBIT as % avg. capital employed has declined from 100 during the base year to 22 during the POI. Covid-19 pandemic has affected the industry harshly.
- i. The petition deliberately fails to address a number of crucial issues which had an impact on the domestic industry independently from the imports originating in subject countries.
- j. The other factors affecting the domestic industry in the present case may include weakened demand, subdued pricing environment, coronavirus impact, disproportionate fall in realizations, adverse stock valuation rate, adverse techno economic parameters like specific usage of coal/other raw materials, lower CDI rate, higher usage of power, increase in foreign exchange loss, higher stores and spares expenses, repair & maintenance, security expenses, depreciation and interest charges, etc.
- k. Sales value has increased by 17 index points in the POI (annualized) compared to the base year.
- l. Sales realization has increased by 19 index points in the POI (annualized) compared to the base year.

### H.3. Examination by the Authority

- 105. Rule 11 of the Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve an examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...*”.
- 106. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.
- 107. The submissions made by the domestic industry and the other interested parties during the course of the investigation with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed in the present final findings.
- 108. In consideration of the various submissions made by the interested parties in this regard, the Authority has examined the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury.
- 109. The Authority has taken note of the various submissions made by the domestic industry and other interested parties on injury and causal link and has analysed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority ipso facto addresses submissions made by the domestic industry and other interested parties.
- 110. In the present sunset review investigation, Authority has considered a longer period of investigation of 18 months has been taken to account for Covid-19 pandemic disruption.
- 111. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- i. Imports from subject countries are significant and increased in absolute terms during the injury investigation period.
- ii. There is a continuation of dumping of subject goods from subject countries.
- iii. The domestic industry has suffered material injury as there is decline in performance of domestic industry during the POI on volume parameters and price parameters.
- iv. Volume parameters such as production, domestic sales, capacity utilisation, market share, declined in the POI as compared to previous year. Similarly, price parameters such as profit and cash profit declined in the POI as compared to previous year. Return on capital employed declined significantly in the POI (A) as compared to previous years.
- v. An elaborate likelihood analysis and assessment conducted by the Authority leads to the conclusion that there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of duty.
- vi. The Authority has relied on following factors to conclude existence of likelihood of dumping and injury:
  - The basic customs duty on import of product under consideration has been reduced from 12.5% to 7.5% from 1<sup>st</sup> February 2021. Accordingly, import duty on imports of PUC from China PR and Ukraine is reduced from 12.5% to 7.5%. Basic customs duty on import of subject goods from Korea RP and Japan is NIL because of free trade agreement between India and these two countries.
  - There are huge surplus capacities for product under consideration available with the producers/exporters in subject countries as evidenced from the independent reports available on record and also from information provided by participating producers/exporters from subject countries.
  - Examination of information regarding export price to third countries provided by participating producers/exporters from subject countries shows that significant exports to third countries are at dumped prices and at prices below the fair selling price of domestic industry.
  - Many countries have imposed and continued trade remedy measures on imports of cold rolled flat steel originating from the subject countries.
  - Examination of information regarding export price to third countries provided by participating producers/exporters from subject countries shows that significant exports to third countries are at prices below the export price to India, which shows that Indian market is more price attractive to exporters from subject countries.
  - Historical trend of global steel prices show that steel prices are cyclical in nature and there is likelihood of injury to the domestic industry due to imports at low price when there is decline in global steel prices.

**a. Assessment of Demand**

112. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in India, as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI (A)	POI
1	Subject countries	MT	3,65,478	4,78,094	6,77,497	4,13,881	6,20,822
2	Other countries	MT	1,04,136	41,580	41,014	21,616	32,424
3	Domestic sales of participating producers	MT	24,01,181	28,38,286	30,72,860	23,70,465	35,55,697
	Domestic sales (Supporters)	MT	***	***	***	***	***
		Trend	100	96	95	71	106

	Domestic sales other producers	MT	***	***	***	***	***
		Trend	100	37	93	92	139
4	Total demand	MT	79,71,000	63,59,000	85,77,000	71,20,667	1,06,81,000
	Trend	Indexed	100	80	108	89	134

113. It is seen that the demand for subject goods increased till 2018-19 and thereafter declined during the POI (A).

**b. Volume effect of dumped imports**

**i. Import volume and share of subject countries**

114. The effects of the volume of dumped imports from the subject countries have been examined by the Authority as follows.

SN	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI(A)	POI
1	Subject Countries	MT	3,65,478	4,78,094	6,77,497	4,13,881	6,20,822
A	China PR	MT	55,645	1,29,520	1,42,240	29,811	44,716
B	Japan	MT	68,370	97,363	85,345	89,220	1,33,830
C	Korea RP	MT	2,41,463	2,45,044	4,40,689	2,91,435	4,37,152
D	Ukraine	MT	-	6,167	9,223	3,415	5,123
2	Subject countries import in relation to -						
A	Domestic Industry Production	%	5.55%	6.92%	9.72%	6.55%	6.55%
B	Consumption	%	4.6%	7.5%	7.9%	5.8%	5.8%
C	Total imports	%	77.8%	92.0%	94.3%	95.0%	95.0%

115. It is seen that volume of dumped imports of product under consideration from the subject countries has increased in absolute terms during the injury investigation period except for the POI (A). Volume of imports of the product under consideration from the subject countries have also increased in relation to production of the domestic industry, total Indian consumption and total imports during the injury investigation period except for the POI (A).

116. The Authority further notes that even though volume of dumped imports of the product under consideration from the subject countries have declined in the POI(A), they are still higher than the base year level. It is also noted that the volume of dumped imports continued to remain significant despite anti-dumping duty in force.

**c. Price effect of dumped imports**

117. With regard to the effect of dumped imports on prices, it is required to be analysed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in normal course.

118. Accordingly, the impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports of the subject goods from the subject country has been examined with reference to price undercutting and price suppression/depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of sales and Net Sales Realization (NSR) of the domestic industry have been compared with the landed price of imports from the subject countries.



i. **Price undercutting**

119. Price undercutting has been determined by comparing the landed price of imports from the subject countries with the net sales realisation of the domestic industry in India.

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	<b>Net Sales Realisation</b>	Rs/MT	***	***	***	***
2	<b>Subject countries as a whole</b>					
A	Landed Price	Rs/MT	43,027	47,024	53,654	53,565
B	Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
C	Price Undercutting	%	***	***	***	***
D	Price Undercutting	Range	Negative	Negative	Negative	Negative

120. The Authority notes that the landed price of imports is above the selling price of the domestic industry during the period of investigation. Therefore, the price undercutting is negative. It is noted that the anti-dumping duty imposed on the basis of reference price has prevented the prices of the imports from entering the domestic market at low prices.

ii. **Price suppression/depression**

121. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority notes the changes in the costs and prices over the injury period.

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Landed price of imports	Rs/MT	43,027	47,024	53,654	53,565
	Trend	Indexed	100	109	125	124
2	Cost of sales per Unit – Domestic	Rs/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	112	125	117
3	Selling price per Unit – Domestic	Rs/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	120	135	116

122. The Authority notes that the prices of the domestic industry increased till 2018-19 when the prices of imports were also increasing. Thereafter, when the prices of imports declined during the period of investigation, the prices of the domestic industry also declined. However, the decrease in selling price of the domestic industry was more than the decrease in its cost of sales during the POI indicating that its prices were both suppressed and depressed during the POI as compared to previous year.

d. **Impact on economic parameters of the domestic industry**

123. Annexure - II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Anti-Dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity: factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital

investments. Accordingly, various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

i. **Capacity, production, capacity utilization and sales.**

124. The Authority has considered capacity, production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry over the injury period.

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI (A)
1	Capacity	MT	97,21,000	99,57,000	1,01,88,000	1,01,88,000
	Trend	Indexed	100	102	105	105
2	Production	MT	65,82,632	69,08,893	69,72,770	63,23,096
	Trend	Indexed	100	105	106	96
3	Capacity Utilisation	%	68%	69%	68%	62.06%
	Trend	Indexed	100	101	100	91
4	Domestic sales	MT	24,01,181	28,38,286	30,72,860	23,70,465
	Trend	Indexed	100	101	128	99

125. It is seen that:

- The domestic industry has expanded its capacity over the injury period keeping in line with increase in demand.
- The capacity utilisation of domestic industry has remained stable till 2018-19 but declined in POI (A) due to fall in demand.
- Production and sales of domestic industry increased till 2018-19 but declined sharply in the POI(A) due to fall in demand.

ii. **Market share of the domestic industry in demand**

126. The effect of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI (A)
1	Subject countries	%	4.6%	7.5%	7.9%	5.8%
		%- Range	0-10	0-10	0-10	0-10
2	Other countries	%	1.3%	0.7%	0.5%	0.3%
		%- Range	0-5	0-5	0-5	0-5
3	Domestic industry	%	30.1%	44.6%	35.8%	33.3%
		%- Range	25-35	40-50	30-40	30-40

127. It is seen that the market share of the domestic industry increased in 2017-18 and thereafter declined in 2018-19 and POI (A).

iii. **Inventory**

128. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given below: -

SN	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI (A)
1	Average inventory	MT	3,38,341	2,93,348	3,47,851	2,29,370
	Trend	Indexed	100	87	103	68

129. It is seen that the average inventory of the domestic industry increased in 2018-19 but declined in POI(A).

iv. **Profit or loss, cash profits and return on investment**

130. Performance of the domestic industry has been examined in respect of profits, cash profits and return on capital employed.

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI (A)
1	Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	112	125	117
2	Selling price	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	120	135	116
3	Profit / Loss	Rs Crores	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	125	209	31
4	Profit / Loss	Rs/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	106	163	32
5	Cash profits	Rs Crores	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	238	365	102
6	PBIT per Unit – Domestic Sales	Rs./MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	106	138	40
7	Return on capital employed	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	112	126	22

131. It is seen that the domestic industry was earning good profits till 2018-19. However, the profits of the domestic industry have declined sharply in the POI(A). Resultantly, the cash profits and the return on investment have also been adversely impacted.

v. **Employment, wages and productivity**

132. The situation of the domestic industry with regard to employment, wages and productivity was examined.

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI (A)
1	No of employees	Nos	27,934	26,466	25,993	25,533
	Trend	Indexed	100	95	93	91
2	Productivity per day	MT/Day/Employee	0.65	0.72	0.73	0.68
	Trend	Indexed	100	110	112	105
3	Productivity per employee	MT/Nos	235.65	261.05	268.25	247.65
	Trend	Indexed	100	111	114	105

133. It is seen that productivity per employee and per day increased till 2018-19 but declined in POI due to decline in production.

vi. **Growth**

134. Examination of growth parameters of the domestic industry during the injury period is shown below.

SN	Particulars	2017-18	2018-19	POI (A)
1	Production	5%	1%	-9%
2	Domestic Sales	18%	8%	-23%
3	Profit/(Loss) per unit	6%	54%	-81%
4	Profit/(Loss)	25%	67%	-85%
5	Cash Profit	138%	53%	-72%
6	PBIT	6%	29%	-71%
7	ROI %	1.60%	1.78%	-13.30%

135. It is seen that volume and price parameters of the domestic industry show a positive growth till 2018-19 but have shown a decline in POI(A).

vii. **Magnitude of dumping**

136. It can be seen that the dumping margin is not only more than de-minimis but also substantial for all the subject countries.

viii. **Ability to raise fresh capital**

137. The domestic industry comprises of companies, which are multi-product companies. These companies have been doing fairly well over the injury period. Therefore, their ability to raise fresh capital remains intact.

**I. CAUSAL LINK**

138. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than dumped imports which are injuring or are likely to cause injury to the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. While the present investigation is a sunset review investigation and causal link has already been examined in original investigation, the Authority examined whether other known listed factors have caused or are likely to cause injury to the domestic industry. It was examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed or are likely to contribute to the injury suffered by the domestic industry.

i. **Volume and price of imports from third country**

139. Imports from other countries have been low and not very significant.

ii. **Contraction in Demand and / or Change in pattern of Consumption**

140. There is a decline in demand during the POI apparently due to the Covid-19 pandemic. It is expected that the demand will increase once the Covid-19 situation improves.

iii. **Development of technology**

141. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a possible factor of injury.

iv. **Trade restrictive practices**

142. The Authority notes that there are no trade restrictive practices, which could have caused injury to the domestic industry.

v. **Export performance**

143. It is seen that the exports of the domestic industry have increased in the POI as compared to preceding year. In any case, Authority has considered data for the domestic operations only. Any possible deterioration in the export performance of the domestic industry, therefore, cannot be a cause for the injury to the domestic industry.

vi. **Performance of other products**

144. The Authority has considered the data relating to the performance of the subject goods only. Therefore, performance of other products produced and sold by the domestic industry are not a possible cause of the injury to the domestic industry.

**J. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN**

145. The Authority has determined the NIP for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Anti-Dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the information/data relating to the cost of production provided by the domestic industry and duly certified by the practicing accountant for the period of investigation. The NIP has been compared with the landed price from the subject countries for calculating injury margin. The Authority has first determined injury margin for each PCN by comparing the landed value and NIP at PCN level. Thereafter, weighted average injury margin for the PUC as a whole has been determined. Wherever there were no sales of exactly matching PCN by domestic industry, comparison of landed value of imports from subject countries was made with NIP of closely resembling PCN.

146. For determining the NIP, the best utilisation of the raw materials and utilities has been considered over the injury period. Best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. Extraordinary or non-recurring expenses have been excluded from the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the PUC was allowed as pre-tax profit to arrive at the NIP as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

147. Based on the landed price and NIP determined as above, the injury margin for producers/exporters as determined by the Authority is provided in the table below-

Country	Producer/Exporter	NIP (USD/MT)	Landed Price (USD/MT)	IM (USD/MT)	IM %	Range
Japan	JFE Steel Corporation	***	***	***	***	(30)-(40)
Japan	Nippon Steel Corporation	***	***	***	***	(10)-0
Japan	All Others	***	***	***	***	(10)-0
Korea RP	POSCO	***	***	***	***	(10)-0
Korea RP	Dongkuk Industries Co. Ltd.	***	***	***	***	(45)-(55)
Korea RP	Hyundai Steel Company Korea	***	***	***	***	(10)-(20)
Korea RP	All Others	***	***	***	***	10-20
China PR	Any Producer/Exporter	***	***	***	***	(20)-(30)
Ukraine	Any Producer/Exporter	***	***	***	***	(10)-0

**K. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING & INJURY****K.1. Submissions made by domestic industry**

148. The following submissions have been made by the domestic industry during the course of investigation:

- India has FTAs with Japan and Korea RP and the Basic Customs Duty (“BCD”) on import of PUC is NIL. So, the only cushion available to the domestic industry is in the form of anti-dumping duty.
- Reduction of BCD from 12.5% to 7.5% w.e.f. 1<sup>st</sup> February 2021 will result in increased imports of PUC into India from the China PR and Ukraine.

- c. Countries such as Canada, EU, Malaysia, US, Taiwan etc. have imposed or continued trade remedy measures on imports of cold rolled flat steel originating from the subject countries. The rate of duty currently in force in these countries is also known and it can be seen that rate of duty applicable through different types of trade remedy measures and other tariff measures is significant.

#### **China PR**

Country	Types of Measure	Rate of Duty
Canada	AD & CVD	91.1% of the export (AD) 506 RMB/ per Metric Tonne (CVD)
Malaysia	AD	26.38% (more than 1300 mm) 5.61 - 23.78% (less than 1300 mm)
Taiwan	AD & CVD	36.77% (AD) 51.10% (CVD)
EU	Safeguard	25%
US	Section 232 and Section 301 – AD and CVD	265.79% (AD) 256.44% (CVD) 25% (S.232) 25% (S.301)

#### **Korea RP**

Country	Types of Measure	Rate of Duty
Canada	AD & CVD	AD - 53% CVD - 86,733 KRW/ per Metric Tonne
Malaysia	AD	AD – 8.32 to 21.64% AD – 0 to 3.84% (more than 1300 mm)
EU	Safeguard	25%
US	AD and CVD Annual Absolute Quota under Section 232 - Trade Expansion Act contravention of which could lead to additional tariffs.	AD – 0 to 3.91% CVD - 0.51% to 9.18%

#### **Japan**

Country	Types of Measure	Rate of Duty
Malaysia	AD (More than 1300 mm)	26.39%
US	AD Additional Tariffs under Section 232 - Trade Expansion Act	AD: 71.35%
EU	Safeguard	25%

Ukraine

Country	Types of Measure	Rate of Duty
EU	Safeguard	25%

- d. Major jurisdictions such as the EU, Canada, US, Australia, Thailand, and Indonesia have also imposed trade remedy measures on several other steel products such as hot rolled steel, steel bars, stainless steel, steel pipes and tubes, Aluminium and Zinc Coated Steel, iron and steel fasteners, steel wind towers etc. exported from subject countries. There are at least 30 trade remedy measures in force on export of steel products from these countries. This shows that subject countries are export oriented and are engaged in dumping of steel products in various export markets.
- e. US, Thailand, Australia & EU are also conducting trade remedy investigations on several steel products including PUC imported from subject countries.
- f. Subject countries are the biggest producing/exporting countries of steel products. As per World Steel Association Report, China PR has the largest steel-making capacity and is the biggest exporter of steel. After China PR, Japan is the second biggest exporter of steel. Korea RP is the third largest exporter of steel products.
- g. Capacity of subject goods in subject countries is higher than total domestic demand and total domestic production of subject goods. Information regarding capacity of subject goods in China PR has been obtained from Core Report 2019. Information regarding production and demand in China PR has been obtained from World Steel Association and International Steel Statistic Bureau (ISSB). Information regarding capacity, demand and production in Korea RP, Japan has been obtained from World Steel Association and International Steel Statistic Bureau (ISSB).

POI (April 2019 to September 2020)	Product	Unit	Total Capacity	Total Production	Domestic Demand	Capacity excess in of production
China PR	Cold rolled coil and sheet	Million Tons	***	***	***	***
		Range	180-200	180-200	180-200	2-7
Japan	Cold rolled coil and sheet	Million Tons	***	***	***	***
		Range	20-40	20-40	20-40	5-10
Korea RP	Cold rolled coil and sheet	Million Tons	***	***	***	***
		Range	30-50	30-50	20-40	5-10

- h. India is expected to witness increase in demand of steel products in 2021. Asia is the only region in the world that is experiencing increase in demand of steel products. India and China PR are the two countries in Asia that are showing increase in demand for steel products. Demand for steel products has stagnated in Japan, Korea RP and Ukraine.

**Finished Steel Products – Demand**

Subject Countries	Unit	2015	2016	2017	2018	2019
Japan	Million MT	63.0	62.2	64.4	65.4	63.2
Korea RP		55.8	57.1	56.3	53.7	53.2
Ukraine		3.3	4.2	4.6	4.7	4.8
China PR		672.3	681.0	773.8	836.1	907.5
India		80.2	83.6	88.7	96.7	101.5

Source: World Steel Association Report, 2020

- i. Demand for steel products has also stagnated in rest of the world. Biggest producers and exporters of steel from subject countries will target Indian market aggressively if anti-dumping duty is revoked.

Million Tonnes - Finished Steel Products					
Continent	2015	2016	2017	2018	2019
European Union	154.3	158.1	164	168	158.7
Other Europe	40.1	40.6	42.4	37.4	33.9
CIS	52.4	51.1	54.4	55.7	58.8
NAFTA	133.9	130.7	138.3	140.6	135
Central and South America	46.1	40.2	42.3	44	42.3
Africa	38.7	37.6	34.6	36.3	36.4
Middle East	53.8	53.1	53.2	49.8	48.7
Asia	979	1001.6	1097.8	1170.1	1247.1
World	1505.8	1520	1633.4	1708.4	1767.5

- j. Producers/exporters in subject countries are export oriented and a significant portion of their production is destined for export markets.
- k. Export price of subject product from China PR to India has increased during the injury investigation period but export price from China PR to other countries has declined. Export price of subject product from China PR to India is higher than the export price of subject product from China PR to third countries during the POI. This shows that if anti-dumping duty is withdrawn, producers/exporters from China PR will reduce their price of exports to India as well.

Cold Rolled Steel Products	Unit	2018	2019	2020
FOB Export Price (World)	USD/MT	604	529	544

Source: FOB Shanghai Prices, Steel Business Briefing

Cold Rolled Steel Products	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Import Price into India (CIF)	USD/MT	466	522	645	654

Source: DGCI&S data

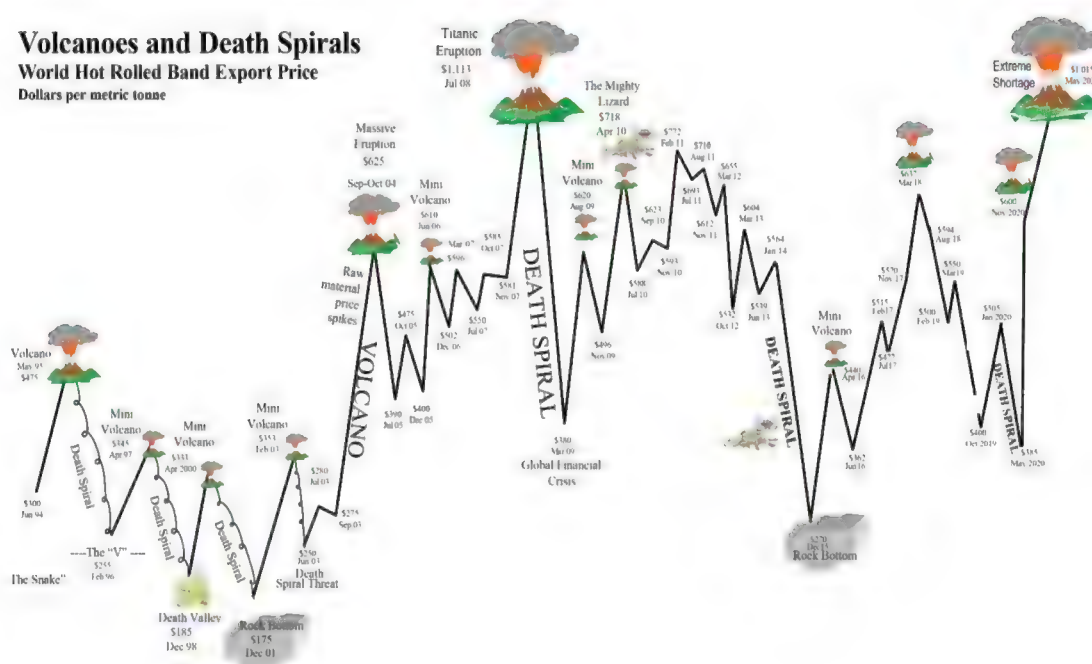
- l. Export price to India of cold rolled steel products in 2019 is higher than the export price to other countries from Korea RP. India is a more attractive market for Korea RP as compared to other countries. If the existing anti-dumping duty in the form of reference price is discontinued, then there is a clear likelihood that exports to India from Korea RP would increase substantially.

Cold Rolled Steel	Unit	2019
Export price from Korea RP to India	USD/MT	759
Export price from Korea RP to other countries	USD/MT	617

Source: Trade Map



- m. Participation of large number of producers/exporters from Japan and Korea RP indicates that producers/exporters from Korea RP and Japan are targeting Indian market and will increase their exports if anti-dumping duty on import of subject product is withdrawn.
- n. The questionnaire response filed by POSCO, Korea RP show that it has (i) surplus capacity during the POI and (ii) exported to India at losses during the POI.
- o. Questionnaire response filed by JFE Steel Corporation, Japan show that (i) it has surplus capacity during the POI and (ii) continues to incur losses in its exports to India since 2017-18.
- p. Questionnaire response filed by Nippon Steel Corporation, Japan show that (i) it has surplus capacity during the POI and (ii) Nippon Steel Corporation continues to incur losses during the injury investigation and (iii) has increased its exports to India by 10 times during the injury investigation period.
- q. There is increase in global crude steel capacity even though demand has stagnated for crude steel except for Asia and Oceania region. The increase in capacity in Asia is primarily the indicator of increase in capacity in China PR. It is also the region with highest steel-making capacity in absolute terms.
- r. World Steel Association Report notes that in 2019 when total crude steel production increased to 1,869 million metric tonnes, the share of China PR in this total crude steel production increased to 53.3%. However, share of China PR in total crude steel consumption has increased to 51.3% in 2019. China PR has not slowed down in 2020 and continues to have surplus capacity.
- s. Post POI data is not examined by the Authority in many sunset review investigations including recent sunset review investigation in Seamless Pipes and Tubes from China PR and Viscose Staple Fibre from China PR and Indonesia. Post-POI data is not required to be examined in the present investigation since an elongated period of 18 months period is adopted as POI and assessment of POI will be sufficient to provide reasonable indication of likelihood of dumping and injury in future.
- t. Higher import prices of cold rolled steel during the POI are unreliable to determine likelihood of injury to the domestic industry. Historical trend in hot rolled/cold rolled steel prices have shown that steel prices are cyclical.



Source: World Steel Dynamics – Key Developments 2020

- u. In 2008 hot rolled/cold rolled steel prices were higher and similar to the current level. In 2009, there was sudden decline in prices and the prices reduced by approximately 65%. Steel prices crashed again and reached their lowest levels in December 2015. Prices crashed by almost 52% during this period as compared to 2014. Thus, the historic trend of prices shows that the decline in prices happen suddenly within 3 to 4 quarters and there is no time to react and seek trade remedy measures at that point of time. In 2015, when the steel prices crashed, a number of steel companies went into bankruptcy and liquidation proceedings.
- v. For example, following not able to sustain onslaught of low prices:
  - Bhushan Power & Steel Ltd.
  - Essar Steel India Ltd.
  - Monnet Ispat and Energy Ltd.
  - Bhushan Steel Ltd.
  - Electrosteel Steels Ltd.
- w. Many smaller industries, such as Asian Colour Coated Ispat Ltd, have also suffered and have closed down due to the same issue. Insolvency and bankruptcy proceedings against Steel companies in 2016 / 2017 were widely reported. A large number of accounts such as Essar Steel and ABG Shipyard were recognised as non-performing assets by leading banks as well. Usha Martin Ltd. has also been acquired for similar reasons. Banks with higher exposure to steel industries were identified as more vulnerable to rise in non-performing assets.
- x. The steel prices are currently on the higher side globally due to high raw material prices and supply side shortage but they are not representative of future trends. Going by the cyclical trend of steel prices, it is expected that prices would decline in coming quarters.
- y. The historic trend of prices shows that the decline in prices happen suddenly within 3 to 4 quarters and there is no time to react and seek trade remedy measures at that point of time. In 2015, when the steel prices crashed, a number of steel companies went into bankruptcy and liquidation proceedings.

#### A.12 K.2 Submissions made by other interested parties

149. The following submissions have been made by other interested parties during the course of investigation:

- a. The Petition is not duly substantiated and initiation fails to meet threshold set by Rule 23 of AD Rules
- b. Petitioner has failed to provide post-POI data subsequent to the initiation of sunset review. Likelihood of injury should be determined after examining post POI data.
- c. The Petitioner has not provided concrete or sufficient evidence for proving that discontinuation of duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury on account of subject imports.
- d. The reduction in basic customs duty under the India-Japan CEPA only demonstrates that there is no likelihood of dumping by the producers/exporters from Japan as despite such reduction in basic customs duty, the volume of imports from Japan have not increased. Import price of subject goods from Japan has remained above reference price and it has not decreased during the injury investigation period.
- e. Trade remedy measures in other jurisdictions do not have a major effect on the pattern of the sales and exports made by interested parties. Despite the existence of trade remedy measures, the exports to India did not increase.

- f. Producers/exporters such as Hyundai Steel, POSCO have been subject to 0% anti-dumping duty in the administrative reviews conducted by United States on cold rolled steel products.
- g. There are no excess capacities with the producers/exporters from subject countries.
- h. The import price from Japan is above the domestic selling price in India.
- i. Total imports from subject countries constitute only 6% of the total demand in India. It may be seen that during the POI, demand has come down.
- j. Major share of demand is enjoyed by the domestic industry only.

### A.13 K.3 Examination by the Authority

150. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duty on the imports of subject goods from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine. Under the Rules, the Authority is required to determine whether cessation of existing duty is likely to lead to continuance or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

151. There are no specific methodologies available to conduct such a likelihood analysis. However, Clause (vii) of Annexure II of the Rules provides, inter alia, factors which are relevant for threat of injury and the same factors may be used for likelihood analysis in a sunset review as well:

- a) A significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation.
- b) Sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.
- c) Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
- d) Inventories of the article being investigated.

152. Further, the Authority has also examined other relevant factors which could have a bearing on the likelihood of continuation or recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry.

153. The Authority has relied on the data submitted by participating producers/exporters from subject countries and also the information provided by the domestic industry for conducting the likelihood analysis

### K.3.1. Continued Imports in substantial quantities

154. The volume of imports during the injury investigation period are as follows:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI (A)
Subject Countries	MT	3,65,478	4,78,094	6,77,497	4,13,881
China PR	MT	55,645	1,29,520	1,42,240	29,811
Japan	MT	68,370	97,363	85,345	89,220
Korea RP	MT	2,41,463	2,45,044	4,40,689	2,91,435
Ukraine	MT	-	6,167	9,223	3,415

155. It is seen that volume of dumped imports of product under consideration from subject countries has increased in absolute terms during the injury investigation period except for the POI (A). Authority further notes that decline in imports in POI(A) is attributable to decline in demand during the POI(A).

156. The Authority further notes that even though volume of dumped imports of product under consideration from subject countries have declined in the POI(A), they are still higher than the base

year level. The volume of dumped imports continues to remain significant despite anti-dumping duty in force.

### K.3.2. Surplus Capacity in China PR

157. It is noted that no producer/exporter from China PR has participated in the subject sunset review. Therefore, no information is available with the Authority based on questionnaire response of producers/exporters from China PR.

158. The Authority has relied on following information from CORE Report 2019, World Steel Association & The International Steel Statistics Bureau for determining surplus capacity of cold rolled flat steel products in China PR:

Subject Goods	Unit	POI
Capacity	Million Tons	189.7
	Range	180-200
Production	Million Tons	185.42
	Range	180-200
Surplus capacity	Million Tons	3.58
Surplus Capacity Range	Million Tons	2-7

159. It is noted that there is surplus capacity available in China PR. In addition, there were no elements found that could indicate that domestic demand in China PR or in other third country markets could absorb the available surplus capacity.

### K.3.3. Surplus Capacity in Japan

160. The Authority has relied on following information from World Steel Association & The International Steel Statistics Bureau for determining surplus capacity in Japan:

Subject Goods	Unit	POI
Capacity	Million Tons	34.09
	Range	20-40
Production	Million Tons	27.27
	Range	20-40
Surplus capacity	Million Tons	6.82
Surplus Capacity Range	Million Tons	5-10

161. It is noted that there is surplus capacity available in Japan. In addition, there is no increase in domestic demand in Japan. There is no evidence to indicate that domestic demand or other third country markets could absorb the available surplus capacity.

### K.3.4. Surplus Capacity in Korea RP

162. The Authority has relied on following information from World Steel Association & The International Steel Statistics Bureau for determining surplus capacity in Korea RP:

Subject Goods	Unit	POI
Capacity	Million Tons	41.12
	Range	30-50
Production	Million Tons	32.90
	Range	30-50
Surplus capacity	Million Tons	8.22
Surplus Capacity Range	Million Tons	5-10

163. It is noted that there is surplus capacity available in Korea RP. In addition, there is no increase in domestic demand in Korea RP. There is no evidence to indicate that domestic demand or third country markets could absorb the available surplus capacity.

### **K.3.5. Surplus Capacity in Ukraine**

164. The Authority notes that no producer/exporter from Ukraine has participated in the subject sunset review. Therefore, no information is available with the Authority based on questionnaire response of producers/exporters from China PR.
165. The Authority further notes that no information is available regarding capacity and production of subject goods in Ukraine.

### **K.3.6. Surplus Capacities with participating producers/exporters**

166. The Authority has also analysed questionnaire response of participating producers/exporters from the subject countries to identify surplus capacities available for product under consideration with each participating producer/exporter.
167. Information with respect to surplus capacities in case of responding producers/exporters from subject countries is given below:

Particulars	Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilisation (MT)	Surplus Capacity (MT)	Surplus Capacity (%)	Surplus Capacity (% range)
JFE Steel Corporation	***	***	***	***	***	40-50
Nippon Steel Corporation	***	***	***	***	***	30-40
POSCO Korea	***	***	***	***	***	10-20
Dongkuk Industries Co. Ltd.	***	***	***	***	***	30-40
Hyundai Steel Company Korea	***	***	***	***	***	10-20

168. It can be seen that significant surplus capacities are available with participating producers/exporters from Japan and Korea RP. In absence of co-operation from Ukraine and China PR, Authority could not analyse actual surplus capacities with producers/exporters in Ukraine and China PR.

### **K.3.7. Price attractiveness**

169. Information with respect to price attractiveness in case of participating producers/exporters is given below:

Particulars	Total Exports to third countries (MT)	Exports to third countries at prices below export price to India	% of Exports to third countries at prices below export price to India	% of Exports to third countries at prices below export price to India (range)
JFE Steel Corporation *	***	***	***	50-60
Nippon Steel Corporation **	***	***	***	20-30
POSCO ***	***	***	***	70-80
Dongkuk Industries Co. Ltd.*	***	***	***	90-100

Hyundai Steel Company Korea*	***	***	***	40-50
------------------------------	-----	-----	-----	-------

\* - This is based on transaction wise, PCN wise third country data.

\*\* - This is based on summarised third country data filed with questionnaire response.

\*\*\* - compared at Invoice Price Level

170. It can be seen that significant exports of subject goods to third countries by the participating producers/exporters from Japan and Korea RP are at prices below the export price to India. This shows that India is a price attractive market for producers/exporters from subject countries.
171. In absence of co-operation from Ukraine and China PR, Authority could not analyse actual exports data of producers/exporters in Ukraine and China PR.
172. In this regard, Authority also notes that trade remedial measures are in force by third countries on subject product exported from subject countries. Countries with significant market size for subject product such as US, Canada, EU, Malaysia etc. have trade remedy measures in force on import of subject goods from subject countries.

#### K.3.8. Exports to third countries at dumped prices

173. Information relating to exports to third countries at dumped price by participating producers/exporters is given below:

Particulars	Total Exports to third countries (MT)	Exports to third countries at prices below normal value	% of Exports to third countries at prices below normal value	% of Exports to third countries at prices below normal value (range)
JFE Steel Corporation *	***	***	***	80-90
Nippon Steel Corporation **	***	***	***	80-90
POSCO ***	***	***	***	50-60
Dongkuk Industries Co. Ltd.*	***	***	***	90-100
Hyundai Steel Company Korea *	***	***	***	70-80

\* - This is based on transaction wise, PCN wise third country data.

\*\* - This is based on summarised third country data filed with questionnaire response.

\*\*\* - compared at Invoice Price Level

174. It can be seen that significant exports of subject goods to third countries by the participating producers/exporters from Japan and Korea RP are at prices below their associated normal values. This shows that participating producers/exporters are dumping the subject goods in third countries as well.

#### K.3.9. Trade Remedial Measures by other countries

175. As per the information on record, there are currently a number of trade remedial measures imposed against the subject countries by other countries besides India.

**K.3.10. Reduction in Basic Customs Duty**

176. The Authority notes that Basic Customs Duty on imports of subject goods has been reduced from 12.5% to 7.5% w.e.f. February 2021. Imports from Korea RP and Japan are subject to 0% basic customs duty due to India-Korea CEPA and India-Japan CEPA.

**K.3.11. Cyclical nature of steel prices**

177. The Authority also notes that steel prices are cyclical in nature and have remained extremely volatile over the years. The prices are subject to significant variations with prices peaking over certain periods followed by crashes. Current steel prices show an upward trend due to supply side shortage and high raw material prices. The steel prices are likely to moderate and stabilize in the near future.

**L. EXAMINATION OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY**

178. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- i. Imports from subject countries are significant and increased in absolute terms during the injury investigation period.
- ii. There is a continuation of dumping of subject goods from subject countries.
- iii. The domestic industry has suffered material injury as there is decline in performance of domestic industry during the POI on volume parameters and price parameters.
- iv. Volume parameters such as production, domestic sales, capacity utilisation, market share, declined in the POI as compared to previous year. Similarly, price parameters such as profit and cash profit declined in the POI as compared to previous year. Return on capital employed declined significantly in the POI (A) as compared to previous years.
- v. An elaborate likelihood analysis and assessment conducted by the Authority leads to the conclusion that there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of duty.
- vi. The Authority has relied on following factors to conclude existence of likelihood of dumping and injury:
  - a) The basic customs duty on import of product under consideration has been reduced from 12.5% to 7.5% from 1<sup>st</sup> February 2021. Accordingly, import duty on imports of PUC from China PR and Ukraine is reduced from 12.5% to 7.5%. Basic customs duty on import of subject goods from Korea RP and Japan is NIL because of free trade agreement between India and these two countries.
  - b) There are huge surplus capacities for product under consideration available with the producers/exporters in subject countries as evidenced from the independent reports available on record and also from information provided by participating producers/exporters from subject countries.
  - c) Examination of information regarding export price to third countries provided by participating producers/exporters from subject countries shows that significant exports to third countries are at dumped prices.
  - d) Many countries have imposed and continued trade remedy measures on imports of cold rolled flat steel originating from the subject countries.
  - e) Examination of information regarding export price to third countries provided by participating producers/exporters from subject countries shows that significant exports to third countries are at prices below the export price to India, which shows that Indian market is more price attractive to exporters from subject countries.
  - f) Historical trend of global steel prices show that steel prices are cyclical in nature and there is likelihood of injury to the domestic industry due to imports at low price when there is decline in global steel prices.

**M. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS****A.14 Submissions made by the domestic industry**

179. The submissions made by the domestic industry are as follows:

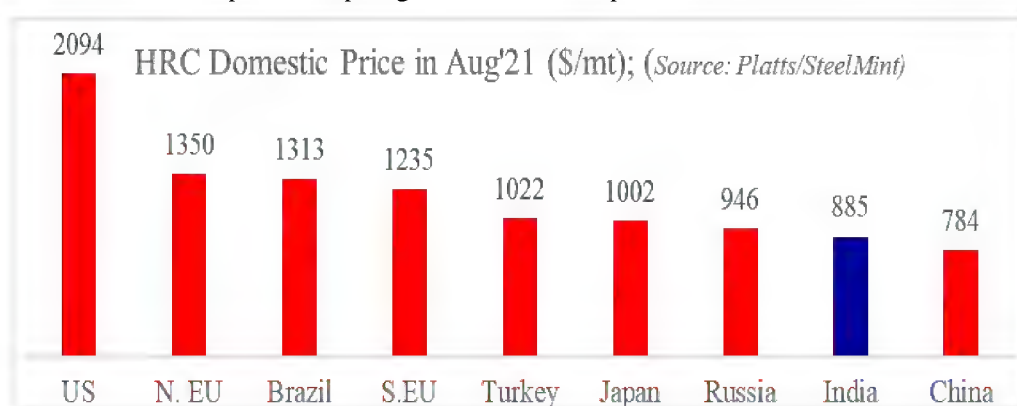
- a. Exclusion of grades SPFH540FB-P, SPFH590FB-P sought by Hyundai Motor India Ltd is not relevant in the present review as the named grades are of Hot Rolled Steel and not of the PUC.
- b. The domestic industry has always produced and supplied the PUC of less than 1.4mm thickness and supply records and sample invoices from one of the applicant companies is provided as evidence. Therefore, the Authority is requested to reject claims regarding the exclusion of the PUC of less than 1.4mm thickness and determine that request for exclusion of such product grades cannot be accepted.
- c. The analysis of injury parameters clearly indicates that domestic industry continues to suffer injury during the POI (A) on relevant economic parameters and there is also likelihood of injury if anti-dumping duty is withdrawn.
- d. There is considerable price variation in import prices within the POI thereby negating the reliability of negative price undercutting determination based on average landed value. Sales of the domestic industry are impacted by low priced imports because the domestic industry is expected to match its prices to the low-priced imports. The Authority should assess the impact of low-priced import transactions on the sales of the domestic industry.
- e. The Authority has not identified any other known factors apart from dumped imports causing injury to the domestic industry.
- f. The Authority has determined the injury margin in the present review to be negative for all producers/exporters from subject countries. Negative injury margin for imports from the subject countries cannot be a determining factor because of the presence of reference price-based duty in force.
- g. The domestic industry notes that dumping margin for all producers/exporters from the subject countries is positive and significant.
- h. Anti-dumping duty can be continued in a sunset review despite negative injury margin as per the past practice of the Authority and as per established legal principles. In following cases, the anti-dumping duty was recommended to be continued in a sunset review despite negative injury margin:
  - i. Final findings concerning sunset review investigation on imports of 2-Ethyl Hexanol originating in or exported from the European Union, Indonesia, Korea RP, Malaysia, Taiwan and the United States of America - No. 7/28/2020-DGTR dated 8th March 2021
  - ii. Final finding concerning sunset review investigation on imports of 'Nylon Tyre Cord Fabric' originating in or exported from China PR - No. 7/22/2019-DGTR dated 29th October 2020
  - iii. Final finding concerning sunset review investigation on imports of "Acetone" originating in or exported from the Korea RP, Saudi Arabia and Taiwan - No. 7/09/2019-DGTR dated 29th September 2020
  - iv. Final finding in second sunset review anti-dumping investigation concerning imports of 'Front Axle Beam' and 'Steering Knuckles' meant for heavy and medium commercial vehicles originating in or exported from China PR - No.7/26/2020-DGTR dated 24th December 2020
  - v. Final finding concerning sunset review anti-dumping duty investigation on imports of Partially Oriented Yarn (POY) originating in or exported from China PR - No. 15/27/2010-DGAD dated 10th February 2012



- vi. Sunset Review of anti-dumping duty on imports of Clear Float Glass from Pakistan, Saudi Arabia and UAE: FF No. 7/3/2019-DGTR dated 07/11/2019.
- vii. Sunset Review of the Anti-dumping Duties imposed on the imports of Nonyl Phenol originating in or exported from Chinese Taipei: F.No.15/1007/2012-DGAD dated 08/11/2013.
- i. Sunset Review of the Anti-dumping Duties imposed on the imports of Plain Medium Density Fibreboard having thickness 6mm or more originating in or exported from China PR, Malaysia, Thailand, Sri Lanka: F.No. 7/6/2020-DGTR dated 08/01/2021.
- j. Sunset Review investigation concerning imports of Carbon Black used in Rubber Applications originating in or exported from China PR and Russia: F.No. 7/15/2020-DGTR dated 22/12/2020.
- k. Sunset review Investigation concerning imports of PVC Suspension Grade Resin from China PR, Thailand and USA: F.No. 7/34/2018-DGTR dated 18/07/2019
- l. The Hon'ble Gujarat High Court in *Nirma Limited vs. UOI* has also stated that negative injury margin cannot form the basis for determining that there is no likelihood of dumping and/or injury.
- m. Production meant for captive transfer cannot be excluded for determination of NIP of the domestic industry.
- n. Considering the cyclical nature of steel prices, the import prices of the PUC are likely to decline in coming quarters after reaching the peak. If there is no anti-dumping duty in place, the domestic industry will be impacted by imports at low prices that are expected in future.
- o. The word steel dynamics (WSD) report has projected sharp decline in steel prices in coming quarters i.e. by quarter 3 of 2022. It has projected a decline of nearly 48% in the global steel prices by quarter 3 of 2022.
- p. The Authority should rely on facts available for determining the existence of price attractiveness and export to third countries at dumped prices when no positive information is provided by producers/exporters from China PR and Ukraine.
- q. There is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury as per essential facts disclosed by the Authority in the disclosure statement.
- r. Anti-dumping duty in the present reference price form had no adverse impact on importers or users as no duty was paid. No duty was paid by importers or users during the injury investigation period upon import of subject goods into India from subject countries as imports were made above reference price.
- s. There is insignificant impact of duty on the automotive user industry and final consumers in auto industry as per following example:

Average sales price of Passenger Vehicle (PV)	Rs. 5.00 lacs
Approximate consumption of CR Steel in PV	294 Kg (as per CRISIL study)
Price / MT of CR Steel	Rs. 80,000
Anti-dumping-duty Impact assuming anti-dumping duty @20%	Rs. 16,000
Total impact of anti-dumping duty @20% on PV	0.294 x 16000 = Rs. 4,704 per PV
Impact in percentage	4704 / 500,000*100 = 0.94%

- t. Anti-dumping duty on import of product under consideration has not adversely affected importers, users and consumers. Domestic steel prices in India have remained lower than international steel prices despite global increase in prices.



- u. The steel industry in India constitutes around 2% of GDP and generates substantial direct (approx. 5 lakhs) and indirect employment (approx. 20 lakhs).
- v. Continuation of anti-dumping duty is in public interest. Healthy and competitive steel industry is critical for nation building. The domestic industry supports a variety of linked downstream services such as transport services, port facilities etc. Adverse impact on steel industry will be felt on these downstream industries as well. Continuation of duty would act as a safety net for the domestic industry from unfair trade practice and the cyclical nature of global steel prices that are projected to decline sharply in near future.
- w. The 2015 downward spiral in steel prices and flood of low-priced imports resulted in insolvency of several highly leveraged steel companies in India. Along with the closure of several of the steel companies, the banking sector was also badly affected. As estimated by RBI, banking sector has lending of more than Rs. 2 lakh crores to steel industry as of July 2021. Thus, any downturn in the prospects of the domestic industry will adversely affect Indian banking sector along with other investors and stakeholders. The threat will also be to the planned investment of more than Rs. 10 lakh crore by 2030-31.
- x. The trade actions globally on steel sector is highest among all sectors, which shows importance of steel for economy of any country. Currently, 184 trade actions are in-force in various countries on steel products.

#### A.15 Submissions made by the other interested parties

180. Submissions made by the other interested parties are as follows:

- There is no need for further extension of the anti-dumping duty on imports from Ukraine because there is absence of likelihood of dumping and injury to the domestic industry due to imports from Ukraine.
- Volume of imports from Ukraine are insignificant and there is no significant increase in imports from Ukraine.
- Injury margin is negative for imports from the subject countries and therefore there is no need for continuation of anti-dumping duty.
- PCN-wise information has not been shared by the domestic industry and interested parties were not aware that such information was provided to the Authority at any stage of the proceedings. The Authority should not accept PCN-wise information from the domestic industry in any form at a belated stage.
- The domestic industry has failed to disclose the relationship between JSW and JFE Steel Corporation which would affect the determination of domestic industry under the Anti-Dumping Rules.
- The Authority must consider the actions of other Governmental departments in favour of the steel industry because such actions are also aimed at protecting the domestic industry.

- g. The Authority must comply with the direction of the Hon'ble CESTAT in *Exotic Décor Pvt. Ltd. and Ors. v. Designated Authority*, that import data should be provided in the same form and manner in which it was taken on record. If the Authority chooses not to comply with the directions of the Hon'ble CESTAT, it should provide adequate reasons for its decision because the Authority is also bound by the principles of natural justice as a quasi-judicial body.
- h. The Authority has provided no justification as to how the impact of Covid-19 is accounted for by considering an 18-months period of investigation. Authority has not disclosed any adjustments that may have been made to account for this impact.
- i. The negative price undercutting cannot be attributed solely to the reference price based duty. Imports into India were at higher prices due to commercial factors.
- j. The performance of the domestic industry was impacted due to the decline in the demand arising out of lower public investment spend, lack of credit availability across the economy and slowdown in automotive and consumer durables etc. It is evident that any impact on the performance of the domestic industry is on account of various factors and the same cannot be attributed to imports from the subject countries.
- k. The capacity of POSCO has remained stable throughout and if POSCO had intentions to utilize any excess capacities to target the Indian market, it would have already done so during the injury investigation period.
- l. It is not relevant whether the subject countries sell to other countries at injurious or non-injurious prices, as long as those exports are not likely to be shifted to India in case the current duty is allowed to expire.
- m. POSCO's sales to India are not affected by trade remedy measures in other countries because POSCO's customers in India are end-users and not distributors. Anti-dumping measures on primary metals are common and this constitutes no evidence of likelihood of recurrence of dumping and injury in the present case.
- n. The Authority has not followed a consistent approach for determining the net export price and normal value and made unwarranted adjustments while calculating the dumping margin.
- o. The Authority has made changes to the cost provided by POSCO Korea and its traders/exporters. The Authority is requested to either use the cost filed by the POSCO Korea and its traders/exporters or to kindly explain the adjustment to cost.
- p. The domestic industry is seeking protection in the form of anti-dumping duties, as a mitigating tool against the cyclical movement of global steel prices – a phenomenon which has nothing to do with trade remedy measures that are meant to remedy dumping from subject countries. Sharp fall in prices in December 2015 was caused by a fall in international market prices due to the overcapacity and over exports by China PR. Prices of steel are not cyclical.
- q. Between June 2020 to August 2021, Ministry of Finance has considered it appropriate not to recommend duties in 4 out of 6 cases falling under the category of "steel and other metals" even though the Authority had recommended for the imposition of duties. Therefore, the Authority should examine the issue of public interest closely after conducting an appropriate analysis of the arguments made by the user industry.
- r. The Authority has recorded that the cooperating entities account for around 96% of the total sales made by JFE through related/unrelated traders. JFE and its corresponding traders account for 100% of total sales made by JFE and not 96% as stated by the Authority.
- s. The employee cost of SAIL is higher as compared to other constituents of the domestic industry and therefore they are suffering injury because of higher employee cost.
- t. There are no freely disposable capacities with the Japanese mills. It is also important to consider that the Japanese mills have no plans of increasing the capacity of the PUC.

- u. India's market is not price attractive to the Japanese mills and therefore removal of the anti-dumping duty is not likely to result in increased imports of the PUC into India.
- v. Despite the existence of trade remedy measures in other countries on exports from Japan, the Japanese exports to India did not increase in the injury period. USA is not a primary market for the Japanese producers for making sales of cold rolled products. In addition, the cold rolled products for automobile use are exempted from duties in Malaysia. Hence, it is unlikely that the products being sold in other countries would be diverted to a market like India.
- w. The Authority has concluded negative injury margin for all the producers/ exporters in the disclosure statement. So, there is no likelihood of injury to the domestic industry.
- x. In case the Authority intends to recommend continuation of anti-dumping duty, the same level of reference price shall be recommended as in the original investigation.

#### A.16 **Examination by the Authority**

181. The Authority has examined the post disclosure submissions made by the interested parties and notes that some of the comments are reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paras of the final findings. The issues raised for the first time in the post-disclosure comments/submissions by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined below.
182. With regard to the submission made by the domestic industry that the production meant for captive transfer cannot be excluded for determination of NIP, the Authority notes that NIP has been determined in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules and the consistent practice of the Authority.
183. With regard to the belated submission of PCN-wise information by the domestic industry, the Authority notes that PCN wise information was submitted by the domestic industry after the Authority instructed the domestic industry to provide PCN wise information. It is also noted that dumping margin and injury margin has been first determined on the PCN wise basis, and thereafter, the same has been determined on a weighted average basis for the participating producers and exporters.
184. With regard to the submission that there is an absence of likelihood of dumping and injury to the domestic industry due to the imports from Ukraine, the Authority notes that no producer/exporter from Ukraine has participated in the present sunset review investigation and provided relevant information to the Authority. Based on the information on record, there is sufficient evidence to hold that dumped imports have continued from Ukraine despite existence of anti-dumping duty, and there is a likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry in the event of revocation of duty against Ukraine.
185. With regard to the non-disclosure of PCN-wise information of the domestic industry to the other interested parties, the Authority notes that PCN wise information is confidential in nature. Therefore, neither the domestic industry's PCN wise information was disclosed to other interested parties nor the other interested parties' PCN wise information was disclosed to the domestic industry.
186. With regard to the claim that injury margin is negative and therefore there is no likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry, the Authority notes that despite negative injury margin during the POI, there is sufficient information on record to show that there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of anti-dumping duty.
187. With regard to the submission that the domestic industry has failed to disclose the relationship between JSW Steel and JFE Steel Corporation, which would affect the determination of domestic industry under the Anti-Dumping Rules, the Authority notes that the issue of relationship between JSW Steel and JFE Steel Corporation was thoroughly examined in the original investigation itself in para no 19 of the final findings dated 10th April, 2017, and after a detailed examination, the Authority treated JSW Steel as an eligible applicant producer.
188. With regard to the submission that action of governmental departments in favour of steel industry should be taken into consideration, the Authority notes that the existence of government policies for

supporting domestic steel industry. However, in this present investigation, the Authority has examined the request of the domestic industry for continued imposition of ADD to remedy the unfair trade practice of dumping.

189. With regard to the submission that the Authority has not shared import data in the same form and manner in which it was taken on record, Authority notes that as per the present practice of the Authority, transaction wise import data in hard copy is made available to interested parties in accordance with Trade Notice No. 07/2018 dated 15<sup>th</sup> March 2018. Any interested party can obtain raw transaction wise import data from DGCI&S by providing an undertaking as prescribed in Trade Notice No. 07/2018 dated 15<sup>th</sup> March 2018.
190. With regard to the submission concerning 18 months period of investigation, the Authority notes that the Authority considered a longer period of 18 months from 1st April 2019 to 30th September 2020 as the POI so that it provided enough requisite insight into the current and likely dumping and injury suffered by the domestic industry. Also, a longer POI was deemed appropriate in the present sunset review since trade in the first and second quarter of 2020-21 was impacted by Covid-19. A longer period in this case would be more appropriate to assess the current injury and likelihood of injury to the domestic industry caused due to the alleged dumped imports.
191. With regard to the submission of participating producers/exporters from the subject countries that they do not have any surplus capacity, the Authority notes that based on information on record, JFE Steel Corporation, Nippon Steel Corporation, POSCO Korea, Dongkuk Industries Co Ltd., and Hyundai Steel Co Korea have 40-50%, 30-40%, 10-20%, 30-40% and 10-20% surplus capacity respectively. Thus, it is evident that significant surplus capacities are available with participating producers/exporters from subject countries.
192. With regard to the submission of participating producers/exporters from the subject countries that Indian market is not price attractive for them, the Authority notes that based on information on record, 50-60% of exports to third countries by JFE Steel Corporation, 20-30% of exports to third countries by Nippon Steel Corporation, 70-80% of exports to third countries by POSCO Korea, 90-100% of exports to third countries by Dongkuk Industries Co Ltd., and 40-50% of exports to third countries by Hyundai Steel Co Korea are at prices below the export price to India. Thus, it is evident that Indian market is price attractive for producers/exporters from subject countries. attractive market for them.
193. With regard to the submission that the Authority has not followed a consistent approach for determining the net export price and normal value, and has made unwarranted adjustments while calculating the dumping margin, the Authority notes that dumping margin has been calculated in accordance with the provisions of Customs Tariff Act, Anti-dumping Rules and the consistent practice of the Authority.
194. With regard to the submission that the Authority has made changes to the cost provided by POSCO Korea and its traders/exporters, the Authority notes that it has determined cost for POSCO Korea and its exporters keeping in mind the principles provided under the Anti-dumping Rules and the consistent practice of the Authority.
195. With regard to the claim that Ministry of Finance considered it appropriate not to impose duty in 4 out of 6 cases of “steel and other metals” wherein the Authority had recommended for imposition of duties, the Authority notes that it is the duty of the Authority under the Rules to examine in a sunset review whether there is a likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in the event of revocation of duty and to recommend for continuation of duties if it is found that there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. It is the function of the Central Government to decide about the imposition or non-imposition of duty based on the recommendation of the Authority.
196. With regard to determination of net export price of M/s JFE, Japan, it is noted that the cooperating entities account for 100% of the total sales made by JFE through related/unrelated traders, whereby the quantity and export price reported by JFE and its traders has been adopted by the Authority for determining the dumping and injury margin.
197. With regard to the submission about the employee cost of SAIL as compared to other constituents of domestic industry, the Authority notes that the actual costs incurred by applicant domestic producers

have been taken into account after normating the same in terms of the provisions under Annexure III of the Anti-dumping Rules for determination of NIP. The Authority has determined NIP in the present case in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules.

#### **N. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES**

198. The Authority has considered whether continuation of anti-dumping duty would have adverse public interest. For the same, the Authority has examined whether the continuation of the duty on imports of the product under investigation would be against the larger public interest. This determination is based on consideration of information on record and the interests of various parties, including domestic industry, importers and users/consumers of the product.

199. The Authority issued the gazette notification inviting views from all the interested parties, including importers, users and other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the users to provide the relevant information with regard to the present sunset review investigation, including the possible effect of the continuation of anti-dumping duty on their operations. The Authority sought information on, inter-alia, reasons for import of the product under consideration, interchangeability of the product supplied by various suppliers from different countries and also the product supplied by the domestic industry, effect of the continuation of anti-dumping duty on the consumers, source of imports (whether from related suppliers or unrelated suppliers), profitability statement for their operations etc.

The Authority notes that following users have filed questionnaire response:

- i. Nippon Steel Pipe India Limited
- ii. Rajasthan Prime Steel Processing Center Pvt Ltd
- iii. POSCO Maharashtra Steel Pvt Ltd
- iv. Hyundai Motor India Ltd
- v. Hyundai Steel Pipe India Pvt Ltd
- vi. Kia Motors Pvt Ltd

200. These users also attended the oral hearing and made submissions, which have been taken into account. The Authority notes that the users who have participated in the present sunset review investigation and submitted user's questionnaire are related to the foreign exporters and are either importing the product under consideration from their related parties or using the product under consideration supplied by their related parties. These interested parties have not shown with quantified information that the imposition of the reference price based anti-dumping duty had any significant adverse effect either on these users or the public at large. The interested parties have also not shown with quantified information that the continuation of the anti-dumping duty would have a significant adverse effect on their operations in India.

201. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of the anti-dumping measures have not restricted imports from the subject countries in any way either and as such, would not affect the availability of the product to the consumers even in a situation where the users choose to source it from the subject countries.

202. The Authority notes that there are a large number of producers of the product under consideration in India taking into account both the integrated steel producers and standalone CR producers. There are at least 6 integrated steel producers in India, namely, Steel Authority of India Limited, JSW Steel Limited, JSW Steel Coated Products Limited, ArcelorMittal Nippon Steel India Limited, Tata Steel Ltd. and Tata Steel BSL Ltd. engaged in production of subject goods in India. So, there is healthy competition in the Indian market and continuation of anti-dumping duty would not lead to monopolistic or oligopolistic situation in the Indian market for the subject goods.

203. The information of the domestic industry shows that the manufacturing facilities of the domestic industry are under-utilised. The domestic industry is fully competent to cater to the entire demand of the product under consideration in India. The Authority notes that the subject goods are supplied by

the domestic industry at prices lower than the import prices. So, the prices offered by the domestic industry are competitive prices.

204. Reference price-based duty that is in force and that is recommended by the Authority in the present sunset review would ensure that users and importers of product under consideration are not penalised when imports into India are at fair prices. Reference price-based duty also ensures that the domestic industry is not injured from low priced/unfairly priced imports into India. Thus, reference price-based duty strikes a fine balance between the interest of importers and users on one hand and domestic industry on the other hand in the present case.
205. The Authority also notes that information available on record shows that steel prices in India including for the product under consideration have remained lower than the global steel prices even when there has been overall increase in global steel prices recently. This shows that domestic industry in India has not unduly benefited from the anti-dumping duty in force or the recent increase in global prices and importers, users and consumers of the product have also not been prejudiced due to existence of anti-dumping duty and recent increase in global prices. The fact that domestic industry is supplying the subject goods at competitive prices is also evidenced by the fact that price undercutting has been negative from the subject countries throughout the injury investigation period. This means that domestic selling price has been lower than the landed value of imports from subject countries throughout injury investigation period.
206. The Authority notes that continued reference priced based duty will ensure a safety net for domestic industry if prices reduce in near future. As per information available on record, the global decline in steel prices in 2015 resulted in bankruptcy of some of the major domestic Indian steel producers and also stressed the Indian banking sector having significant lending to the steel companies. Therefore, it is in the general interest of Indian economy that the present reference price-based duty is continued.
207. Most of the users who have filed response and submissions before the Authority during the investigation belong to the automotive sector. Several of these users are also related to the producers/exporters from the subject countries. It is noted that the imports have occurred at prices above the reference price during the injury investigation period and no burden of anti-dumping duty has been faced by the users. So, it is not possible to quantify the impact of reference price based anti-dumping duty on the users. As per information made available by domestic industry, it is noted that hypothetically assuming an anti-dumping duty @20% on PUC, the impact would only be insignificant i.e., less than 1% on the total value of a passenger vehicle of approximately INR 5 lakhs.
208. The Authority notes that Indian steel industry is critical for Indian economy taking into account its contribution to Indian GDP, direct and indirect employment generation and its support to linked downstream services such as transport services, port facilities etc. Continuation of duty would act as a safety net for the domestic industry from unfair trade practices and the cyclical nature of global steel prices that are projected to decline in near future.
209. Keeping in view the above, the Authority is of the view that continuation of the present reference priced based anti-dumping duty on the imports of product under consideration from subject countries would be in public interest.

## O. CONCLUSION

210. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
  - i. The applicant domestic producers constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Rules and the application filed by the applicant on behalf of domestic producers satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.
  - ii. The product produced by the domestic industry is like article to the PUC imported from the subject countries.
  - iii. The application contained all information relevant for the purpose of initiation of sunset review and the application contained sufficient evidence to justify initiation of present sunset review.

- iv. The Authority considered a longer period of 18 months from 1st April 2019 to 30th September 2020 as POI so that it provides enough requisite insight into the current and likely dumping and injury suffered by the domestic industry. Also, a longer POI was deemed appropriate in the present sunset review since trade in the first and second quarter of 2020-21 was impacted by Covid-19. A longer period would be more appropriate to assess the current injury and likelihood of injury to the domestic industry caused due to the alleged dumped imports.
- v. Considering the normal value and export price for subject goods, the dumping margins for the subject goods from each of the subject countries have been determined for the participating producers and for residual category. The dumping margins in all cases are significant. Thus, there is continued dumping of the subject goods from subject countries.
- vi. The domestic industry has suffered material injury as there is decline in performance of the domestic industry during the POI on most of the economic parameters. It is noted that the domestic sales, capacity utilisation, market share, profit, cash profit of domestic industry declined in the POI as compared to previous year.
- vii. The Authority conducted an elaborate likelihood analysis and noted as follows:
  - a) The basic customs duty on import of product under consideration has been reduced from 12.5% to 7.5% from 1<sup>st</sup> February 2021.
  - b) There are huge surplus capacities for product under consideration available with the producers/exporters in the subject countries as evidenced from the independent reports available on record and also from information provided by participating producers/exporters from the subject countries.
  - c) Examination of information regarding export price to third countries provided by participating producers/exporters from subject countries shows that significant exports to third countries are at dumped prices.
  - d) Many countries have imposed and continued trade remedy measures on imports of cold rolled flat steel originating from the subject countries.
  - e) Examination of information regarding export price to third countries provided by participating producers/exporters from subject countries shows that significant exports to third countries are at prices below the export price to India, which shows that Indian market is more price attractive to exporters from subject countries.
  - f) Historical trend of global steel prices show that steel prices are cyclical in nature and there is likelihood of injury to the domestic industry due to imports at low price when there is decline in global steel prices.
- viii. Assessment conducted by the Authority leads to the conclusion that there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of duty.
- ix. The Authority has considered whether continuation of anti-dumping duty would have adverse public interest. The Authority notes that there is healthy competition in the Indian market and continuation of anti-dumping duty would not lead to monopolistic or oligopolistic situation in the Indian market for the subject goods.
- x. Reference price-based duty that is in force and that is recommended by the Authority in the present sunset review would ensure that users and importers of product under consideration are not penalised when imports into India are above non injurious price.

## P. RECOMMENDATIONS

211. The Authority notes that the sunset review was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers/users and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. Having initiated and conducted the sunset review into dumping, injury and causal link and likelihood of continuation or recurrence of



dumping and injury in terms of provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that continued imposition of anti-dumping duty is required on subject goods from subject countries.

212. The Authority notes that producers/exporters from China PR, Ukraine, Korea RP and Japan participated in the original investigation. However, producers/exporters from China PR and Ukraine have not participated in the present sunset review investigation. In such a scenario, the Authority deems appropriate to prescribe duty table afresh as given hereinbelow.
213. The Authority recommends continuation of anti-dumping duty on the imports of the subject goods described in Col. 3 of the duty table below originating in or exported from the subject countries for a period of 5 years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government. The anti-dumping duty is recommended as the difference between the landed value of the subject goods described in Col. 3 of the duty table below and the amount indicated in Col. 7 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col. 7. If the landed value is more than the value indicated in Col. 7, anti-dumping duty will not be applicable. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

### **DUTY TABLE**

S.No.	Heading/Sub Heading	Description of subject goods	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7209, 7211, 7225 and 7226	Cold rolled/cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated*	Korea RP	Any country including Korea RP	Hyundai Steel Company	576	MT	USD
2	-do-	-do-	Korea RP	Any country including Korea RP	POSCO	576	MT	USD
3	-do-	-do-	Korea RP	Any country including Korea RP	Dongkuk Industries Co. Ltd.	NIL (Please refer to note – 1 below the duty table)	MT	USD
4	-do-	-do-	Korea RP	Any country including Korea RP	Dongkuk Industries Co. Ltd.	576	MT	USD
5	-do-	-do-	Korea RP	Any country including Korea RP	Any other than serial no 1 to 4	576	MT	USD
6	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Korea RP	Any	576	MT	USD
7	-do-	-do-	Japan	Any country	JFE Steel Corporation	576	MT	USD

				including Japan				
8.	-do-	-do-	Japan	Any country including Japan	Nippon Steel Corporation	576	MT	USD
9	-do-	-do-	Japan	Any country including Japan	Any other than serial no 7 to 8	576	MT	USD
10	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Japan	Any	576	MT	USD
11	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any	576	MT	USD
12	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti-dumping duty	China PR	Any	576	MT	USD
13	-do-	-do-	Ukraine	Any country including Ukraine	Any	576	MT	USD
14	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Ukraine	Any	576	MT	USD

\*The description of goods does not include the imports of the following:

- a) *Stainless Steel.*
- b) *High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.*
- c) *Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e. alloy steels containing by weight, at least 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel.*

Note -1: Only applicable for following quality/grades:

- i. Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality with minimum UTS  $\geq$  590 MPa having width  $\leq$  600 mm oiled and with trimmed edges.

- ii. Medium and High Carbon Steels with Carbon  $> 0.15\%$  having width =  $< 600$  mm oiled and with trimmed edges.

**FURTHER PROCEDURE**

214. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

ANANT SWARUP, Designated Authority